।। श्री हरिः ।।

नमामि देवी नर्मदे

अमृत दर्शन

RNI No. MPHIN /2004 /13927

वर्ष - 21 अंक - 320

नर्मदापुरम

मंगलवार, 02 सितंबर 2025

● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपया

Website : www.amritdarshan.com

नर्मदापुरम का प्रथम हिन्दी दैनिक

खास बात

सृष्टा को अपनी सृष्टि प्यारी होती है। कलाकार को अपनी कला, रचियता को अपनी रचना अपनी सन्तान की तरह प्रिय होती है ।

- सर्वदा नन्द

संक्षिप्त समाचार

आम भक्तों के लिए नहीं खुलेगा महाकाल मंदिर का गर्भगृह

उज्जैन। उज्जैन में महाकालेश्वर मंदिर के गर्भगृह में आम भक्तों को प्रवेश नहीं मिलेगा। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने गर्भगृह में आम भक्तों के प्रवेश पर रोक और वीआईपी श्रद्धालुओं को विशेष अनुमति देने के मामले में कलेक्टर के जारी आदेश को सही ठहराया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि गर्भगृह में किसे प्रवेश मिलेगा, यह तय करने का अधिकार कलेक्टर के पास ही रहेगा। फिलहाल यथास्थिति बनाए रखी जाएगी। इंदौर के वकील दर्पण अवस्थी ने जनहित याचिका लगाई थी। गुरुवार को सुनवाई के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा था। सोमवार को फैसला सुनाया। कोर्ट के निर्णय के अनुसार, जब तक कोई नया आदेश नहीं आता, गर्भगृह में प्रवेश व्यवस्था पूर्ववत बनी रहेगी, यानी आम भक्त गर्भगृह में प्रवेश नहीं कर सकेंगे और यह अधिकार केवल कलेक्टर के विवेक पर आधारित रहेगा।

पंजाब के 1300 गांवों में बाढ़, हिमाचल आपदा प्रभावित घोषित

देहरादून/श्रीनगर/चंडीगढ़। उत्तर भारत के हिमाचल, पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश से हालात खराब हैं। पंजाब के 9 जिलों में बाढ़ के हालात हैं। अब तक 1312 गांव बाढ़ से प्रभावित हो चुके हैं। भाखड़ा डैम में फ्लड गेट 4-4 फीट तक खोल दिए हैं। हिमाचल में रविवार से तेज बारिश हो रही है। शिमला के कोटखाई, जुब्बल और जुन्गा में देर रात लैंडस्लाइड से 4 लोगों की मौत हो गई। सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू ने विधानसभा में हिमाचल को आपदा प्रभावित राज्य घोषित किया है। चंडीगढ़-मनाली फोरलेन सहित 5 नेशनल हाईवे और करीब 800 सड़कें बंद पड़ी हैं। कुल्लू समेत 10 जिलों में सोमवार को स्कूल-कॉलेज बंद हैं। हरियाणा के 6 जिलों में भी बाढ़ जैसे हालात हैं। सिरसा में एक नहर टूटने से 50 एकड़ में खड़ी फसल पानी में डूब गई। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक प्रदेश में अब तक 2.50 लाख एकड़ में फसलों को नुकसान हुआ है। करीब 40 हजार किसान प्रभावित हुए हैं। सोमवार सुबह हथिनीकुंड बैराज से 29,313 क्यूसेक पानी छोड़ा गया, जिससे यमुना का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर है।

अंतर्मना उवाच

पर्वों के पर्वराज का पांचवा चरण - उत्तम सत्य सत्य नहीं होता परिभाषित- रहता मात्र अनुभव गम्य..!

तुम *- तुम्हारी उम्र से नौ महिने बड़े हो, यह बात सिर्फ एक ही शख्स जानता है।* ***सत्य को शब्दों का जामा नहीं पहनाया जा सकता है क्योंकि जो नग्न है वही सत्य है।*** *जैसे - धरती नग्न है, आकाश नग्न है, चांद तारे, पेड़, पौधे, सागर, सरिता, पशु, पक्षी, जानवर भी नग्न है,* ***इसलिए दिगंबर जैन संत भी नग्न है।*** *नग्नता प्रकृति प्रदत्त उपहार है जिसे हम नकार नहीं सकते।*

उत्तम सत्य धर्म कहता है *- दिखावे का जीवन बहुत जी लिया, अब यथार्थ के जीवन से जुड़ें और सत्य का जीवन जीयें।* ***अभी हम आकाश में जीते हैं, कल्पनाओं में उड़ते हैं, इसलिए सत्य के दर्शन से वंचित रह जाते हैं।*** *अभी हम पृथ्वी पर रहते हैं और आकाश की बातें करते हैं। जिस पृथ्वी पर रहना है, जीना है, चलना है, मरना है और भी बहुत कुछ करना है, हम उस पृथ्वी की बात नहीं करते। हम आकाश की बातें करके अपने* ***मैं*** *को पुष्ट करते हैं, इसलिए सत्य से दूर हो जाते हैं।*

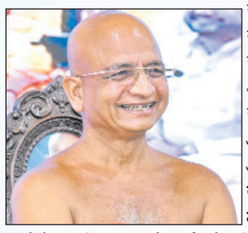

सत्य एक है, असत्य अनंत है। *धर्म सत्य है, अग्नि सत्य है, मृत्यु सत्य है। जो सत्य तुम्हें बांध ले, वह सत्य नहीं सम्प्रदाय है। सम्प्रदाय बांधता है, सत्य - मुक्त करता है।* ***सत्य मुक्ति प्रदाता है, सत्य से बढ़ कर दूसरा कोई मुक्ति दाता नहीं है।*** *सत्य ही शिव है, सत्य ही सुंदर है, सत्य ही परमात्मा है।*

उत्तम सत्य का अर्थ है मौन हो जाना। *मोबाइल आने के बाद आदमी झूठ बोलने में मास्टर माइंड बन गया है।*

मोबाइल रखने का अर्थ है.. झूठ बोलने का लाइसेंस...!!!

■ अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

विक्रमादित्य वैदिक घड़ी का अनावरण और ऐप किया लांच

भारत के गौरवपूर्ण समय को पुनर्स्थापित करेगी विक्रमादित्य वैदिक घड़ी :सीएम

भोपाल ■ प्रतिनिधि

राजधानी भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर विक्रमादित्य वैदिक घड़ी का लोकार्पण और ऐप लॉन्च किया। इस घड़ी की खासियत है कि यह सूर्य की गति के साथ चलती है और सूर्योदय से नए दिन की शुरुआत करती है। इस मौके पर शौर्य स्मारक से युवाओं का बाइक व पैदल मार्च निकाला गया, जो मुख्यमंत्री निवास तक पहुंचा। वहां विक्रमादित्य वैदिक घड़ी: भारत के समय की पुनर्स्थापना की पहल विषय पर युवा संवाद हुआ, जिसमें मुख्यमंत्री ने युवाओं से सीधा संवाद किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि यह केवल घड़ी नहीं, बल्कि भारत की गौरवशाली परंपरा और वैज्ञानिक दृष्टि का आधुनिक स्वरूप है। वैदिक घड़ी हमारी संस्कृति को वैश्विक मंच पर नई पहचान दिलाएगी।

भरतीय पंचांग ऋतुओं और प्रकृति से जुड़ा हुआ - सीएम ने विक्रमादित्य वैदिक घड़ी के लोकार्पण एवं युवाओं से संवाद कार्यक्रम में कहा कि काल गणना और वैदिक पद्धति हमारी वैज्ञानिक और सांस्कृतिक धरोहर है। अंग्रेजी तिथियां बदलती रहती हैं, लेकिन भारतीय पंचांग ऋतुओं और प्रकृति से जुड़ा हुआ है। सावन-भाद्रपद की वर्षा, क्वार-कार्तिक की ऋतु चक्र- सभी तिथि आधारित गणना का प्रमाण हैं। चंद्रमा और समुद्र के ज्वार-भाटा से लेकर मनुष्य के शरीर पर अमावस्या-पूर्णिमा का प्रभाव वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित है। भारतीय गणना पद्धति में दिन सूर्योदय से सूर्योदय तक माना जाता है, न कि रात 12 बजे से। 30 मुहूर्त, 24 घंटे और समय की संरचना भारतीय काल गणना की अद्वितीय प्रणाली है।

सीएम ने कहा कि हमारे यहां विचार व्यक्त करने और सत्य के आधार पर सुधार करने की स्वतंत्रता रही है, यही हमारी संस्कृति की ताकत है। उज्जैन भारत का काल गणना का केंद्र है, जो खगोलीय दृष्टि से प्रमाणित है। पंचांग और वैदिक गणित की सटीकता को दुनिया भी स्वीकार कर रही है, कंप्यूटर जहां असफल हो जाए वहां हमारे ज्योतिषी सही उत्तर दे सकते हैं। मुहूर्त का अर्थ केवल शुभ-अशुभ नहीं, बल्कि जीवन प्रबंधन और प्रकृति के अनुकूल आचरण भी है। सीएम हाउस मेरा नहीं, प्रदेश की 9 करोड़ जनता का है। उन्होंने कहा कि भोपाल में वैदिक घड़ी लगना, भारत के गौरवशाली इतिहास को वर्तमान और भविष्य से जोड़ने का प्रतीक है। उच्च शिक्षा विभाग और संस्कृति विभाग के इस अच्छे आयोजन की सराहना करता हूं।

वर्ष की गणना छह ऋतुओं के आधार पर की गई

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि समय की गणना सूर्योदय से सूर्योदय तक होनी चाहिए, क्योंकि रात 12 बजे दिन बदलने का कोई औचित्य नहीं है। हमारे इतिहास में खगोल विज्ञान को सूर्य की छाया के आधार पर समझा और परिभाषित किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे व्रत-त्योहार अंग्रेजी कैलेंडर पर नहीं, बल्कि भारतीय पंचांग पर आधारित हैं। वर्ष की गणना भी तिथियों और छह ऋतुओं के आधार पर की गई है। सीएम ने कहा कि ये भारत का समय है...। विक्रमादित्य वैदिक घड़ी अब मोबाइल ऐप के माध्यम से भी उपलब्ध है। इसे डाउनलोड कर आप अपने फोन पर हर उपयोगी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। मुझे प्रसन्नता है कि मुख्यमंत्री निवास के बाहर भी वैदिक घड़ी स्थापित की गई है।

पंचांग भारतीय कालगणना की शुद्धता और सटीकता का हैं जीवंत उदाहरण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि खगोलीय अध्ययन के लिए सूर्य से बनने वाली छाया के आधार पर सूर्य की गति की गणना की गई। उन्होंने बताया कि भारत का केन्द्र उज्जैन है और उज्जैन का केन्द्र वर्तमान में डोंगला में स्थित है। डोंगला का प्रसंग भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा से जुड़ता है। संभवत- डोंगला के इस महत्व से ही भगवान श्रीकृष्ण का आगमन हुआ था। पंचांग भारतीय कालगणना की शुद्धता और सटीकता का जीवंत उदाहरण हैं। पंचांग के विद्वान चंद्रग्रहण, सूर्यग्रहण, तिथि, नक्षत्र, वार, व्रत, त्यौहार और मुहूर्तों की जानकारी वर्तमान में भी त्वरित रूप से उपलब्ध कराते हैं।

पहलगाम आतंकी हमले की सभी देशों ने की निंदा

भारत को कमतर आंकना, समझदारी की बात नहीं, ट्रंप के टैरिफ पर भड़के विशेषज्ञ

तियानजिन (चीन) ■ एजेंसी

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की सोमवार को कड़ी निंदा की और भारत के इस रुख से सहमति जताई कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में किसी तरह का दोहरा मापदंड स्वीकार नहीं किया जा सकता। एससीओ के संयुक्त घोषणापत्र में आतंकवाद के सभी रूपों की निंदा की गई। यह घोषणापत्र चीन के तटीय शहर तियानजिन में दो दिन तक चले वार्षिक शिखर सम्मेलन के अंत में जारी किया गया। इस सम्मेलन में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुति और कई अन्य वैश्विक नेताओं ने हिस्सा लिया।

एससीओ के सदस्य देशों ने इस्राइल की ओर से गाजा पर किए हमलों की भी निंदा की, क्योंकि इन हमलों में बड़े पैमाने पर आम नागरिकों की मौत हुई है और गाजा पट्टी में गंभीर मानवीय संकट पैदा हो गया है। संयुक्त घोषणापत्र में क्षेत्रीय सुरक्षा को मजबूत करने के उपायों का जिक्र किया गया और आतंकवाद से निपटने को एक बड़ी चुनौती बताया गया। घोषणापत्र में कहा गया, सदस्य देशों ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़े शब्दों में निंदा की है। एससीओ के सदस्य देशों ने पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में खुझदार और जाफर एक्सप्रेस पर हुए आतंकी हमलों की भी निंदा की। घोषणापत्र में आगे कहा गया, उन्होंने (सदस्य देशों ने) मृतकों और घायलों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना और सहानुभूति व्यक्त की। साथ ही यह भी कहा कि ऐसे हमलों के अपराधियों, योजनाकारों और समर्थकों को सजा मिलनी चाहिए। एससीओ ने आतंकवाद, अलगाववाद और चरमपंथ के खिलाफ अपनी मजबूत प्रतिबद्धता दोहराई और इस बात पर जोर दिया कि इन तत्वों का निजी स्वार्थों के लिए इस्तेमाल करना पूरी तरह से अस्वीकार्य है। घोषणापत्र में कहा गया कि सदस्य देश मानते हैं कि आतंकवाद और चरमपंथ के खतरों से निपटने में संप्रभु देशों और उनकी सक्षम एजेंसियों की भूमिका सबसे अहम है।

पूर्वी अफगानिस्तान में भूकंप से तबाही; गांव के गांव बर्बाद, 800 लोगों की मौत, 2500 घायल

काबुल ■ एजेंसी

पूर्वी अफगानिस्तान में आए एक शक्तिशाली भूकंप में लगभग 800 लोगों की मौत हो गई। अब तक 2,500 से ज्यादा लोगों के घायल होने की खबर है। रविवार देर रात 6.0 तीव्रता का भूकंप नंगरहार प्रांत के जलालाबाद शहर के पास कुनार प्रांत के कई कस्बों में आया, जिससे भारी नुकसान हुआ। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के मुताबिक, रात 11.47 बजे आए भूकंप का केंद्र नंगरहार प्रांत के जलालाबाद शहर से 27 किलोमीटर पूर्व-उत्तर-पूर्व में था।

इसकी गहराई महज 8 किलोमीटर थी। कम तीव्रता वाले भूकंप ज्यादा नुकसान पहुंचाते हैं। इसके बाद भी इलाके में कई झटके आए। सोशल मीडिया और समाचार चैनलों पर प्रसारित वीडियो फुटेज में बचावकर्मी घायल लोगों को ढही हुई इमारतों से स्ट्रेचर पर उठाकर हेलीकॉप्टरों में ले जाते हुए दिखाई दे रहे हैं, जबकि कई लोग अपने हाथों से मलबा हटाने की कोशिश कर रहे हैं।

सेवा पखवाड़ा सहित संगठनात्मक की हुई चर्चा

भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष ने प्रदेश कार्यालय में प्रदेश टोली के सदस्यों के साथ बैठक कर सेवा पखवाड़ा सहित आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों के संबन्ध में मार्गदर्शन प्रदान किया। बैठक में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल, प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद जी उपस्थित रहे।

एनसीईआरटी का 65वां स्थापना दिवस

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा 'ज्ञान का दीप जलाता रहा है संस्थान'

नई दिल्ली ■ एजेंसी

64 साल की यात्रा में एनसीईआरटी ने भारत में शिक्षा को बेहतर, समावेशी और गुणवत्तापूर्ण बनाने में बड़ी भूमिका निभाई है। इसकी पाठ्यपुस्तकें और संसाधन भारत के साथ-साथ विदेशों में बसे भारतीयों के बीच भी बहुत लोकप्रिय हैं। अब डिजिटल और समावेशी शिक्षा पर ध्यान देते हुए एनसीईआरटी कई नए कदम उठा रहा है।

आज राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद ने अपना 65वां स्थापना दिवस दिल्ली स्थित मुख्यालय में मनाया। इस कार्यक्रम में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पिछले साढ़े छह दशकों से भारत के ज्ञान पुंज की जवाबदारी लेते हुए एनसीईआरटी ने शिक्षा का प्रकाश फैलाया है। एनसीईआरटी की कक्षा 1 से 12 तक की पाठ्यपुस्तकें सीबीएसई और कई राज्य बोर्डों में उपयोग की जाती हैं। ई-पाठशाला और डिजिटल जादुई पिटारा जैसे मंचों ने डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा दिया है। यूनिसेफ और यूनेस्को जैसे संगठनों के साथ साझेदारी से एनसीईआरटी ने वैश्विक स्तर पर शिक्षा के मानकों को ऊंचा किया है। एनसीईआरटी की स्थापना भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा 27 जुलाई 1961 को घोषित की गई थी और यह 1 सितंबर 1961 से औपचारिक रूप से प्रारंभ हुआ। तब से यह संस्था विद्यालयी शिक्षा के लिए पाठ्यक्रम निर्माण, शोध, शिक्षक प्रशिक्षण और शैक्षिक संसाधनों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती आ रही है।

पीओके में पाक सेना का हेलिकॉप्टर क्रैश पांच की मौत

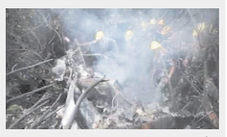

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कब्जे कश्मीर (पीओके) के गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र में सोमवार तड़के सेना का एक हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें पांच सैन्यकर्मी मारे गए। मृतकों में दो अधिकारी भी शामिल हैं। पाकिस्तानी सेना की ओर से जारी आधिकारिक बयान के मुताबिक, एमआई-17 हेलिकॉप्टर नियमित प्रशिक्षण मिशन पर था, जिसमें उड़ान के दौरान तकनीकी खराबी आ गई।

एमपी के 41 जिलों में रुके 36,838 बाल विवाह, उद्देश्य बाल विवाह मुक्त हो भारत

भोपाल ■ प्रतिनिधि

मध्यप्रदेश के 41 जिलों में पिछले दो सालों में 36,838 बाल विवाह रोके गए, 4,777 बच्चों को ट्रैफिकिंग से बचाया और 1200 से ज्यादा पीड़ित बच्चों को न्याय दिलाया गया। ये आंकड़े जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन के संस्थापक और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित अधिवक्ता भुवन ऋभु ने सोमवार को भोपाल में पेश किए हैं। उन्होंने बताया कि अब सरकार को साफ संदेश देना होगा कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम (पीसीएमए) हर धर्म, परंपरा और पर्सनल लॉ से ऊपर है।

ऋभु ने कहा कि मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य था जिसने बच्चियों से रेप पर मौत की सजा का प्रावधान किया था। अब यही सख्ती बाल विवाह पर भी दिखनी चाहिए। बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम बच्चों की सुरक्षा का धर्मनिरपेक्ष कानून है, इसे किसी भी पर्सनल लॉ से कमतर मानना बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। प्रदेश की 7.3 करोड़ आबादी में 40% बच्चे हैं। यहां बाल विवाह की दर 23.1% है, जो राष्ट्रीय औसत 23.3% से थोड़ी कम है। वहीं कई जिलों में हालात चिंताजनक हैं। ऋभु ने कहा कि इन जिलों में बच्चियां समय से पहले पढ़ाई छोड़ रही हैं और गरीबी व शोषण के अंतहीन चक्र में फंस रही हैं।

2030 तक लक्ष्य-बाल विवाह मुक्त भारत

मध्यप्रदेश में जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन के साथ 17 सहयोगी संगठन बाल विवाह, ट्रैफिकिंग, बाल श्रम और यौन शोषण के खिलाफ दोहरी रणनीति- जागरुकता और कानूनी हस्तक्षेप पर काम कर रहे हैं। यह नेटवर्क चाइल्ड मैरिज फ्री इंडिया अभियान के साथ जुड़ा है, जिसका लक्ष्य 2030 तक भारत को बाल विवाह मुक्त करना है

सबका साथ, सबका विकास के लिए सबके प्रयासों एवं सबको विश्वास में लेकर बढ़ रहे हैं आगे : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

कानून-व्यवस्था हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता, असामाजिक तत्वों का करेंगे सफाया

भोपाल ■ प्रतिनिधि

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आज मध्यप्रदेश कई मामलों में देश में अव्वल है। प्रदेश को और आगे ले जाना है। हमारी सरकार खेती-किसानी, पशुपालन, खाद्य प्रसंस्करण और नए-नए उद्योग धंधों की स्थापना के जरिए प्रदेश के युवाओं को रोजगार दिलाने के लिए संकल्पबद्ध हैं। हमारी सरकार सबके साथ और सहयोग से सबके विकास के लिए साझा प्रयासों एवं सबको पूरे विश्वास में लेकर विकास की दिशा में आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को भोपाल में मीडिया ग्रुप द्वारा आयोजित %इमर्जिंग बिजनेस कॉन्क्लेव (भोपाल चैप्टर)% में मीडिया संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस कान्क्लेव में मध्यप्रदेश की विशेषताओं के बारे में विस्तार से चर्चाकर प्रदेश के नवनिर्माण एवं बेहतरी के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों और आगामी कार्ययोजना की जानकारी भी दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मीडिया संवाद में कहा कि हम प्रदेश के किसानों की जिंदगी बेहतर बनाना चाहते हैं। इसीलिए कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन से दुग्ध उत्पादन, खाद्य प्रसंस्करण, आधुनिक खेती के प्रोत्साहन और किसानों को सम्मान निधि देकर उनके जीवन में स्वावलंबन लाने के लिए प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में लगभग रोजाना नए-नए उद्योग धंधों की स्थापना हो रही है। इससे हमारे युवाओं को रोजगार भी मिलेगा और प्रदेश की अर्थव्यवस्था भी सुदृढ़ होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि धार जिले में देश के पहले पीएम मित्रा पार्क का भूमिपूजन होना है। इससे पहले बुधवार, 3 सितम्बर को नई दिल्ली में पीएम मित्रा पार्क में निवेश के लिए इच्छुक निवेशकों के साथ मीटिंग एवं वन-टू-वन चर्चा की जाएगी।

गिरीश गौतम के बेटे का बीजेपी उपाध्यक्ष बनने से इनकार

प्रदेशाध्यक्ष को भेजा पत्र, कहा- यह जिम्मेदारी किसी दूसरे कार्यकर्ता को दिए जाने की जरूरत

भोपाल। बीजेपी की जिला कार्यकारिणियों की घोषणा रविवार से शुरू हो गई है। अब तक 4 जिले हरदा, देवास, मऊगंज और सागर ग्रामीण की कार्यकारिणी घोषित की जा चुकी है। मऊगंज में भाजपा के जिला उपाध्यक्ष बनाए गए पूर्व विधानसभा अध्यक्ष और देवतालाब विधायक गिरीश गौतम के बेटे राहुल गौतम ने पद छोड़ने की पेशकश की है। राहुल गौतम ने बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल को पत्र लिखा है। जिसमें उन्होंने कहा कि भाजपा जिला मऊगंज की जिला कार्यकारिणी की घोषणा की गई है। मुझे उपाध्यक्ष का दायित्व दिया गया है। पार्टी ने मुझ पर संगठन की जिम्मेदारियों के निर्वहन कर पाने का विश्वास किया है। इसके लिए आपको, संगठन मंत्री हितानंद शर्मा, संगठन प्रभारी रणवीर रावत और मऊगंज जिला अध्यक्ष राजेंद्र मिश्रा का हृदय से धन्यवाद करता हूं। इस विश्वास के लिए हमेशा आभारी रहूंगा।

संक्षिप्त समाचार

मंत्रालय में हुआ राष्ट्र-गीत वंदे-मातरम एवं राष्ट्र-गान जन-गण-मन का सामूहिक गायन

भोपाल। सितम्बर माह के प्रथम शासकीय कार्य दिवस सोमवार को मंत्रालय वल्लभ भवन क्रं. 1 के कक्ष क्रं 506 में राष्ट्र-गीत वंदे-मातरम एवं राष्ट्र-गान जन-गण-मन का सामूहिक गायन हुआ। वंदेमातरम गायन में पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण,विमुक्त घुमन्तु और अर्द्धघुमन्तु राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर, मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल, संजय कुमार शुक्ल, श्रीमती दीपाली रस्तोगी सहित मंत्रालय के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

गणेश पंडालों से निकल रहे फूल-माला से 100 लोगों को मिला रोजगार

भोपाल। भोपाल नगर निगम ने एक अच्छी पहल शुरू की है। शहर में करीब 4 हजार से अधिक जगहों पर विराजमान गणेश प्रतिमाओं के पंड़ालों से प्रतिदिन निकलने वाले फूल-माला इत्यादि सामग्री के प्रबंधन का एक पर्यावरण अनुकूल तरीका खोजा है। जिसमें करीब 100 लोगों को रोजगार भी उपलब्ध हो रहा है। भोपाल नगर निगम के अतिरिक्त आयुक्त देवेंद्र चौहान ने कहा है कि यह पहल न केवल शहर को स्वच्छ रख रही है, बल्कि पवित्र प्रसाद का सम्मानजनक और उत्पादक उपयोग भी कर रही है। दरअसल शहर के दानपानी कचरा स्थानांतरण स्टेशन पर एक विशेष प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित किया गया है, जहां फूल, नारियल, नारियल के रेशे, अगरबत्ती के अवशेष और अन्य पूजा सामग्री को अगरबत्ती, धूपबत्ती, गुलाल, कोको पीट और रस्सियों में बदला जा रहा है। यह पहल न केवल प्रदूषण को रोकती है, बल्कि लगभग 100 लोगों के लिए रोज़गार भी पैदा करती है।

पार्किंग-ट्रैफिक की परेशानी से जूझ रहा पुराना भोपाल

भोपाल। पार्किंग व टैफिक की परेशानी से पुराना भोपाल जहां वर्षों से जूझ रहा है। वहीं दूसरी ओर इसके निदान के लिये हुई बैठकें भी समस्या का समाधान नहीं निकाल पाई है। जबकि बीते 5 वर्षों के दौरान इसके निराकरण लिये जिला व निगम प्रशासन के साथ क्षेत्र के व्यापारियों की लगातार बैठकें करते हैं। जिससे समस्या जस की तस बनी हुई है। इस कड़ी में बीते दिनों सांसद आलोक शर्मा की अध्यक्षता में हुई बैठक ने मामले को फिर गर्मा दिया है। क्योंकि कलेक्टर कार्यालय में वरिष्ठ अधिकारियों और सराफा, किराना, दवा और कपड़ा बाजार के व्यापारी संघों के प्रतिनिधियों के साथ हुई समीक्षा बैठक भी परिणाम के अभाव में बेतनतीजा साबित हो रही है। जबकि इस बैठक में भी व्यावसायिक गतिविधियों को प्रभावित करने वाले विषय में पूर्व की तरह अव्यवस्थित पार्किंग और बिगड़ता ट्रैफिक जाम ही चर्चा में मुख्य मुद्दा रहा हैं। चौक बाजा के पास पार्किंग की जगह पर अवैध गैरेजों द्वारा अतिक्रमण किए हुए हैं, जिससे खरीदारों के लिए बहुत कम जगह बचती है। इस बैठक में सांसद ने निगम अधिकारियों को तुरंत अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। इसके साथ ही नये शहर में बाजार विस्थापन के लिये स्मार्ट सिटी भूमि आवंटित करने का मुद्दा भी कार्ययोजना में नहीं आ पाया है।

बच्चे हो रहे बीमार, जेपी अस्पताल में बच्चा वार्ड फुल

भोपाल। अचानक तेज बारिश, धूप और बादल मौसम के ये तीन रूप देखने को मिल रहे हैं। जैसे-जैसे मौसम में बदलाव हो रहा है वैसे-वैसे ही तीन वायरस सक्रिय हो रहे हैं। ये वायरस ज्यादातर बच्चों को प्रभावित कर रहे हैं। बच्चों में तेज बुखार, शरीर दर्द, उल्टी-दस्त जैसे लक्षण देखे जा रहे हैं। रविवार को जेपी अस्पताल और हमीदिया अस्पताल की शिशु रोग विभाग की इमरजेंसी में 119 बच्चे पहुंचे, जो औसतन रविवार को आने वाले बाल रोगियों की संख्या से तीन गुना अधिक हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, इन वायरस से प्रभावित बच्चों को पूरी तरह रिकवर होने में 7-10 दिन का समय लग रहा है। बीते एक सप्ताह में एम्स, हमीदिया और जेपी अस्पताल में 15 साल से कम आयु के 6 हजार से अधिक बच्चे ओपीडी में पहुंचे हैं। जेपी अस्पताल के शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. पियूष पंवरत्न ने कहा कि कई परिजन मेडिकल स्टोर से मनमर्जी की दवा देकर बच्चों का इलाज करने की कोशिश करते हैं, जिससे स्थिति और बिगड़ सकती है। बच्चों को खुद से दवा न दें। 100 डिग्री से ऊपर बुखार होने पर केवल पैरासिटामॉल दी जा सकती है। यदि आराम न मिले तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं। जेपी अस्पताल का बच्चा वार्ड पूरी तरह भर गया है। पीआईसीयू और एचडीयू में लगभग सभी बेड भरे थे। जिन्हें सांस लेने में तकलीफ थी, उन्हें भाप दी जा रही थी और उल्टी-दस्त के साथ भर्ती बच्चों को ड्रिप लगाई जा रही थी ताकि कमजोरी और डिहाइड्रेशन से बचाया जा सके।

भोपाल में सजी केदारनाथ धाम की भव्य झांकी

कोलकाता के कलाकारों ने बनाई, रोजाना हजारों श्रद्धालुओं कर रहे दर्शन

भोपाल ■ निसं

राजधानी भोपाल में गणेशोत्सव इस बार कुछ खास नजर आ रहा है। भोपाल में लालघाटी पर राजा गणेश उत्सव समिति ने इस साल केदारनाथ धाम की भव्य झांकी तैयार कराई है, जिसे देखने के लिए रोजाना हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। झांकी कोलकाता से आए बंगाली कलाकारों ने करीब एक महीने की अथक मेहनत से तैयार की है। समिति के प्रमुख विनोद यादव ने बताया कि उत्तराखंड स्थित केदारनाथ धाम का स्वरूप हूबहू उतारने का प्रयास किया गया है। झांकी में ज्योतिर्लिंग, नंदी और मंदिर परिसर को इस तरह से सजाया गया है कि श्रद्धालु खुद को वास्तविक केदारनाथ धाम में अनुभव करते हैं।

गजानन महाराज की प्रतिमा के साथ ज्योतिर्लिंग के दर्शन कराने का विशेष प्रबंध किया गया है। श्रद्धालुओं का कहना है कि यहां आकर ऐसा महसूस होता है मानो वे सचमुच केदारनाथ यात्रा पर निकल पड़े हों।

झांकी बनाने की लागत करीब 5-6 लाख

समिति प्रमुख यादव का कहना है कि हर बार प्रयास यही रहता है कि दूरदराज स्थित प्रसिद्ध तीर्थस्थलों का दिव्य स्वरूप भोपाल लाकर यहां के भक्तों को दर्शन कराए जाएं। उन्होंने कहा कि देशभर के लाखों लोग कठिन पर्वतीय यात्राओं के कारण केदारनाथ नहीं पहुंच पाते। ऐसे भक्तों को राजधानी में ही उसी भव्यता के साथ केदारनाथ धाम का अनुभव मिल सके, यही उद्देश्य इस झांकी का है।

यादव ने बताया कि झांकी के निर्माण में कई चुनौतियां आईं। कपड़ा गुजरात से विशेष रूप से मंगाया गया। कारीगरों की टीम दिन-रात काम करती रही और आखिरकार निर्धारित समय पर झांकी तैयार हुई। उन्होंने कहा कि निर्माण में करीब 5 से 6 लाख रुपए की लागत आई है।

भजन-कीर्तन और सांस्कृतिक आयोजन भी हो रहे

गणेशोत्सव समिति की इस पहल ने राजधानीवासियों को आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति कराई है। शाम को झांकी के सामने भजन-कीर्तन और सांस्कृतिक आयोजन भी हो रहे हैं। शहरभर से परिवार अपने बच्चों और बुजुर्गों के साथ झांकी के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। लोगों का कहना है कि इतनी अद्भुत और जीवंत झांकी भोपाल में पहली बार देखने को मिल रही है, जो गणेशोत्सव की भव्यता को और बढ़ा रही है।

भोपाल रेलवे स्टेशन पर अनाधिकृत व्यक्तियों के विरुद्ध करवाई के लिए लगाया कैंप कोर्ट

ऑपरेशन ऑक्टोपस के तहत 179 मामलें पकड़े, 3.15 लाख का जुर्माना वसूला

भोपाल ■ निसं

रेल सुरक्षा बल भोपाल मंडल द्वारा प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त पश्चिम मध्य रेलवे श्री राजीव कुमार यादव एवं मंडल सुरक्षा आयुक्त भोपाल डॉ अभिषेक के मार्गदर्शन में रेल यात्रियों की सुविधा एवं सुरक्षा हेतु, अवैध व्यक्तियों के विरुद्ध ऑपरेशन ऑक्टोपस के तहत अभियान चलाया जा रहा है तथा इस अभियान को सफल बनाने के लिए रेलवे मजिस्ट्रेट भोपाल अनुराग खरे द्वारा रेलवे स्टेशन भोपाल पर अपना कैंप कोर्ट लगाया गया तथा इस कैंप कोर्ट में रेल सुरक्षा बल द्वारा रेल में अवैध रूप से खान-पान बेचने वाले, गंदगी फैलाने वाले, अवैध रूप से रेल सीमा प्रवेश करने वाले व्यक्तियों को पड़कर न्यायालय में पेश करने पर कुल 179 व्यक्तियों पर 3,15,320 जुर्माना किया गया, यात्रियों द्वारा रेल सुरक्षा बल एवं माननीय मजिस्ट्रेट कि इस कार्रवाई को एक अच्छा कदम बताया गया।

होम्योपैथी चिकित्सा महाविद्यालय में थायराइड विकार एवं मोटापे की विशेषज्ञ इकाई शुरू

भोपाल ■ निसं

भोपाल स्थित शासकीय होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय चिकित्सालय परिसर में आयुष मंत्रालय भारत सरकार के संयुक्त तत्वावधान में हाइपोथायरायडिज्म एवं ओबेसिटी के लिए विशेषज्ञ इकाई की स्थापना की गई है। इस इकाई की स्थापना का उद्देश्य, थायराइड ग्रंथि की अनियमितताएं और उससे होने वाले मोटापे में होम्योपैथी की कारगर दवाओं के माध्यम से अनुसंधान एवं उपचार किया जाना है।

इस इकाई के लिए भारत सरकार के केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद द्वारा विशेषज्ञ चिकित्सकों के अतिरिक्त सहायक चिकित्सकों एवं लैब विशेषज्ञों की एक टीम, स्थानीय होम्योपैथिक चिकित्सालय में उक्त कार्यों के लिए उपलब्ध है। यह इकाई थायराइड ग्रंथि की अनियमिताओं से उत्पन्न होने वाले रोगों के त्वरित उपचार एवं इन रोगों के कारण आने वाले दीर्घकालिक प्रभाव पर केंद्रित कार्य करेगी। यह इकाई प्रतिदिन प्रातः 10 से दोपहर एक बजे तक उक्त रोगियों के पंजीयन एवं उपचार की सेवाएं प्रदान करेगी। इसके लिए दूरभाष क्रमांक 0755 299 2972 पर समस्त जानकारी प्रतिदिन प्रातः 10 बजे से शाम 4 बजे तक उपलब्ध रहेगी। इच्छुक लाभार्थियों द्वारा अपना दूरभाष दिए जाने पर विशेषज्ञों द्वारा संपर्क किया जाएगा। समस्त उपचार शासकीय स्तर पर किया जाएगा। उपचार में होम्योपैथिक दवाओं के अतिरिक्त व्यायाम एवं आहार विशेषज्ञों द्वारा भी संपूर्ण स्वास्थ्य के लक्ष्य के साथ कार्य किया जाएगा। प्रधानाचार्य डॉ. एस.के. मिश्रा ने बताया कि प्रदेश में इस प्रकार की हाइपोथायरायडिज्म से जनित मोटापे की यह प्रथम विशेषज्ञ इकाई है, जो भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के माध्यम से स्थापित मापदंडों पर कार्य करेगी। होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति प्रकृति के सिद्धांतों के अनुरूप शरीर की रोग प्रतिकारक क्षमताओं को विकसित करके मनुष्य को दीर्घकालीन स्वास्थ्य एवं उच्च गुणवत्ता का जीवन प्रदान करती है।

वासुपूज्य जिनालय बावड़िया कला में श्रद्धा भक्ति के साथ मनाया जा रहा है दशलक्षण पर्व

भोपाल ■ निसं

श्री 1008 भगवान वासुपूज्य जिनालय बावडिया कला में पर्वराज दशलक्षण पर्व बड़ी धूमधाम और श्रद्धा भक्ति के साथ मनाए जा रहे हैं। प्रथम चार दिवस में चारों कषायों के शमन हेतु पूजन पाठ कर अर्घ समर्पित किए। साथ ही बच्चों, युवाओं और वरिष्ठ सदस्यों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से मनभावन कार्यक्रमों के द्वारा श्रमण परम्परा और सिद्धान्तों को सीखा। श्रमण संस्कृति संस्थान सांगनेर के विद्वान नितिन शास्त्री द्वारा प्रतिदिन पूजन के साथ साथ तत्वार्थ सूत्र जी का वाचन, उसका अर्थ, और सारगर्भित प्रवचन किये जा रहे हैं, जिससे समस्त समाज लाभान्वित हो रही है।

ज्ञानवर्धक सांस्कृतिक कार्यक्रमों में एक द्विदिवसीय कार्यक्रम कर्मों का बही खाता का आयोजन अविजित समूह द्वारा किया गया। जो कि ज्ञान तकनीकी और मनोरंजन का अनोखा संगम था। युवाओं द्वारा जिस लगन, परिश्रम और समर्पण के साथ इस कार्यक्रम को संचालित किया उसकी सभी ने अत्यंत प्रशंसा की। आगामी दिनों में महिला मंडल के द्वारा नाटिका, भजन संध्या आदि का आयोजन किया जावेगा।

पूज्य मुनि 108 श्री प्रमाणसागर महाराज द्वारा प्रणीत, सभी के तन को स्वस्थ और मन को मस्त करने के लिए मंगल भावना का पाठ भी किया जा रहा है। समिति के अध्यक्ष डॉ अशोक जैन ने बताया कि इस आयोजन में प्रतिभागियों के बीच प्रतिद्वन्दता के स्थान पर सहयोग की भावना बढ़ाने के उद्देश्य से सभी को पुरुष्कृत किया जा रहा है।

भर्ती परीक्षाओं में जीवित रोजगार पंजीयन अनिवार्य

भोपाल। मप्र में आगामी तीन वर्षों में ढाई लाख से अधिक कार्यरत पदों पर भर्तियां होनी हैं। इसमें किसी को भी जीवित रोजगार पंजीयन से छूट नहीं मिलेगी। इसकी अनिवार्यता बनी रहेगी। मुख्य सचिव अनुराग जैन की अध्यक्षता वाली वरिष्ठ सचिव समिति मौजूदा व्यवस्था में परिवर्तन के पक्ष में नहीं है। दरअसल, यह व्यवस्था इसलिए बनाकर रखी जा रही है, ताकि प्रदेश के युवाओं को सरकारी नौकरियों में अधिक से अधिक अवसर मिल सके। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में 30 लाख से अधिक आकांक्षी (पंजीकृत बेरोजगार) युवा हैं। पुलिस भर्ती में रोजगार पंजीयन की अनिवार्यता के कारण अन्य राज्यों के युवा अयोग्य हो गए थे। इन्होंने सरकार के नियम को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी।

एम्स भोपाल में अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी कॉन्क्लेव का सफल आयोजन

भोपाल ■ निसं

एम्स भोपाल ने 29-30 अगस्त 2025 को इंटरनेशनल पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी एसोसिएशन द्वारा अनुमोदित पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी टीचिंग कोर्स और 7वें वार्षिक पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी कॉन्क्लेव का सफल आयोजन किया। दो दिवसीय इस आयोजन में देशभर से 100 से अधिक प्रतिभागी और 20 ख्यातिप्राप्त विशेषज्ञ शामिल हुए, जो पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी प्रशिक्षण को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ, जिसमें बाल रोग विभागाध्यक्ष ने बताया कि हाल ही में स्थापित नए एम्स संस्थानों में एम्स भोपाल पहला संस्थान है जिसने पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी में डीएम कार्यक्रम शुरू किया है। इस विभाग ने अब तक 1,500 से अधिक हेमोडायलिसिस सत्र, 200 प्लाज्मा एक्सचेंज पूरे किए हैं और एंड-स्टेज किडनी डिजीज से पीड़ित बच्चों के लिए सीएपीडी की शुरुआत भी की है। आईएसपीएन के सचिव ने भारत में पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी प्रशिक्षण को विस्तारित करने की तात्कालिक आवश्यकता पर बल दिया और कहा कि वर्तमान में पूरे देश में केवल 13 डीएम सीटें उपलब्ध हैं। वहीं, डीन (अनुसंधान) ने विभाग की वित्त पोषित शोध गतिविधियों में नेतृत्वकारी भूमिका की सराहना की।

कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) माधवानंद कर ने युवा चिकित्सकों को आजीवन सीखने की प्रेरणा दी और इस बात पर जोर दिया कि नेफ्रोलॉजी जैसी पीडियाट्रिक सुपरस्पेशियलिटी बच्चों के स्वास्थ्य परिणामों को बेहतर बनाने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अपने मुख्य संबोधन में आयोजन सचिव ने यह उल्लेख किया कि एक्यूट किडनी इंजरी भारत में एक बड़ी स्वास्थ्य चुनौती है, जहाँ इसकी मृत्यु दर 28 प्रतिशत है जबकि विकसित देशों में यह केवल 7 प्रतिशत है। उन्होंने बताया कि इसका मुख्य कारण देर से निदान, डायलिसिस की सीमित उपलब्धता और संक्रमण की उच्च दर है। साथ ही यह भी रेखांकित किया कि विकसित देशों में भी 40 प्रतिशत एकेआई रोगियों को अपर्याप्त देखभाल मिलती है, जिससे ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों का महत्व और बढ़ जाता है।

वैज्ञानिक सत्रों में रीनल रिप्लेसमेंट थेरेपी और पीओकस पर व्यावहारिक प्रशिक्षण तथा हालिया प्रगति पर सीएमई शामिल रहे। कनाडा से ऑनलाइन उद्बोधन देते हुए डॉ. मार्टिन बिट्ज़न ने घोषणा की कि एटिपिकल एचयूएस के लिए जीवनरक्षक दवा एकुलिज़ुमैब अब शीघ्र ही भारत में उपलब्ध होगी। उन्होंने एम्स भोपाल को इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी द्वारा प्रदत्त प्रतिष्ठित इंटरनेशनल श्रायर अवार्ड प्राप्त करने पर बधाई भी दी।

राष्ट्रीय बौद्धिक संसद में तैयार हुआ जनघोषणा पत्र

भोपाल ■ निसं

राष्ट्रीय न्याय सत्याग्रह एवं पराक्रम जनसेवी संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में गांधी भवन, भोपाल में राष्ट्रीय बौद्धिक संसद का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में देशभर से समाजसेवी, शिक्षाविद्, पर्यावरविद, वैज्ञानिक, प्रशासनिक अधिकारी और बुद्धिजीवियों ने अपने विचार व्यक्त किए।

इस बौद्धिक संसद का मुख्य उद्देश्य लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक मूल्यों की रक्षा और सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों पर विचार कर जनघोषणा पत्र तैयार करना था। इसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, महिला सुरक्षा, न्याय, रोजगार, भ्रष्टाचार, जलवायु परिवर्तन, अंधविश्वास, कट्टरता तथा कमजोर वर्गों की समस्याओं पर चिंतन कर जन घोषणा पत्र तैयार किया गया।

इस कार्यक्रम में पद्मश्री बाबूलाल दाहिया, पूर्व VC डॉ. रामप्रसाद, पूर्व छत्रक अरुण गुर्ट व उपेंद्र वर्मा, पूर्व सचिव भारत सरकार विलफ्रेड लकड़ा, पूर्व ACS अशोक शाह, पर्यावरणविद् शरद पालीवाल, कृषि वैज्ञानिक डॉ. एस.एस. तोमर, पूर्व जिला जज आर.सी. चौरसिया, समाजसेवी सनाज सेवी प्रकाश ठाकुर, विपिन टोप्पो, भगत सिंह मेहदेल, रामकुमार विद्यार्थी, कबीर मलिक, कुलदीप टोप्पो, प्रियांशु धारसे सहित कई गणमान्य जन उपस्थित रहे।

क्राइम ब्रांच भोपाल टीम ने टीकमगढ़ में चल रही अवैध आर्म्स फैक्ट्री पर मारी रेड

एक ही परिवार की तीन पीढ़ियों के आरोपी दादा, बेटा और पोते कर रहे थे हथियार तस्करी

- इंटरस्टेट आर्म्स तस्करी का पर्दाफाश
- अन्य बेटों और नाती-पोते को जेल होने के बाद भी जारी रखा कारोबार

भोपाल ■ निसं

भोपाल क्राइम ब्रांच ने टीकमगढ़ जिले के जतारा के रामगढ़ में अवैध हथियार बनाने की फैक्ट्री पर रेड मारते हुए इंटरस्टेट आर्म्स तस्करी गिरोह का पर्दाफाश किया है। इसे आनंदी विश्वकर्मा नाम का व्यक्ति अपने दो बेटों और नाबालिग पोते के साथ मिलकर चला रहा था। यह फैक्ट्री दूर दराज एक वेयरहाउस को किराये पर लेकर चलाई जा रही थी। यहाँ तैयार किये गये जानलेवा हथियार मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश के साथ ही अन्य राज्यों में सप्लाई करते थे। माल खपाने के लिये सात एजेंट बना रखे थे। क्राइम ब्रांच की टीम ने फैक्ट्री से लेथ मशीन, वेल्डिंग मशीन, ड्रिल मशीनें, देसी पिस्टल और तीन अधूरी पिस्टल सहित कई कलपुर्जे जब्त किए हैं।

अफसरो ने बताया कि वाहन चोरी और अवैध हथियारों के कारोबार से जुड़े तीन आरोपियों को भोपाल के निशातपुरा से हिरासत में लिया था। इनके कब्जे से तीन वाहन बरामद किए गए, जिन्हें हनुमानगंज थाने के सुपुर्द किया गया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि मुख्तार खान हथियारों की अवैध सप्लाई में शामिल है। बीते दिनो मुख्तार खॉन को पिस्टल सहित दबोचा गया। मुख्तार खान ने पुलिस पूछताछ में बताया कि पिस्टल उसे सुरेंद्र विश्वकर्मा से मिली थी। सुरेंद्र ने टीकमगढ़ में अवैध हथियार फैक्ट्री लगा रखी थी। मुख्तार के बयानों के आधार पर जांच की गई तो पला चला कि सुरेंद्र और उसका परिवार बीते करीब 35-40 सालो से अवैध हथियार बनाने का काम कर रहा है। सुरेंद्र का पिता आनंदी विश्वकर्मा लेथ मशीन से ट्रॉली और कृषि उपकरण बनाने की आड़ में हथियार बनाने का काम कर रहा था।

इसकी तकनीक उसने राजस्थान के फुलेरा में रहने वाले अपने एक रिश्तेदार से सीखी थी। बाद में आनंदी विश्वकर्मा ने अपने पूरे परिवार को अवैध हथियार बनाने के कारोबार में शामिल कर लिया। सुरेंद्र के जेल जाने के बाद भी परिवार ने हथियार बनाना जारी रखा। आनंदी का नाबालिग पोता और दूसरा बेटा धर्मेंद्र भी इस काम में लगे थे। क्राइम ब्रांच की कार्रवाई से पहले सुरेंद्र और उसके नाबालिग बेटे को पुलिस ने गिरफ्तार किया था, तब भी आनंदी और धर्मेंद्र ने काम बंद नहीं किया था।

आरोपियों की अपराधिक कुंडली

सुरेंद्र विश्वकर्मा पूर्व में लूट के मामले में 7 साल की सजा काट चुका है। जनवरी 2025 में जेल से रिहा होने के बाद उसने दोबारा अवैध हथियार निर्माण शुरू किया। मामले में आरोपी मुख्तार खान, सुरेंद्र विश्वकर्मा, सैफ अली उर्फ रिंकू, मुमताज अली और आनंदी विश्वकर्मा शामिल हैं, जबकि फरार आरोपी नरेंद्र प्रताप सिंह परमार है। आरोपी मुख्तार खान के खिलाफ क्राइम ब्रांच में एक मामला दर्ज है, एक साल पहले उसने सुरेन्द्र से एक पिस्टल खरीदी थी। सुरेन्द्र के खिलाफ थाना कुडीला, बाना दिगौडा, थाना कोतवाली टीकमगढ़), थाना मोहनगड़, थाना बल्देवगढ़, थाना खरगपुर टीकमगढ़ में 16 मामले दर्ज है। उसके खिलाफ रासूका की कार्यवाही भी की जा चुकी है। मुमताज अली के खिलाफ थाना जतारा टीकमगढ़, थाना खरगापुर, थाना बम्हौरीकला टीकमगढ़ और थाना लिधोरा में चार मामले दर्ज है।

हक की लड़ाई आंदोलन 21 सितंबर को होगा भोपाल में

भोपाल ■ निसं

मप्र कर्मचारी मंच के नेतृत्व में प्रदेश के लाखों-लाख अस्थाई कर्मचारी अपनी नौकरी स्थाई करने की मांग को लेकर हक की लड़ाई आंदोलन के तहत 21 सितंबर को भोपाल के अंबेडकर जयंती मैदान तुलसी नगर में आंदोलन करेंगे तथा खून से मुख्यमंत्री को ज्ञापन लिखेंगे। यह निर्णय कर्मचारी मंच की प्रमुख समिति द्वारा प्रस्ताव पारित करके लिया गया है।

मप्र कर्मचारी मंच के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट आदेश जारी करें हैं कि प्रदेश के अस्थाई कर्मचारियों को स्थाई किया जाए। मप्र की जबलपुर इंदौर ग्वालियर उच्च न्यायालय खंडपीठ भी प्रदेश सरकार के लिए सैकड़ों आदेश जारी कर चुकी है कि प्रदेश की अस्थाई कर्मचारियों को स्थाई किया जाए, नियमित किया जाए। लेकिन राज्य सरकार अस्थाई कर्मचारियों को नियमित करने की बजाय आउटसोर्स और संविदा नीति लागू करके अस्थाई कर्मचारियों के नियमित करण के अधिकार का हनन कर रही है। इस कारण लाखों अस्थाई कर्मचारियों में असंतोष का वातावरण निर्मित हो गया है। मप्र में श्रम अधिकारों का हनन हो रहा है। नौकरशाही बेगार प्रथा के कारण अस्थाई कर्मचारियों के नियमितीकरण के अधिकारों का हनन कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

हमारा विद्यालय-हमारा स्वाभिमान के साथ शिक्षक, विद्यार्थियों ने संकल्प लिया

सिवनी मालवा। लोक शिक्षण संचनालय मध्यप्रदेश शिक्षा विभाग के निर्देश पर हमारा विद्यालय हमारा स्वाभिमान के विचार की थीम के साथ विकासखण्ड सिवनी मालवा के शासकीय, अशासकीय विद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता, उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम, अनुशासन, पर्यावरण सौंदर्भ, छात्रों के चरित्र निर्माण, सेवा, समर्पण, संस्कार तथा भेदभाव रहित वातावरण निर्माण की दृष्टि से 01 सितम्बर 2025 को हमारा विद्यालय हमारा स्वाभिमान के विचार, भाव को लेकर विद्यालय के शिक्षक तथा अध्ययनरत विद्यार्थियों ने एक साझा संकल्प का वाचन कर संकल्प लिया। जिसमें विद्यालय परिसर की स्वच्छता, अनुशासन तथा प्रेरणास्पद वातावरण बनातें हुए विद्यालय की सम्पदा-संसाधन को राष्ट्रधन मानते हुए इनका संरक्षण कर भेदभाव रहित शिक्षण, आत्म विकास एवं चरित्र निर्माण, सेवा समर्पण के प्रति ध्यान आकृष्ट करने हेतु शिक्षक-शिक्षिकाएं विद्यालय में संकल्प पत्र का वाचन भी किया गया।

इंदौर में भाजपा महिला मोर्चा का गांधी भवन पर प्रदर्शन

इंदौर। इंदौर में सोमवार को भाजपा महिला मोर्चा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस कार्यालय गांधी भवन पर प्रदर्शन किया। महिला मोर्चा की कार्यकर्ता पीएम नरेंद्र मोदी की मां पर की गई टिप्पणी का विरोध कर रही थी। महिला मोर्चा का आरोप है कि पीसीसी चीफ भी महिलाओं को लेकर अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते हैं, उन्हें इस्तीफा देना चाहिए। इस दौरान महिला मोर्चा कार्यकर्ता कांग्रेस कार्यालय पर इकट्ठा हुई और नारेबाजी की। कांग्रेस ने इसे फ्लॉप शो बताया। भाजपा महिला मोर्चा नगर अध्यक्ष शैलजा मिश्रा ने बताया कि इस विरोध प्रदर्शन में इंदौर के सभी विधानसभा क्षेत्रों से कार्यकर्ता शामिल हुई। उनके हाथ में पोस्टर थे। इस दौरान कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के महिलाओं पर बयान का भी विरोध किया गया और इस्तीफे की मांग की। पटवारी और राहुल की तस्वीरें जूतों से रौंदी गई।

ग्वालियर के माधौगंज में 10वीं का छात्र लापता

ग्वालियर। ग्वालियर के माधौगंज में तोमर कॉलोनी इलाके से एक दसवीं का छात्र लापता हो गया है। छात्र रविवार दोपहर 2.45 बजे घर से खेलने जाने की कहकर निकला था, लेकिन शाम तक नहीं लौटा तो परिजन को चिंता हुई। परिजन ने अपने स्तर पर उसकी तलाश शुरू की। छात्र के सभी दोस्त और रिश्तेदारों के घर पूछताछ की गई, लेकिन कहीं भी छात्र का कुछ पता नहीं चला है। आखिर में परिजन ने माधौगंज थाना पहुंचकर मामले की सूचना दी है। पुलिस ने सूचना के आधार पर छात्र की तलाश शुरू कर दी है। फिलहाल छात्र का कुछ पता नहीं चला है। माधौगंज गुढ़ा स्थित तोमर कॉलोनी में किराए से रहने वाले नंदकिशोर वर्मा (किरार) के बड़े भाई राजेश वर्मा का बेटा हिमांशु वर्मा (16 साल) ग्वालियर में ही रहकर पढ़ाई कर रहा है।

बैंक से 15 किलो सोने की डकैती, 3 किलो बरामद

जबलपुर। जबलपुर से 50 किलोमीटर दूर खितौला स्थित इसाफ स्मॉल फाइनेंस बैंक में डकैती मामले में जबलपुर पुलिस को कुछ हद तक कामयाबी मिल गई है। पुलिस ने गया (बिहार) से डकैती के मास्टरमाइंड राजेश दास (38) और सोना छिपाने में उसकी मदद करने वाले इंद्रजीत दास (26) को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 3 किलो सोना भी जब्त किया है। दोनों को सोमवार को ही गया से लेकर लौटी पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है। बता दें कि डकैत बैंक से 14 किलो 800 ग्राम सोना और 5.70 लाख रुपए कैश ले गए थे। मामले में अब तक मास्टरमाइंड समेत 6 आरोपी पकड़े जा चुके हैं। मामले में जबलपुर पुलिस आरोपी रईस लोधी को पहले ही पकड़ चुकी है। इसी की निशानदेही पर राजेश दास की तलाश की जा रही थी।

2 मिनट में तोड़ा बाइक का लॉक, चुरा ले गए बदमाश

उज्जैन। उज्जैन में मक्सी रोड पर महावीर एवेन्यू कॉलोनी में रविवार रात चोरों ने मात्र दो मिनट में एक लाख रुपए कीमत की बाइक चुरा ली। पूरी घटना कॉलोनी में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। शहर में लगातार बढ़ रही बाइक चोरी की घटनाएं पुलिस के लिए चुनौती बनती जा रही हैं।

प्रधानमंत्री मोदी और उनकी मां पर की गई अशोभनीय टिप्पणी के विरोध में

सड़क पर उतरे थे भाजपाई, राहुल गांधी का पुतला जलाने के दौरान भिड़े कांग्रेसी

सीहोर ■ निसं

बिहार में राहुल गांधी की यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और उनकी मां पर की गई अशोभनीय टिप्पणी के विरोध में सोमवार को भाजपा ने प्रदर्शन किया। बस स्टैंड स्थित कांग्रेस कार्यालय के सामने राहुल गांधी का पुतला फूंकने के दौरान भाजपाई और कांग्रेसियों में झड़प हो गई। दोनों के बीच जमकर धक्का-मुक्की हुई। इसमें भाजपा कार्यकर्ता घायल हो गया। झड़प के दौरान का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें सीहोर के भाजपा सुदेश राय मां की गालियां देते नजर आ रहे हैं। कांग्रेस ने यह वीडियो जारी कर बीजेपी पर निशाना साधा है। भाजपा विधायक सुदेश राय का गाली देते हुए वीडियो कांग्रेस जिला अध्यक्ष राजीव गुजराती और इच्छावर क्षेत्र के पूर्व विधायक शैलेंद्र पटेल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है।

पटेल ने लिखा- भाजपा के दोहरे चरित्र का नज़ारा साफ़ दिख रहा है। एक तरफ राहुल गांधी जी के खिलाफ झूठे आरोप लगाकर पुतला दहन, और दूसरी तरफ़ उनके ही विधायक सुरेश राय खुलेआम मां-बहन की गालियां बरसाते हुए। सवाल ये है कि जो पार्टी खुद को संस्कार और संस्कृति का ठेकेदार बताती है, वो अपने विधायक की इस शर्मनाक हरकत पर कब कार्रवाई करेगी? क्या भाजपा अब अपने विधायक का पुतला दहन करेगी या इस गालीबाज को संरक्षण देगी? जनता सब देख रही है - भाजपा के दोहरापन, खोखले नैतिकता पाठ और गालीबाज नेताओं की असलियत उजागर हो चुकी है।भाजपा की कथनी-करनी का फर्क अब और छुपने वाला नहीं है।

क्यों भिड़े बीजेपी-कांग्रेस कार्यकर्ता: दरअसल भाजपा कार्यकर्ता प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के शराब वाले बयान के खिलाफ बस स्टैंड स्थित कांग्रेस कार्यालय के सामने प्रदर्शन कर रहे थे। बीजेपी कार्यकर्ताओं का आरोप है कि बिहार के दरभंगा में राहुल गांधी की सभा के दौरान पीएम मोदी की मां का अपमान हुआ। कांग्रेस कार्यकर्ता ने पीएम की मां को लेकर अपमानजनक शब्द कहे।

इसी का विरोध करने के लिए बीजेपी कार्यकर्ता राहुल गांधी का पुतला फूंकने की कोशिश कर रहे थे। कांग्रेस कार्यकर्ता ने पुतला दहन करने से रोका। इसके बाद दोनों पक्षों में झड़प हो गई। कांग्रेस कार्यकर्ता भी अपने कार्यालय से बाहर आ गए और उन्होंने भी भाजपा के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। दोनों पक्षों के बीच तनाव बढ़ा और देखते ही देखते धक्का-मुक्की शुरू हो गई।

दोनों दलों ने दर्ज कराई शिकायत

घटना के बाद भाजपा नेताओं ने कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई है। भाजपा जिलाध्यक्ष नरेश मेवाड़ा ने आरोप लगाया कि, यह भाजपा महिला मोर्चा का शांतिपूर्ण प्रदर्शन था। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जानबूझकर उनके कार्यक्रम में व्यवधान डाला, महिलाओं के प्रति अभद्र भाषा का प्रयोग किया और भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट भी की। इधर कुछ देर बाद जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजीव गुजराती भी कोतवाली थाने पहुंचे और बीजेपी कार्यकर्ताओं के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

रासायनिक खेती से बढ़ रहा खतरा, किसानों को जैविक खेती अपनाने की सलाह

सिवनी मालवा ■ निसं

खेती को लेकर आज किसानों की सबसे बड़ी चुनौती है अधिक उत्पादन और कीटों पर नियंत्रण। इस लक्ष्य को पाने के लिए बड़ी मात्रा में रासायनिक खाद और दवाओं का उपयोग किया जा रहा है। शुरुआत में फसलें हरी-भरी दिखाई देती हैं, लेकिन धीरे-धीरे यही रसायन जमीन की उपजाऊ शक्ति को कम कर रहे हैं और स्वास्थ्य पर भी गंभीर असर डाल रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि यही स्थिति बनी रही तो भविष्य में कृषि भूमि बंजर हो सकती है और आम लोगों में कैंसर जैसी बीमारियों का खतरा कई गुना बढ़ जाएगा।

किसानों को इस खतरे से सतर्क करने और उन्हें सुरक्षित विकल्प अपनाने के लिए शिवशक्ति एग्रीटेक लगातार गाँवों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर रही है। इसी क्रम में हाल ही में ग्राम धामनिया में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कृषि अधिकारी अभिषेक शर्मा ने किसानों से संवाद करते हुए कहा कि रासायनिक खेती अल्पकालिक लाभ देती है, लेकिन लंबे समय में मिट्टी की जीवनदायिनी क्षमता को नष्ट कर देती है। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे जैविक खेती को अपनाएं, क्योंकि इससे न केवल भूमि की उर्वरता लंबे समय तक बनी रहती है बल्कि उत्पादित फसल की गुणवत्ता भी बेहतर होती है।

राधा अष्टमी पर निकले पारंपरिक ढोल, भव्य झांकी के साथ गूंजा गांव

सिवनी मालवा ■ निसं

ग्राम बिजामनी में राधा अष्टमी के अवसर पर परंपरागत ढोल-नगाड़ों की धुन और भव्य झांकी के साथ शोभायात्रा निकाली गई। गाजे-बाजे की ताल पर ग्रामीण उत्साहपूर्वक शामिल हुए और पूरे गाँव में धार्मिक माहौल बना रहा।

झांकी में सजे भगवान श्रीकृष्ण और राधारानी के दर्शन करने के लिए ग्रामीण उमड़ पड़े। जगह-जगह ग्रामीणों ने ढोल और झांकी का स्वागत किया तथा फूलों की वर्षा कर पूजा-अर्चना की।

इस अवसर पर गाँव के बच्चे भी पीछे नहीं रहे। उन्होंने हाथों में ध्वज और सजावटी सामान लेकर शोभायात्रा में उत्साहपूर्वक भागीदारी की। बच्चों की टोलियों ने जयकारे लगाकर पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

गाँव के कल्लू रघुवंशी ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी राधा अष्टमी पर ढोल पूरे हर्ष और उल्लास के साथ निकले। श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना कर गाँव की सुख-समृद्धि की कामना की।

साप्ताहिक समीक्षा बैठक में कलेक्टर गुप्ता ने दिए निर्देश

गांवों व शहरों में हर सप्ताह रक्तदान शिविर आयोजित करें

खंडवा ■ निसं

कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए हैं कि प्रत्येक सप्ताह में चार-पांच स्थानों पर रक्तदान शिविर आयोजित करने की व्यवस्था करें और शासन से रक्तदान शिविरों के लिए मिले वाहन का अधिकतम उपयोग करते हुए रक्तदान अभियान को सफल बनाएं। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सोमवार को आयोजित साप्ताहिक समीक्षा बैठक में कलेक्टर गुप्ता ने जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्रामीण क्षेत्र में रक्तदान शिविरों के स्थान और समय का पहले से निर्धारण कर उनका व्यापक प्रचार प्रसार करें तथा रक्तदाताओं को पहले से तैयार कर लें। बैठक में जिला पंचायत के सीईओ डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा, एसडीएम पुनासा शिवम प्रजापति, सहायक कलेक्टर डॉ. कृष्णा सुशिर, अपर कलेक्टर के.आर. बड़ोले, सहायक आयुक्त अनुसूचित जनजातीय कार्य विभाग सहित संतोष शुक्ला सहित अन्य विभागों के अधिकारी भी मौजूद थे।

कलेक्टर गुप्ता ने जिले के सभी मुख्य नगर पालिका अधिकारियों और नगर निगम आयुक्त खंडवा को निर्देश दिए की शहरीय क्षेत्र में राष्ट्रीय सेवा योजना, एनसीसी, जन अभियान परिषद जैसे समाज सेवी संगठनों के सहयोग से रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जाए ताकि जिला अस्पताल की ब्लड बैंक में मरीजों के लिए भरपूर रक्त उपलब्ध रहे। उन्होंने कहा कि प्रति सप्ताह आयोजित होने वाले रक्तदान शिविरों की प्रगति की समीक्षा हर सोमवार की साप्ताहिक बैठक में नियमित रूप से की जाएगी।

कालमुखी के स्वास्थ्य शिविर की अभी से तैयारी शुरू करें: बैठक में कलेक्टर गुप्ता ने रोशनी के स्वास्थ्य शिविर के सफल आयोजन के लिए सभी अधिकारियों को बधाई दी। उन्होंने आगामी 14 सितंबर को कालमुखी में आयोजित होने वाले दूसरे स्वास्थ्य शिविर के लिए अभी से सभी तैयारी करने के निर्देश मुख्य चिकित्सा अधिकारी, एसडीएम खंडवा और जनपद पंचायत खंडवा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को दिए। कलेक्टर गुप्ता ने लीड बैंक प्रबंधक को निर्देश दिए कि आरसेटी के माध्यम से प्लंबर्स की ट्रेनिंग का कोर्स करवाएं, ताकि रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित करने के लिए पर्याप्त संख्या में कारीगर तैयार रहें। उन्होने ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के कार्यपालन यंत्री को निर्देश दिए कि मनरेगा के तहत पूर्ण कार्यों के पूर्णता प्रमाण पत्र तत्काल जारी करें तथा अधूरे कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण करें।

किसानों का दल भ्रमण सह प्रशिक्षण के लिए रवाना

खण्डवा। उद्यानिकी व खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा संचालित योजना के तहत इस वर्ष में राज्य के बाहर 5 दिवसीय कृषक भ्रमण सह प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रस्तावित किया गया है। इसके तहत खंडवा जिले के 30 किसानों के दल को विधायक प्रतिनिधि श्री मुकेश तन्वे और जिला पंचायत सदस्य श्री बुद्ध रूपा ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। उप संचालक उद्यानिकी ने बताया कि यह दल 1 से 5 सितंबर तक महाराष्ट्र राज्य में जलगांव जैन हिल्स का दौरा करेगा। भ्रमण के दौरान ये किसान प्याज, लहसुन, टमाटर प्रसंस्करण इकाई, ड्रिप तथा स्प्रिंकलर संयंत्रों प्लास्टिक पार्क का अवलोकन करेंगे। दल के किसान सह्याद्री फार्म नासिक का भी भ्रमण करेंगे एवं एशिया की सबसे बड़ी प्याज, लहसुन मण्डी, लासलगांव का दौरा कर वहां के उन्नतशील कृषकों से भेंट करेंगे। प्रशिक्षण दल में शामिल किसान प्याज की एक्सपोर्ट होने वाली उन्नत किस्मों का अवलोकन कर उद्यानिकी फसलों के उत्पादन की नवीन तकनीक भी सीखेंगे।

रीवा-चिरमिरी-रीवा ट्रेन को तीन स्टेशनों पर मिला ठहराव

जबलपुर ■ निसं

रेलवे प्रशासन द्वारा यात्री सुविधाओं का विस्तार करते हुए पश्चिम मध्य रेल से प्रारम्भ/टर्मिनेट होने वाली गाड़ी संख्या 11751/11752 रीवा-चिरमिरी-रीवा एक्सप्रेस ट्रेन का धुरवासिन, बैहाटोला एवं पाराडोल स्टेशन पर ठहराव दिया जा रहा है। इन उपरोक्त स्टेशनों पर ठहराव दिनाँक 01 सितम्बर 2025 से लागू है, जिसकी विस्तृत जानकारी निम्न है।

धुरवासिन, बैहाटोला एवं पाराडोल रेलवे स्टेशन पर ठहराव की जानकारी :- गाड़ी संख्या 11751 रीवा-चिरमिरी एक्सप्रेस ट्रेन रीवा रेलवे स्टेशन से रात 19ः10 बजे प्रस्थान कर मार्ग के रास्ते से होते हुए धुरवासिन रेलवे स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान समय (01ः57/01ः59), बैहाटोला रेलवे स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान समय (02ः29/02ः31) एवं पाराडोल रेलवे स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान समय (03ः54/03ः56) बजे ठहराव रहेगा।

गाड़ी संख्या 11752 चिरमिरी-रीवा एक्सप्रेस ट्रेन चिरमिरी रेलवे स्टेशन रात 19ः00 बजे प्रस्थान कर मार्ग के रास्ते से पाराडोल रेलवे स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान समय (19ः17/19ः19), बैहाटोला रेलवे स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान समय (20ः36/20ः38) एवं धुरवासिन रेलवे स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान समय (21ः04/21ः06) बजे ठहराव रहेगा।

ठहराव की सुविधा मिलने से मनेन्द्रगढ़, बिजुरी एवं कोतमा रेलवे स्टेशन के समय में आंशिक परिवर्तन रहेगा जिसकी जानकारी निम्न है।

ट्रेन 11751 रीवा-चिरमिरी एक्सप्रेस :- कोतमा रेलवे स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान समय 02ः15/02ः20 बजे, बिजुरी रेलवे स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान समय 03ः25/03ः35 बजे एवं मनेन्द्रगढ़ रेलवे स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान समय 03ः25/03ः35 बजे रहेगा।

राष्ट्रीय कर्मयोगी वृहद जन सेवा कार्यक्रम पर 3 दिवसीय प्रशिक्षण प्रारंभ

जबलपुर ■ निसं

प्रत्येक सरकारी कर्मचारी जनता का एक सेवक है, निस्वार्थ सेवा प्रदान करना प्रत्येक सरकारी सेवक का प्रथम दृष्टिकोण होना चाहिए, कार्य के प्रति समर्पण की भावना को प्रेरित करने वाली अंतर्दृष्टि को जागरूक करना होगा, हमें अपने पेंशेवर उत्तरदायित्वों को व्यापक राष्ट्रीय उद्देश्यों के साथ जोडनें के लिए अपने आपको प्रोत्साहित करनें की आवश्यकता है, उक्त विचार राकेश सहरावत, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त। द्वारा तीन दिवसीय राष्ट्रीय कर्मयोगी वृहद जन सेवा कार्यक्रम के उद्घाटन के अवसर पर व्यक्त किये गये।

कार्यकम के आरंभ में राकेश सहरावत, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त। द्वारा पुष्पगुच्छ भेट कर मास्टर ट्रेनर्स ललितेश सिंह नायक, क्षेत्रीय आयुक्त।। एवं अक्षय कुमार मिश्रा, सहायक आयुक्त का स्वागत किया गया। तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान कार्यालय के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राष्ट्रीय कर्मयोगी वृहद जन सेवा कार्यक्रम के उद्देश्यों एवं महत्व के बारे में मास्टर ट्रेनर्स द्वारा जानकारी साक्षा की जायेगी।

राकेश सहरावत, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को चार प्रमुख मॉडयूल्स में बांटा गया है, प्रथम मॉडयूल एक राष्ट्र के लिए कर्मयोगी अधिकारी की भूमिका को परिभाषित करता है, दूसरा माडयूल सफलता की प्रारंभिक सोच से आगे बढ़कर संतुलित और राष्ट्रहितकारी दृष्टिकोण को अपनाने के लिए प्रेरित करता है, तिसरा मॉडयूल एक आदर्श प्रशासनिक अधिकरी के गुणों के विकास पर प्रकाश डालता है तो वहीं चौथा मॉडयूल अधिकारी कैसे राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका निभा सकते हैं पर आधारित है।

उन्होंने आगे बताया की इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के पीछे सरकार का लक्ष्य पारदर्शी, प्रभावी और नागरिक केंद्रित प्रशासन का निर्माण कराना है एवं सरकारी सेवको की प्रतिभा, संवेदनशिलता तथा सेवा प्रदान करने की क्षमता का पूर्ण उपयोग किया जाना है। उन्होने यह भी बताया कि मिशन कर्मयोगी के तहत सरकारी महकमे में पेशेवर, उत्कृष्टता, नैतिकता और जिम्मेदारी को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

लोन का भुगतान नहीं करने पर आरोपी को न्यायालय ने 6 माह की सजा सुनाई

खरगोन ■ निसं

जिला सहकारी केंद्रीय बैंक खरगोन की बमनाला शाखा से लिए गए लोन का भुगतान नहीं करने पर स्थानीय न्यायालय ने सख्त रुख अपनाते हुए आरोपी को दंडित किया है। बमनाला निवासी राजेश पिता पदम राठौड़ ने सहकारी बैंक शाखा बमनाला से 3 लाख का लोन लिया था। समय पर राशि जमा न करने और बार-बार मांग करने के बावजूद भुगतान नहीं करने पर बैंक ने कानूनी कार्रवाई की। इस दौरान आरोपी द्वारा बैंक को दिया गया 3,69,783/- का चेक बाउंस हो गया।

बैंक की ओर से अधिवक्ता पवन लववंशी द्वारा न्यायालय में धारा 138, एन.आई. एक्ट के अंतर्गत परिवाद दायर किया गया। प्रकरण पर सुनवाई करते हुए न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी राजेंद्र बर्मन ने आरोपी को 6 माह की सश्रम कारावास और 3,69,783/- के जुर्माने से दंडित किया है। साथ ही न्यायालय ने आदेश दिया कि आरोपी इस राशि पर 9 प्रतिशत ब्याज भी देगा। निर्धारित समय में राशि जमा न करने की स्थिति में उसे अतिरिक्त 2 माह की सजा भी भुगतनी होगी। सहकारी बैंक प्रभारी प्रबंध संचालक सुश्री संध्या रोकड़े ने जानकारी देते हुए बताया गया की ऐसे सभी ऋणी जिनके द्वारा जानबूझकर ऋण नहीं पटाया जा रहा है तथा उनके द्वारा ऋण के पेटे दिए गए चेक बाउंस हो गए उनके विरुद्ध में सख्ती से क़ानूनी कार्यवाही की जा रही है।

कांग्रेसियों ने नरेंद्र रघुवंशी के विरुद्ध प्रकरण को लेकर एसडीओपी महेंद्र सिंह को सौंपा ज्ञापन

नरेंद्र रघुवंशी पर एसडीएम से कराए गए प्रकरण को तत्काल निरस्त करने की मांग की

सिवनी मालवा ■ निसं

नगर के कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सोमवार के दिन एसडीओपी कार्यालय पहुंचकर एसडीओपी महेंद्र सिंह को पुलिस अधीक्षक के नाम ज्ञापन सौंपते हुए निष्पक्ष नरेंद्र रघुवंशी पर एसडीएम के माध्यम से कराए गए प्रकरण को तत्काल निरस्त करने की मांग की। ज्ञापन नगर कांग्रेस अध्यक्ष स्वदेश शर्मा के नेतृत्व में नगर कांग्रेस अध्यक्ष स्वदेश शर्मा ने बताया कि युटुबर नरेंद्र रघुवंशी लगातार क्षेत्र में यूरिया की कालाबाजारी, मूंग खरीदी में भ्रष्टाचार, अवैध कॉलोनियों की अनुमति व स्टाम्प चोरी जैसे मामलों को उजागर कर रहे थे। इसी वजह से द्वेषपूर्वक उनके विरुद्ध कार्रवाई कराई गई है, जो कि पूरी तरह अनैतिक है।

उन्होंने बताया कि नगर के शासकीय कर्मचारी अधिकारी बे लगाम हो गए हैं उनके द्वारा आम जनता के कार्यों को नहीं किया जाता है और चक्कर लगाने के बाद किसी व्यक्ति के द्वारा कर्मचारियों से काम करने के विषय में बोला जाए तो वह अपने ऑफिस के कर्मचारियों को लेकर थाने में पहुंचकर शासकीय कार्य में बाधा आदि धारा लगवा कर आमजन को परेशान किया जाता है और क्षेत्र के अधिकांश शासकीय कार्यालय में भ्रष्टाचार व्याप्त है नगर के सभी शासकीय कार्यालय से भ्रष्टाचार को मिटाने के लिए कांग्रेस पार्टी कार्यवाही करेगी और भ्रष्टाचारियों को नहीं हटाया तो आंदोलन भी किया जाएगा।

वहीं युवक कांग्रेस नगर अध्यक्ष हैरिसन स्वामी और जिला समन्वयक आकाश दार ने कहा कि तहसील स्तर पर नरेंद्र रघुवंशी के द्वारा सूचना के अधिकार के तहत लगातार जानकारी मांगी जा रही थी। इसी कारण झूठी कार्यवाही कराई गई। पार्षद दीपक दीक्षित व अयूब अली ने बताया कि सीएम हेल्पलाइन से जुड़े बड़े भ्रष्टाचार को भी समाचार के माध्यम से उजागर किया गया है, जिसके चलते यह कार्रवाई कराई गई है।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से नगर कांग्रेस अध्यक्ष स्वदेश शर्मा, युवक कांग्रेस नगर अध्यक्ष हैरिसन स्वामी, पार्षद दीपक दीक्षित, जिला सोशल मीडिया समन्वयक आकाश दर, पार्षद अय्यूब अली, देवेंद्र रघुवंशी, भोला रघुवंशी, सतीश यदुवंशी, बृजेश सूर्यवंशी, आशु मिश्रा, ऋषभ भारद्वाज सहित अन्य कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अनमोल वचन

मैं हर कदम पर हारा हूँ, पर जन्मा केवल जीत के लिए हूँ।
एमर्सन

जिसके पास उम्मीद है, वह हार कर भी नहीं हारता।
अज्ञात

न्याय होता हुआ दिखेः तारीख़ पर तारीख़ की संस्कृति बदले

ललित गर्ग

> *सबसे बड़ी चुनौती न्याय में विलंब की है। समय पर न्याय न मिले तो न्याय का वास्तविक अर्थ ही खो जाता है। शायद यही कारण है कि न्यायिक बिरादरी के आयोजनों में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्य न्यायाधीशों ने एक स्वर से कहा कि अब 'तारीख़ पर तारीख़' की संस्कृति को समाप्त करने का समय आ गया है।*

देश के सर्वोच्च न्यायालय ने अपने 75 वर्ष का गरिमामय सफर पूरा किया है। यह केवल एक ऐतिहासिक पड़ाव नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की आत्मा को परखने का अवसर भी है। न्यायपालिका ने इन आठ दशकों में अनेक युगांतरकारी फैसले दिये, जिन्होंने संविधान की मर्यादा और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा की। किंतु आज सबसे बड़ी चुनौती न्याय में विलंब की है। समय पर न्याय न मिले तो न्याय का वास्तविक अर्थ ही खो जाता है। शायद यही कारण है कि न्यायिक बिरादरी के आयोजनों में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्य न्यायाधीशों ने एक स्वर से कहा कि अब 'तारीख़ पर तारीख़' की संस्कृति को समाप्त करने का समय आ गया है। जिला न्यायपालिका के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिये अदालतों में स्थगन की संस्कृति को बदलने के प्रयास करने की सख्त जरूरत है। उन्होंने स्वीकारा कि अदालतों में बड़ी संख्या में लंबित मामलों का होना हम सभी के लिये बड़ी चुनौती है।

सुप्रीम कोर्ट के 75 वर्ष पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि ये केवल एक संस्था की यात्रा नहीं है। ये यात्रा है भारत के संविधान और संवैधानिक मूल्यों की। ये यात्रा है एक लोकतंत्र के रूप में भारत के और परिपक्व होने की। भारत के लोगों ने सुप्रीम कोर्ट पर, हमारी न्यायपालिका पर विश्वास किया है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट के ये 75 वर्ष 'मदर ऑफ डेमोक्रेसी' के रूप में भारत के गौरव को और बढ़ाते हैं। आजादी के अमृतकाल में 140 करोड़ देशवासियों का एक ही सपना है विकसित भारत, नया भारत बनने का। नया भारत, यानी सोच और संकल्प से एक आधुनिक भारत। हमारी न्यायपालिका इस विजन का एक मजबूत स्तम्भ है। भारत में लोकतंत्र और उदारवादी मूल्यों को मज़बूत करने में न्यायपालिका ने बेहद महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। संविधान का रखवाला, ग़रीबों के अधिकार एवं सरकार की ज्यादतियों के खिलाफ़ कमज़ोर समूहों का योग्य संरक्षक और करोड़ों नागरिकों के लिए आखरी उम्मीद वाला संस्थान है सुप्रीम कोर्ट। कुछ अपवादों को छोड़कर पिछले 75 वर्षों में ज्यादातर समय भारतीय न्यायपालिका संविधान की रक्षा और क़ानून के शासन को बनाए रखने में सफल रही है। लेकिन भारतीय कानून व्यवस्था के सामने अनेक जटिल स्थितियां भी हैं, न्यायाधीशों की नियुक्ति, बढ़ते केसों की संख्या, जवाबदेही, भ्रष्टाचार एवं विलम्बित न्याय आदि। न्याय को लेकर अदालतों तक आम नागरिकों की पहुंच एवं खर्च के मुद्दों और इसी तरह की दूसरी चीज़ों के मामले में सुधार के बारे में न्यायपालिका की अपनी महत्वपूर्ण चिंताएं हैं। हमारे कानूनों की भावना है-नागरिक पहले, सम्मान पहले और न्याय पहले है। इससे पहले जिला न्यायपालिका के राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में त्वरित न्याय की आवश्यकता पर बल दिया था ताकि महिलाओं में अपनी सुरक्षा को लेकर भरोसा बढ़ सके। निस्संदेह, हाल के वर्षों में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में तेजी से वृद्धि हुई है, जिससे हमारे समाजशास्त्री और कानून लागू करवाने वाली विभिन्न एजेंसियां भी हैरान-परेशान हैं। महिलाओं के खिलाफ अपराधों बढ़ोतरी से पूरा समाज हिला हुआ है। कोलकाता मेडिकल कॉलेज की महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या की घटना ने यह स्पष्ट कर दिया कि अपराधियों के मन से कानून का भय लगभग समाप्त हो चुका है। यही कारण है कि अब न केवल कठोर कानून बल्कि त्वरित और निष्पक्ष न्याय की मांग बलवती हो रही है। आज न्यायपालिका के सामने सबसे बड़ी चुनौती है-न्याय में विलंब। जिला अदालतों से लेकर उच्चतम न्यायालय तक करोड़ों मामले लंबित हैं। केवल जिला अदालतों में ही साढ़े चार करोड़ से अधिक मामले अटके पड़े हैं। यह स्थिति लोकतंत्र की आत्मा को आहत करती है, क्योंकि न्याय में विलंब, न्याय के इनकार के समान है। दरअसल, लंबित मामलों के पीछे कई कारण हैं-न्यायाधीशों की अपर्याप्त संख्या, अदालती प्रक्रियाओं की जटिलता, अनावश्यक स्थगन, वकीलों द्वारा मुकदमों को खींचना और पुलिस-प्रशासन की लापरवाही। यही वजह है कि अपराधियों के मन से कानून का भय कम होता जा रहा है और आम नागरिक का भरोसा डगमगाने लगता है। भारतीय न्यायिक व्यवस्था की रीढ़ जिला एवं स्थानीय अदालतें हैं। यदि इन स्तरों पर शीघ्र और सस्ता न्याय नहीं मिलेगा, तो सुप्रीम कोर्ट की उपलब्धियां अधूरी मानी जाएंगी। सर्वोच्च न्यायालय समय-समय पर स्वतः संज्ञान लेकर राहत देता रहा है-जैसे हाल ही में डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय प्रोटोकॉल बनवाने की पहल। किंतु जिला स्तर पर ऐसी सजगता और सक्रियता नहीं दिखाई देती। इसलिए सुधार की असली शुरुआत निचले स्तर से ही करनी होगी। भारतीय न्याय प्रणाली की विसंगतियां और सुधार की राह जटिल है, लेकिन असंभव नहीं है। दृढ़ संकल्प एवं कार्ययोजना के साथ आगे बढ़े तो आजादी के अमृतकाल में हम न्याय प्रणाली को युगांतरकारी मोड़ दे सकते हैं। देश में जनसंख्या के अनुपात में न्यायाधीशों की संख्या बहुत कम है। तत्काल नियुक्तियों और प्रशिक्षण की व्यवस्था होनी चाहिए। ई-कोर्ट, ऑनलाइन सुनवाई, डिजिटल साक्ष्य प्रबंधन जैसे कदम न्याय प्रक्रिया को गति दे सकते हैं। अनावश्यक स्थगन पर अंकुश जरूरी है। क्योंकि स्थगन देने की परंपरा अपराधियों और वकीलों के लिये हथियार बन चुकी है। इस पर कड़ा नियंत्रण जरूरी है। पुलिस व जांच एजेंसियों को दायित्वशील एवं जिम्मेदार बनाना होगा। क्योंकि पुख्ता सबूतों और चार्जशीट समय पर दाखिल करने से ही मामलों में शीघ्र निर्णय संभव है। अदालतों के साथ-साथ वकीलों और पुलिस पर भी जवाबदेही तय करनी होगी। महिलाओं, बच्चों और संवेदनशील मामलों के लिये विशेष फास्ट-ट्रैक अदालतों को और मजबूती देनी होगी। न्यायिक प्रकिया से जुड़े कामकाज की समीक्षा होनी जरूरी है। वहीं दूसरी ओर विभिन्न मुख्य न्यायाधीशों ने बार-बार निचली अदालतों में न्यायाधीशों की कमी का मुद्दा भी उठाया है। जाहिरा तौर पर संसाधनों की कमी भी न्यायिक प्रक्रिया की गति को प्रभावित करती है। कुछ लोग मानते हैं कि सख्त कानून के साथ ही त्वरित न्याय भी अपराधियों पर मनोवैज्ञानिक दबाव बना पाएगा। यदि पुलिस व जांच एजेंसियां पुख्ता सबूतों के साथ अदालत में पहुंचें तो गंभीर मामलों में आरोप जल्दी सिद्ध हो सकेंगे। यही वजह है कि देश में शीर्ष स्तर पर भी यह धारणा बलवती हो रही है कि विभिन्न हितधारक सामूहिक जिम्मेदारी निभाएं, जिससे उस धारणा को तोड़ा जा सकता है कि न्याय देने वाली प्रणाली तारीख पर तारीख की संस्कृति को बढ़ावा देती है। विश्वास किया जाना चाहिए कि सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना के 75 वर्ष होने पर शीर्ष न्यायिक नेतृत्व लंबित मामलों के निपटारे के लिये नई प्रभावी रणनीति बनाएगा। निस्संदेह, भारतीय न्यायिक व्यवस्था की रीढ़ कही जाने वाली जिला अदालतें भी इस दिशा में बदलावकारी पहल कर सकती हैं।

सम्पादकीय

भारत-चीन के संबंधों में सुधार का अमेरिका पर असर

भारत और चीन के बीच संघाई सहयोग संगठन की बैठक के बद रिश्तों में नरमी और संवाद बढ़ रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत के ऊपर, टैरिफ और भारत के संबंधों पर जो दबाव बनाया जा रहा था। उसकी परिणति इसी रूप में होनी थी। डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के सामने कोई विकल्प नहीं छोड़ा था। जिसके कारण चीन के साथ तमाम विरोधों के बावजूद भी भारत को अपने रिश्ते चीन के साथ सुधारने पड़ रहे हैं। भारत कावास्तविक नियंत्रण रेखा पर लंबे समय से चीन के साथ तनाव बना हुआ है। तनाव के बीच संबंधों का सुधारना एक सकारात्मक संकेत माना जा सकता है। सीमा विवाद और गलवान घाटी जैसी घटनाओं ने दोनों देशों के बीच के अविश्वास को बढ़ा दिया था। भारत का चीन के साथ आयात निर्यात का असंतुलन भी दोनों देशों को असंतुलित बनाता है। अब बदली हुई परिस्थितियों में भारत और चीन के बीच की वार्ता से दोनों देश शांति, स्थिरता आर्थिक एवं सामरिक दिशा में आगे बढ़ने की पहल भारत ने अपनी तरफ से पहल कर दी है। चीन इस मामले में ईमानदारी के साथ भारत के साथ कदम से कदम मिलाकर चलेगा, तो वैश्विक स्तर पर चीन और भारत मिलकर एक नई महाशक्ति के रूप में उभर सकते हैं। भारत के लिए चीन से संबंध सुधारना, केवल सीमावर्ती तनाव को घटाने के लिए नहीं है। बल्कि यह दोनों देश के विदेश नीति की बहु-आयामी रणनीति का हिस्सा भी बन सकता है। भारत जानता है, चीन वर्तमान में एक बड़ी आर्थिक शक्ति है। चीन की वैश्विक सप्लाई चेन में महत्वपूर्ण भूमिका है। ऐसे में सीमित स्तर पर ही सही, आपसी सहयोग, भारत और चीन को आर्थिक और कूटनीतिक लाभ वैश्विक स्तर पर मिल सकता है। इस परिप्रेक्ष्य में एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है, क्या भारत-चीन के संबंधों में सुधार का असर भारत-अमेरिका के संबंधों पर किस तरह से पड़ेगा? पिछले एक दशक में भारत और अमेरिका के रिश्ते अभूतपूर्व स्तर के थे। रक्षा, कारोबार, आपसी सहयोग, क्वाड समूह, प्रौद्योगिकी मे साझेदारी और निवेश को लेकर दोनों देशों के बीच गहरे संबंध बने थे। अमेरिका,भारत को एशिया में चीन के प्रभाव को संतुलित करने वाला अहम भागीदार मानता था। दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जब से बने हैं। उसके बाद से ही अमेरिका और भारत के संबंधों में तनाव बनना शुरू हो गया। भारत और चीन के संबंध सामान्य होने पर अमेरिका के लिए एक बड़ी नई चुनौती होगी। अमेरिका, वर्तमान स्थिति में भारत ओर चीन के दबाव को कम करने के लिए नई चुनौतियां भारत और चीन के लिए पैदा करेगा। वर्तमान स्थिति में भारत की नीति स्पष्ट है। वह किसी एक ध्रुव पर झुकने के बजाय बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था में अपनी स्वतंत्र भूमिका को बनाए रखने की कोशिश कर रहा है। भारत अमेरिका से अपने संबंध को बनाए रखते हुए, रूस और चीन के साथ अपने संबंध और संवाद को बेहतर बनाने का प्रयास कर रहा है। अमेरिका को समझना होगा, भारत का चीन से संबंध सुधारना, अमेरिका के साथ संबंध बिगाड़ना नहीं है। बल्कि यह भारत की सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता को सुनिश्चित करने का महत्वपूर्ण प्रयास है। अमेरिका और भारत दोनों के हित संबंध सुधारनेमें हैं, भारत की भूमिका एशिया में आत्मविश्वास और स्वतंत्रता के साथ बनी रहेगी, तभी वैश्विक स्तर पर शांति बनी रह सकती है। चीन को नियंत्रित रखने के लिए भारत का मजबूत होना, विश्व शांति के लिए भी बहुत जरूरी है। भारत-चीन संबंधों में सुधार, भारत की विदेश नीति का संतुलन है। चीन और भारत के बीच सुधारते रिश्ते, अमेरिका- भारत के बीच संबंधों को कमजोर नहीं करेगा। अमेरिका को भारत के संबंध और भी बेहतर बनाने होंगे। भारत एक ऐसा राष्ट्र है, जो अपनी सामरिक एवं आर्थिक क्षमता के कारण अपनी शर्तों पर वैश्विक राजनीति मे अपना प्रभाव बनाने में सक्षम है। भारत हमेशा शांतिप्रिय तरीके से सभी देशों के साथ आर्थिक सामरिक एवं कूटनीति के संबंधों को बनाकर रखता है। भारत की विदेश नीति में विश्व कल्याण की भावना ही सर्वोपरि रहती है ना काहू से दोस्ती ना काहू से बैर रखते हुए भारत हमेशा अपने को निर्विवाद बनाकर रखता है। वर्तमान में वैश्विक स्तर पर जो चुनौतियां उभर कर सामने आ रही हैं। उसमें वैश्विक स्तर में भारत की भूमिका हर दृष्टि से अति महत्वपूर्ण है। अमेरिका को भारत के साथ बेहतर व्यवहार करने की दिशा में आगे बढ़ना होगा। टैरिफ को लेकर भारत और अमेरिका के बीच संबंधों में जो खटास आई है। अमेरिका को समय रहते भारत के साथ अपने संबंधों को बेहतर बनाने की दिशा में आगे बढ़ना होगा। अमेरिका भारत के साथ गुलामों की तरह व्यवहार नहीं कर सकता है। इस बात को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जितनी जल्दी समझ जाएं, उतना अच्छा होगा। दोनों देशों के साथ-साथ वैश्विक संतुलन बनाए रखने के लिए चीन- भारत और अमेरिका के बीच संबंध सामान्य हों। समय-समय पर जो बदलाव आते हैं, उसके अनुसार रिश्तो में भी बदलाव आता है। इस बात को अमेरिका, चीन और भारत को समझना होगा।

टैरिफ नीति से नए ग्लोबल ट्रेड का उदय?

प्रभुनाथ शुक्ल

> *खुद अमेरिका के लिए यह आर्थिक और सामरिक संबंधों पर कितनी कारगर होगी यह वक्त बताएगा। ट्रंप इस आर्थिक नीति से अमेरिका को कितना समृद्ध कर पाते हैं यह देखना होगा। लेकिन ट्रंप की दादागिरी ने ग्लोबल ट्रेड नीति को बड़ा झटका दिया है। अत्यधिक टैरिफ की मार झेल रहे भारत, चीन और रूस जैसे देश नई व्यापार नीति को अंजाम देने के लिए एक मंच पर आ रहे हैं। यह दक्षिण एशिया के लिए जहाँ सुखद है। दूसरी तरफ अमेरिका के भविष्य के लिए चिंतनीय।*

अमेरिका की टैरिफ पॉलिसी ने ग्लोबल ट्रेड को लेकर एक नई बहुत छेड़ दिया है। अमेरिका की यह आर्थिक नीति दुनिया को कहां ले जाएगी यह अपने आप में बड़ा सवाल है। खुद अमेरिका के लिए यह आर्थिक और सामरिक संबंधों पर कितनी कारगर होगी यह वक्त बताएगा। ट्रंप इस आर्थिक नीति से अमेरिका को कितना समृद्ध कर पाते हैं यह देखना होगा। लेकिन ट्रंप की दादागिरी ने ग्लोबल ट्रेड नीति को बड़ा झटका दिया है। अत्यधिक टैरिफ की मार झेल रहे भारत, चीन और रूस जैसे देश नई व्यापार नीति को अंजाम देने के लिए एक मंच पर आ रहे हैं। यह दक्षिण एशिया के लिए जहाँ सुखद है। दूसरी तरफ अमेरिका के भविष्य के लिए चिंतनीय।

अमेरिकी अदालत ने ट्रंप की टैरिफ़ नीति को खारिज कर दिया है। अदालत के फैसले के बाद ट्रंम्प को बड़ा झटका लगा है। सरकार और अदालत के बीच टकराव की स्थित बन सकती है। यह ट्रंप की विदेश नीति के खिलाफ बड़ा फैसला है। अदालत ने ट्रंम्प प्रशासन को 14 अक्टूबर तक का वक्त दिया है, सरकार इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जा सकती है। दुनिया के देशों के लिए यह सुखद फैसला है। क्योंकि अमेरिका में खुद ट्रंप अपनी आर्थिक नीति की आलोचना झेल रहे हैं। दूसरी तरफ अदालत के फैसले के बाद ट्रंप विरोधी और मजबूत होंगे।

अमेरिका की इस पॉलिसी से भारत जैसे देश उसके खिलाफ हो गए। जिस चीन को सबक सिखाने के लिए वह भारत के साथ खड़ा था। वहीं चीन और भारत अब अमेरिकी नीति के खिलाफ एक मंच पर आ रहे हैं। दक्षिण एशिया की दो महाशक्तियां एक मंच पर आ रही है तो ट्रेडवॉर में कुछ नया होने वाला है।जिसमें रूसी राष्ट्रपति पुतिन की खास भूमिका है। इसका बड़ा नुकसान अमेरिका को उठाना पड़ सकता है। इसका असर सिर्फ आर्थिक नीतियों पर ही नहीं ग्लोबल वार, हथियार की होड़ और आर्थिक नीति पर भी पड़ेगा। ट्रंप के आगे भारत के ना झुकने की पॉलिसी ने अमेरिका की नींद उड़ा दी है। दुनिया में सबसे अधिक भारत पर 50 फ़ीसदी टैरिफ लगाया गया है। ट्रंप की यह नीति आर्थिक रूप से भारत की कमर तोड़ने की साजिश है। ट्रंम्प भारत को झुकाना चाहते हैं और पाकिस्तान की तरह खुद का पीठलग्गू बनाना चाहते हैं। लेकिन भारत के लिए यह संभव नहीं है। भारत की दुनिया में एक साख है। उसके पास विपुल आबादी है। कृषि आधारित मजबूत अर्थव्यवस्था उसका बेहद मजबूत आधार है। ऐसे हालात में भुखमरी के हालात बनने से रहे आर्थिक नुकसान भले उठाना पड़े। फिर भारत क्यों झुकेगा। आर्थिक विश्लेषण और मीडिया रिपोर्ट में यह बताया गया है कि भारतीय निर्यात पर काफी असर पड़ सकता है। टेक्सटाइल, कृषि उत्पादन, आर्नामेंट, चमड़ा, फुटवियर, केमिकल्स और मेडिसिन बाजार को काफी नुकसान उठाना पड़ेगा। भारत से करीब 28 फीसदी वस्त्र, कालीन का निर्यात अमेरिका को होता है। भारत के संपूर्ण व्यापार निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी 20 फिसदी है। भारत की जीडीपी में है दो फीसदी योगदान है। यह माना जा रहा है कि भारत को अरबों डालर का नुकसान होगा। लेकिन क्या अमेरिका के सामने झुकना भी भारत का ठीक है। समस्याएं आती हैं तो हमें विकल्प भी तलाशना होगा। जिसकी पृष्ठभूमि तैयार करने में भारत जुटा है।

हालांकि ट्रंप की वजह से भारत में नौकरियां जाने का भी खतरा बना है। कई लाख लोग बेरोजगार हो सकते हैं। श्रमप्रधान सेक्टर में सबसे ज्यादा नुकसान का प्रभाव दिख सकता है। टेक्सटाइल, आभूषण, कृषि रत्न जैसे सेक्टर में यह स्थिति दिखाई देगी। केंद्र की मोदी सरकार इससे से निपटने के लिए रणनीति भी बना रही है। फिर भी अगर अमेरिका के साथ बीच में कोई समझौता न हुआ तो भारत को आर्थिक नुकसान तो उठाना पड़ेगा। भारत को अब हर हाल में अमेरिका पर निर्भरता को कम करनी होगी।

प्रधानमंत्री का जापान इसके बाद चीन दौरा इसका संकेत है। वहां चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात कुछ नया गुल खिलाएगी। ग्लोबल ट्रेड पर कोई नया फैसला हो सकता है। अमेरिका की टैरिफ नीति के खिलाफ एक मजबूत रणनीति बन सकती है। अगर तीनों देशों की तिकड़ी सफल हो गई तो में भविष्य में अमेरिका को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है।

अमेरिका अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए टैरिफ़ नीति को अंजाम दिया। लेकिन उसकी इस पॉलिसी में साफ-सुथरी आर्थिक दृष्टि नहीं दिखती। अमेरिका की इस पॉलिसी में ग्लोबल पॉलिटिक्स की गंध आती है। ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने उसकी भूमिका खारिज कर दी तो चिढ़ गया। भारत, रूस से तेल लेना बंद नहीं किया तो उसका हित टकरा गया। उसने चीन के खिलाफ जहां 30 फ़ीसदी टैरिफ लगाया वहीं भारत के खिलाफ 50 फीसदी। यह ट्रंप की पारदर्शी टैरिफ़ नीति नहीं है। ट्रंप ने भारत के खिलाफ अपनी खींझ और गुस्से का प्रदर्शन किया है। लेकिन भारत भी अमेरिका के सामने झुकने वाला नहीं है। भारत समेत ब्रिक्स संगठन में शामिल देश अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम करना चाहते हैं। संगठन में भारत सबसे अग्रणी। अमेरिका चाहता है कि भारत अपने कृषि और डेयरी उत्पादों में टैरिफ कम करें लेकिन भारत ने इसे स्वीकार नहीं किया। जिसका नतीजा हुआ ट्रंप ने टैरिफ बम भारत पर फोड़ दिया।

युद्ध में पेड़ पौधे की भूमिका

संजय गोस्वामी

प्रथम विश्व युद्ध के समय से ही प्रसिद्ध छलावरण तकनीकें द्वितीय विश्व युद्ध में और भी महत्वपूर्ण हो गईं। और सभी शक्तिशाली देशों ने इन विधियों का उपयोग करना शुरू कर दिया। इसका मुख्य कारण अपने महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों को अत्यधिक हवाई हमलों से बचाना और हवाई अड्डों का निर्माण करना था। सैन्य उपकरणों, मोटर वाहनों, स्वचालित टैंकों और बड़ी तोपों को तारों से बने पर्दों से ढक दिया जाता था ताकि वे वायुमंडल में छिप सकें और जहाँ तोपों, मशीनों और वाहनों को ढकना संभव न हो, वहाँ उन्हें काले, भूरे, हरे रंग से धब्बेदार और तिरछी आकृतियाँ बना दी जाती थीं ताकि हवाई सर्वेक्षण के दौरान आकृति खंडित ज्यामिति के रूप में दिखाई दे और भ्रम पैदा करके वास्तविक वस्तु को पहचानने से बचाया जा सके। इस प्रकार छलावरण का प्रयोग युद्धों में एक प्रभावी तकनीक बन गया और विजय समारोह में इसने अपनी भूमिका स्थापित कर ली। दक्षिण अफ्रीका में 1899-1902 तक हुए युद्ध के दौरान ब्रिटिश सैनिक खाकी रंग की वर्दी पहनकर शत्रु से छिपते थे, क्योंकि यह पृष्ठभूमि से मेल खाती थी। परिणामस्वरूप, विश्व के सभी सैनिक खाकी रंग की वर्दी पहनते थे। आज भी सैनिक अपनी वर्दी का रंग प्राकृतिक वातावरण से मेल खाने लगे हैं, ताकि वे शत्रुओं की पैनी खोजी निगाहों से बच सकें। पिछले दशक में ईरान और इराक के बीच हुए युद्ध में कई आधुनिक छलावरण तकनीकों का इस्तेमाल किया गया था, जिनसे हम भली-भांति परिचित हैं। प्रथम विश्व युद्ध के बाद से हुए सभी युद्धों में छलावरण तकनीक और तकनीकों का सफलतापूर्वक प्रयोग किया गया है। लेकिन वर्तमान में छलावरण तकनीक में अभूतपूर्व विकास हुआ है। पहले के युद्धों में पारंपरिक तकनीकों का प्रयोग इसलिए शामिल था क्योंकि सुदूर संवेदन, नैनो तकनीक और नैनो पदार्थों तथा स्टील्थ अनुप्रयोगों के साथ-साथ आधुनिक डिटेक्टर मौजूद नहीं थे और परिणामस्वरूप छलावरण विशेषताओं की पहचान करना आसान नहीं था। आजकल युद्ध में छलावरण की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।जो पेड़ पौधे में लुक कर प्रकृति में छलावरण के सहारे गोरिल्ला युद्ध की जा रही है। चाहे वह प्राणी जगत हो या कीड़ों का संसार या महासागरों के विशाल जलीय जीव, सभी प्राणियों को अपने अस्तित्व के लिए शिकार से बचने हेतु छलावरण का सहारा लेना पड़ता है। यदि हम अपने परिवेश पर नज़र डालें, तो ऐसे अनेक प्राणी हैं जिनका रंग, रूप, आकृति, रूप और प्रकार विशेष आकर्षण का केंद्र होते हैं, जैसे जंगली जानवर ज़ेबरा, तेंदुआ, विभिन्न प्रकार के पक्षी, गिरगिट, मेंढक और साँप आदि। प्राचीन काल से ही गुरिल्ला और छापामार सैनिक युद्ध में शत्रु को धोखा देने के लिए छलावरण का प्रयोग करते रहे हैं। प्राचीन ट्रोजन युद्ध में प्रयुक्त लकड़ी का ट्रॉय घोड़ा, लकड़ी के घोड़े की छाया को एक स्थान पर रखकर दस वर्षों तक अपनी रक्षा कर सकता था। चंगेज खान के मंगोल सैनिक अपनी टोपियों पर पेड़ों की पत्तियाँ और शाखाएँ रखकर एक स्थान से दूसरे स्थान पर प्रवास करते थे और इस प्रकार प्राकृतिक सुरक्षा में छिपकर अपने शत्रुओं से युद्ध करते थे। छलावरण (कैमोफ्लेज) फ्रांसीसी शब्द कैमोफ्लेज से लिया गया है जिसका शाब्दिक अर्थ है सामने वाले व्यक्ति (शत्रु) पर धुआँ फेंकना, आँखों में धूल झोंकना या धोखा देना। छलावरण एक गुप्त कला है जिसके द्वारा हमारी सेनाओं, हथियारों और अन्य सामग्रियों को इस प्रकार छिपाकर रखा जाता है कि शत्रु की गतिविधियों पर कड़ी नज़र रखते हुए भी शत्रु भ्रमित हो जाए। इस प्रकार, भ्रमित शत्रु हमारे सैन्य बल और हथियारों पर आक्रमण करने के बजाय, कृत्रिम हवाई अड्डों, बैरकों, आयुध कारखानों, सैन्य उपकरणों और अन्य छद्म लक्ष्यों पर आक्रमण करता है और उनके हथियारों और उपकरणों को व्यर्थ ही नष्ट कर देता है। इस प्रकार, छलावरण विज्ञान शत्रु का मनोबल तोड़कर उसे हतोत्साहित करने में सफल सिद्ध हुआ है। इस शताब्दी में भी सैनिक व्यक्तिगत और वाहन छलावरण में इस पद्धति का प्रयोग करते हैं। जनरल वाशिंगटन दुश्मन को धोखा देने में इतने निपुण थे कि वे रात में तंबुओं में आग लगाकर अपनी सेना के साथ छिप जाते थे। वे इसलिए चले जाते थे ताकि दुश्मन को उस खास जगह पर उनकी मौजूदगी का भ्रम हो।

चिंतन-मनन

मन की शक्ति

मन को जीवन का केंद्रबिंदु कहना असंभव नहीं है। मनुष्य की क्रियाओं, आचरणों का प्रारंभ मन से ही होता है। मन तरह-तरह के संकल्प, कल्पनाएं करता है। जिस ओर उसका रुझान हो जाता है उसी ओर मनुष्य की सारी गतिविधियां चल पड़ती है। जैसी कल्पना हो उसी के अनुरूप प्रयास-पुरुषार्थ एवं उसी के अनुसार फल सामने आने लगते हैं। मन जिधर रस लेने लगे उसमें लौकिक लाभ या हानि का बहुत महत्व नहीं रह जाता। प्रिय लगने वाले के लिए सब कुछ खो देने और बड़े से बड़े कष्ट सहने को भी मनुष्य सहज ही तैयार हो जाता है। मन यदि अच्छी दिशा में मुड़ जाए; आत्मसुधार, आत्मनिर्माण और आत्मविकास में रुचि लेने लगे तो जीवन में एक चमत्कार हो सकता है। सामान्य श्रेणी का मनुष्य भी महापुरुषों की श्रेणी में आसानी से पहुंच सकता है। सारी कठिनाई मन को अनुपयुक्त दिशा से उपयुक्त दिशा में मोड़ने की ही है। इस समस्या के हल होने पर मनुष्य सच्चे अर्थ में मनुष्य बनता हुआ देवत्व के लक्ष्य तक सुविधापूर्वक पहुंच सकता है। शरीर के प्रति कर्तव्य पालन करने की तरह मन के प्रति भी हमें अपने उत्तरदायित्वों को पूर्ण करना चाहिए। कुविचारों और दुर्भावनाओं से मन गंदा, मलिन और पतित होता है, अपनी सभी विशेषता और श्रेष्ठताओं को खो देता है। इस स्थिति से सतर्क रहने और बचने की आवश्यकता का अनुभव करना हमारा पवित्र कर्तव्य है। मन को सही दिशा देते रहने के लिए स्वाध्याय की वैसी ही आवश्यकता है जैसे शरीर को भोजन देने की। आत्मनिर्माण करने वाली जीवन की समस्याओं को सही ढंग से सुलझाने वाली उत्कृष्ट विचारधारा की पुस्तकें पूरे ध्यान, मनन और चिंतन के साथ पढ़ते रहना ही स्वाध्याय है। यदि सुलझे हुए विचारों के जीवन विद्या के ज्ञाता कोई संभ्रांत सज्जन उपलब्ध हो सकते हों तो उनका सत्संग भी उपयोगी सिद्ध हो सकता है। मन का स्वभाव बालक जैसा होता है, उमंग से भरकर वह कुछ न कुछ करना-बोलना चाहता है। यदि दिशा न दी जाए तो उसकी क्रियाशीलता तोड़-फोड़ एवं गाली-गलौज के रूप में भी सामने आ सकती है। मन में जब सद्विचार भरे रहेंगे तो कुविचार भी कोई दूसरा रास्ता टटोलेंगे। रोटी और पानी जिस प्रकार शरीर की सुरक्षा और परिपुष्टि के लिए आवश्यक हैं उसी प्रकार आत्मिक स्थिरता और प्रगति के लिए सद्विचारों, सद्भावों की प्रचुर मात्रा उपलब्ध होनी ही चाहिए। युग निर्माण के लिए, आत्म निर्माण के लिए वह प्रधान साधन है। संकल्प की, मन की शुद्धि के लिए इसे ही दवा माना गया है।

खास बात

राज्यपाल-राष्ट्रपति के खिलाफ सुनवाई का अधिकार न्यायपालिका को नहीं

राष्ट्रपति द्रोपति मुर्मू ने सुप्रीम कोर्ट को पत्र लिखकर सुप्रीम कोर्ट से अधिकार के बारे में पूछा था। उस मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में चल रही है। सरकार ने अपना पक्ष रखते हुए कहा है, राज्यपाल और राष्ट्रपति के फैसले न्यायपालिका की समीक्षा के अंतर्गत नहीं आते हैं। कोई भी राज्य सरकार या व्यक्ति राज्यपाल और राष्ट्रपति के निर्णय के खिलाफ याचिका दायर नहीं कर सकता है।उनका निर्णय ही अंतिम निर्णय होता है। सरकार के इस पक्ष को सुप्रीम कोर्ट मान लेती है। ऐसी स्थिति में फिर केंद्र सरकार का ही शासन सारे देश में चलेगा। सारे राज्यपाल लाट साहब हो जाएंगे। मुख्यमंत्री और मंत्रिमंडल का कोई वजूद नहीं रहेगा। सभी को प्रधानमंत्री की इच्छा पर काम करना होगा।

जम्मू कश्मीर की खाली राज्यसभा सीटें

जम्मू कश्मीर की राज्यसभा में चार सीट हैं।वह कब तक खाली रहेगी, इस पर कोई फैसला नहीं हो पा रहा है। चारों सीटों का कार्यकाल एक साथ शुरू होगा, या हर 2 साल में एक तिहाई सदस्यों को रिटायर किया जाएगा। इसके बारे में अभी तक कोई निर्णय चुनाव आयोग और सरकार के बीच में नहीं हो पा रहा है। जम्मू कश्मीर को राज्यसभा में प्रतिनिधित्व नहीं मिल रहा है। उपराष्ट्रपति का चुनाव होना है। इसमें जम्मू कश्मीर से राज्यसभा का कोई प्रतिनिधित्व नहीं होगा। इसको लेकर यह मामला उग्र होता जा रहा है। यदि अभी चुनाव हुए तो चारों सीटें नेशनल कांफ्रेंस के पास चली जाएगी। यही पेंच फंसा हुआ है।

जांबाज सैनिकों का खुलासा नहीं करेगी सरकार

पहलगाम घटना के आरोपियों को महादेव पहाड़ियों पर सैनिकों ने मार गिराया।सरकार इन जांबाज सैनिकों की पहचान बताने के लिए तैयार नहीं है। केंद्रीय गृह मंत्रालय और सेना का कहना है। सुरक्षा की दृष्टि से दुनिया के सभी देश इस तरह की जानकारी को गोपनीय रखते हैं।ओबामा बिन लादेन को जिन सैनिकों ने मारा था। उनकी पहचान गोपनीय रखी गई है।सरकार जांबाज सैनिकों का गुप्त रूप से सम्मान करेगी। मानसून सत्र शुरू होने जा रहा था, सत्र के दौरान ही पहलगाम घटना के आरोपियों के मारने की पुष्टि सदन में गृहमंत्री ने की थी। इसके बाद से यह मामला चर्चाओं में है।

बिहार में राहुल गांधी की तूफानी यात्रा

बिहार में कांग्रेस नेता राहुल गांधी वोट अधिकार यात्रा के माध्यम से बिहार के सभी जिलों में पहुंच रहे हैं। उनकी यात्रा में भारी भीड़ जुट रही है। गरीब गुरवे अपने वोट के अधिकार को बनाए रखना चाहते हैं। वोट यात्रा की सफलता को देखते हुए सभी राज्यों के विपनेता वहां पहुंच रहे हैं। जिस तरह से वोट यात्रा को जन समर्थन मिल रहा है। उसको लेकर भाजपा और एनडीए के सहयोगी दलों में हड़कंप मच गया है।राहुल गांधी की इस यात्रा को किस तरह से विवादित और फ्लॉप किया जाए।इसके लिए सुनयोजित प्रयास शुरू कर दिए गए हैं। पहले पाकिस्तान के आतंकवादी आए,अब गाली वाला मामला तूल पकड़ गया है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री आए थे। उन्हें सनातनी विरोधी बताकर भाजपा काफी उग्र हुई। अब यह लड़ाई गाली के मामले में सड़कों पर आ गई है।राहुल गांधी सत्य अहिंसा की बात कर रहे हैं। भाजपा ने जिस राहुल गांधी को 10 साल तक पप्पू बनाकर रखा था।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, भादपद शुक्ल पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पूर्वे तिथी, दसवी, मंगलवासरे, मूलनक्षत्रे, प्रीतयोगे, तैतिल करणे, धनु की चंद्रमा, मूल समाप्त रात्रि 8.05 रवियोग समाप्त उग्रकर्म मुर्हूत वाहन क्रय धान्य रोपण मु. तथापि पूर्व की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल: आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल-चंचल, चतुर, स्वाभिमानी, शिक्षक-शिक्षाविद, शिक्षाशास्त्री, लेक्चरार, प्रोफेसर, प्रिंसपल, तथा पंडित, विद्वान, संत-महात्मा, योगी-भोगी तथा कुशल वक्ता-अधिवक्ता, शासक-प्रशासक, प्रशासक कर्मचारी होगा।

मेष राशि- आशानुकूल सफलता का हर्ष, व्यवसायिक समृद्धि के साधन बनाये ही रखेंगे ध्यान रखें।

वृष राशि- इष्ट मित्र वर्ग से हर्ष उल्लास, कार्य व्यवस्था गति उत्तम बनीं ही रहेगी, समय का ध्यान रखें।

मिथुन राशि- सफलता के साधन हाथ से निकल जायें, मित्रों से असंतोष होगा, अधिकारी असमर्थ होंगे।

कर्क राशि- योजना फलीभूत होगी, सफलता के साधन जुटायें, रुके कार्य के बनने से हर्ष अवश्य होगा।

सिंह राशि- दैनिक कार्यगति अनुकूल, प्रभुत्व वृद्धि, किसी रुके कार्य के बनने से हर्ष अवश्य होगा।

कन्या राशि- मान-प्रतिष्ठा प्रभुत्व वृद्धि, कार्यकुशलता से बिगड़े कार्य बनेंगे, अधीर न हो।

तुला राशि- योजना फलीभूत हो तथा मान प्रतिष्ठा बढ़ेगी, रुके कार्य बनें, कार्य व्यवस्था बढ़ेगी।

वृश्चिक राशि- स्थिति अनुकूल रहीं, विशेष कार्य स्थिगित रखें, हानि होने की विशेष संभावना।

धनु राशि- कार्य विफल, दूसरों के कार्यो में धन समय की हानि होगी, कार्य व्यवसाय का ध्यान रखें।

मकर राशि- अधिकारियों के मेल-मिलाप से लाभ अवश्य होगा, समय का लाभ अवश्य लें।

कुंभ राशि- परिश्रम करने पर भी सफलता न मिले तथा अनेक प्रकार की असुविधा बनेगी।

मीन राशि- दैनिक कार्यगति अनुकूल, प्रभुत्व वृद्धि, किसी रुके कार्य के बनने का हर्ष होगा।

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

2 सितम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

मंगलवार 2025 वर्ष का 245 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** भाद्रपद **पक्ष** शुक्ल **तिथि** दशमी 03.53 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** मूल 21.51 बजे को समाप्त। **योग** प्रीति 16.39 बजे को समाप्त। **करण** तैतिल 15.23 बजे तदनन्तर गर 03.53 बजे रात्र को समाप्त।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	06.49 बजे से
चंद्र	धनु में	तुला	09.00 बजे से
मंगल	कन्या में	वृश्चिक	11.14 ब.से
बुध	सिंह में	धनु	13.30 बजे से
गुरु	मिथुन में	मकर	15.36 बजे से
शुक्र	कर्क में	कुंभ	17.22 बजे से
शनि	मीन में	मीन	18.55 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	20.25 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	22.05 बजे से
राहुकाल		मिथुन	00.04 बजे से
3.00 से 4.30		कर्क	02.17 बजे से
बजे तक		सिंह	04.33 बजे से

चन्द्रायु 9.8 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 07° 54'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872455
जूलियन दिन 2460920.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना रवि उलावल
तारीख 09
विशेष गौरी विसर्जन।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

हमारे अच्छे कर्मों से
खुश होते हैं भगवान

भगवान माला और माल से राजी नहीं होते, बल्कि हमारे कर्मों से प्रसन्न होते हैं। गीता निष्काम कर्मों के द्वारा मोक्ष प्राप्ति का मार्ग बताती है। श्रेष्ठ कर्मों को ही सच्ची भक्ति समझो। इसीलिए अपने कर्मों को ही पूजा बना लो। जिस प्रकार कमल के पत्ते पानी में रहते हुए भी जल को अपने ऊपर नहीं आने देते। ऐसे ही निष्काम कर्मयोगी संसार में रहते हुए भी कर्मों के बंधन तथा मोह में आसक्त नहीं होते है। गीता संसार को कर्मशील व पुरुषार्थी होने का संदेश देती है। वह हमारे मन में स्वार्थ, लोभ, अहंकार से ऊपर उठकर निष्काम व परोपकार के कर्मों की भावना जागृत करती है। वह श्रेष्ठ कर्म करते हुए इहलोक तथा परलोक दोनों के लिए उन्नति करने के लिए प्रेरणा देती है। हे मनुष्यों, वर्तमान जीवन और जगत को कर्मों की सुगंध से भरते चलो। कर्त्तव्य व दायित्व को ईमानदारी व कुशलता से निभाओ। गीता कह रही है- योगः कर्मसु कौशलम् अर्थात जो भी कर्म करो, उसको पूर्णता, निपुणता, सुन्दरता और कुशलता से करो। जो इस तरह से जीवन को जीता है, गीता के अनुसार वह इस जीवन व जगत को सफल कर लेता है और उसका अगला जन्म भी सुधर जाता है।

तन के श्रृंगार में ही जो समय गंवा देते हैं वह इस नाशवान संसार में भटक कर रह जाते हैं लेकिन जो मन का श्रृंगार कर उसमें बैठे परमात्मा की आराधना करते है वह संसार की मलिनता से बच जाते हैं, वस्तुतः दुर्गुणों से ही जीवन में मलिनता आती है। इनसे बचने का एकमात्र उपाय वेद शास्त्र और पुराणों का मंथन करना तथा सज्जनों की संगति है। अतः हमें अपने कर्मों पर ध्यान देते हुए जीवन जीना चाहिए।

मनुष्य पांच तत्त्वों से बना है। इन तत्त्वों में से अग्नि विशेष है। जहां एक ओर अन्य सभी तत्त्व प्रदूषित हो सकते है, वहीं अग्नि को दूषित नहीं किया जा सकता।

पूजा पाठ के अंत में
हवन करने का क्या कारण है?

सृष्टि के सभी तत्व पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु व आकाश के विभिन्न संयोजनों से बने हैं। जगत का ही एक अंश होने के कारण मनुष्य भी इन्हीं पांच तत्त्वों से बना है। इन तत्त्वों में से अग्नि विशेष है। जहां एक ओर अन्य सभी तत्त्व प्रदूषित हो सकते है, वहीं अग्नि को दूषित नहीं किया जा सकता।

हमारे ऋषि अग्नि की इस विशेषता से भली भांति परिचित थे और इसीलिए हवन और दूसरे सभी वैदिक कर्मों में अग्नि का विशेष महत्त्व होता है। हवन मात्र एक कर्मकांड नहीं बल्कि एक योगी के लिए उन दिव्य शक्तियों से वार्तालाप का माध्यम है जो इस सृष्टि को चलाती हैं। तो क्या इसका अर्थ यह हुआ कि वे तत्त्व शुद्ध नहीं हैं जिनसे मनुष्य बना है। जिस प्रकार इस संसार में पृथ्वी, जल, वायु व आकाश प्रदूषित हो जाते हैं, उसी प्रकार से मानव शरीर में भी इन तत्त्वों का प्रदूषित होना संभव है। यह प्रदूषण मनुष्य को पतन अथवा विकृति की ओर धकेलता है। मनुष्य में इन तत्त्वों के प्रदूषण का पता लगाना अति सरल है। पृथ्वी तत्त्व के दूषित होने से व्यक्ति को समाज में प्रतिष्ठित पद और भव्य जीवन शैली जैसी सुविधाएं पाने की इच्छाएं बेलगाम होने लगती हैं।

जब जल तत्त्व दूषित होता है तो अप्राकृतिक काम इच्छा जागृत होने लगती है। वैदिक शास्त्र अपनी स्वाभाविक इच्छाओं का दमन करने के लिए नहीं कहता। अग्नि तत्त्व को दूषित नहीं किया जा सकता। योग और सनातन क्रिया की साधना से साधक अग्नि तत्त्व के अनुकूल स्तर बनाए रख सकता है। वायु तत्त्व यह निश्चित करता है कि हृदय व फेफड़े ठीक से कार्य करें। इस तरह रक्त संचार प्रणाली और श्वास प्रणाली भी सही काम करती रहती है। अंत में दूषित आकाश तत्त्व के कारण थायरायड व पैराथायरायड ग्रंथियों के रोग और श्रवण शक्ति का क्षीण होना पाया जाता है। मात्र एक हवन में ही यह क्षमता होती है कि मनुष्य के सभी दोष समाप्त हो सकें।

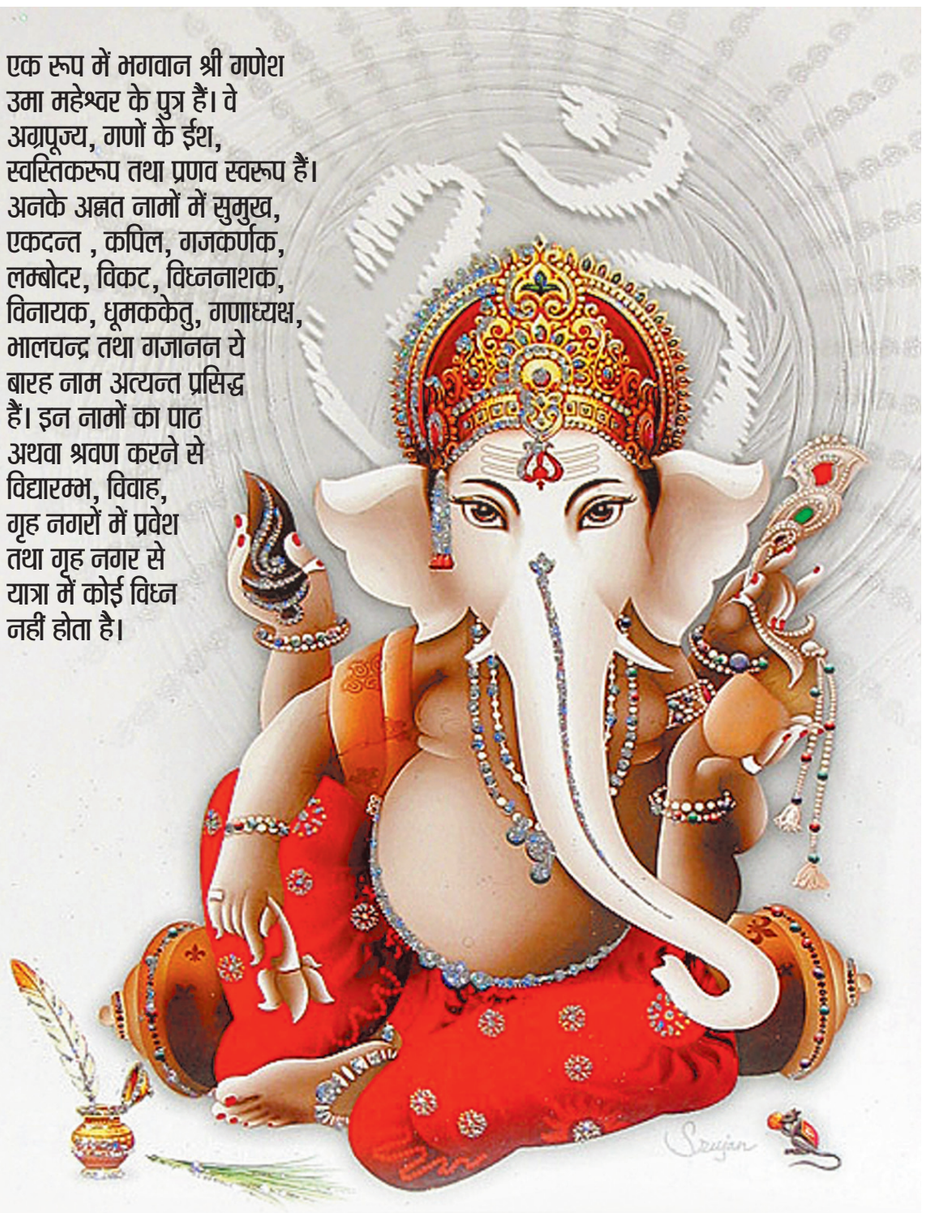

एक रूप में भगवान श्री गणेश उमा महेश्वर के पुत्र हैं। वे अग्रपूज्य, गणों के ईश, स्वस्तिकरूप तथा प्रणव स्वरूप हैं। अनके अन्नत नामों में सुमुख, एकदन्त , कपिल, गजकर्णक, लम्बोदर, विकट, विघ्ननाशक, विनायक, धूमकेतु, गणाध्यक्ष, भालचन्द्र तथा गजानन ये बारह नाम अत्यन्त प्रसिद्ध हैं। इन नामों का पाठ अथवा श्रवण करने से विद्यारम्भ, विवाह, गृह नगरों में प्रवेश तथा गृह नगर से यात्रा में कोई विघ्न नहीं होता है।

ऐसे पाइए रिद्धि सिद्धि के दाता
गणपति का आशीर्वाद...

भगवान गणेश का स्वरूप अत्यन्त ही मनोहर एवं मंगलदायक है। वे एकदन्त और चतुर्बाह हैं। अपने चारों हाथों में वे क्रमश पाश, अंकुश, मोदक पात्र तथा वर मुद्रा धारण करते हैं। वे रक्तवर्ण, लम्बोदर, शूर्पकर्ण तथा पीत वस्त्र धारी हैं। वे रक्त चंदन धारण करते हैं तथा उन्हें रक्त वर्ण के पुष्प विशेष प्रिय हैं। वे अपने उपासकों पर शीघ्र प्रसन्न होकर उनकी समस्त मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं।

एक रूप में भगवान श्री गणेश उमा महेश्वर के पुत्र हैं। वे अग्रपूज्य, गणों के ईश, स्वस्तिकरूप तथा प्रणव स्वरूप हैं। अनके अन्नत नामों में सुमुख, एकदन्त , कपिल, गजकर्णक, लम्बोदर, विकट, विघ्ननाशक, विनायक, धूमकेतु, गणाध्यक्ष, भालचन्द्र तथा गजानन ये बारह नाम अत्यन्त प्रसिद्ध हैं। इन नामों का पाठ अथवा श्रवण करने से विद्यारम्भ, विवाह, गृह नगरों में प्रवेश तथा गृह नगर से यात्रा में कोई विघ्न नहीं होता है।

भगवान गणपति के अनेक अवतार हुए हैं। उनके सभी चरित्र अनन्त हैं। पदम पुराण के अनुसार एक बार पार्वती जी ने अपने शरीर के मैल से एक पुरूषाकृति बनाई जिसका मुख हाथी के समान था। फिर उस आकृति को उन्होंने गंगा जल में डाल दिया। गंगा जल में पड़ते ही वह आकृति विशालकाय हो गई। पार्वती जी ने उसे पुत्र कहकर पुकारा देव समुदाय ने उन्हें गंगये कहकर सम्मान दिया और ब्रहमाजी ने उन्हें गणों का अधिपत्य प्रदान करके गणेश नाम दिया।

लिंग पुराण के अनुसार एक बार देवताओं ने भगवान शिव की उपासना करके उनसे सुरद्रोही दानवों के दुष्कर्म में विघ्न उपस्थित करने के लिए वर मांगा। आशुतोष शिव ने तथास्तु कहकर देवताओं को संतुष्ट कर दिया। समय आने पर गणेश जी का प्राकट्य हुआ। उनका मुख हाथी के समान था और उनके एक हाथ में त्रिशुल तथा दूसरे में पाश था। देवताओं ने सुमन वृष्टि करते हुए गजानन के चरणों में बारम्बार प्रणाम किया। भगवान शिव जी ने गणेश जी को दैत्यों के कार्यों में विघ्न उपस्थित करके देवताओं और ब्रह्माणों का उपकार करने का आदेश दिया।

प्रजापति विश्वकर्मा की सिद्धि बुद्धि नामक दो कन्याएं गणेश जी की पत्नियां हैं। सिद्धि से क्षेम और बुद्धि से लाभ नामक शोभा सम्पन्न दो पुत्र हुए। शास्त्रों और पुराणों में सिंह मयूर और मूषक को गणेश जी का वाहन बताया गया है। गणेश पुराण के क्रिड़ा खण्ड में उल्लेख है कि कृतयुग में गणेश जी का वाहन सिंह है। वे दस भुजाओं वाले, तेज स्वरूप तथा सब को वर देने वाले हैं और उनका नाम विनायक है। त्रेता में उनका वाहन मयूर है, वर्ण श्वेत है तथा तीनों लोकों में वे मयूरेश्वर नाम से विख्यात हैं और छ भुजाओं वाले हैं। द्वापर में उनका वर्ण लाल है। वे चार भुजाओं वाले और मूषक वाहन वाले हैं तथा गजानन नाम से प्रसिद्ध हैं। कलयुग में उनका धूम्रवर्ण है। वे घोड़े पर आरूड़ रहते हैं। उनके दो हाथ हैं तथा उनका नाम धूम्रकेतू है। मोदक प्रिय गणेश जी विद्या बुद्धि और समस्त सिद्धियों के दाता तथा थोड़ी उपासना से प्रसन्न हो जाते हैं। उनके जप का मंत्र ओम गं गणपतेय नमः है।

कैसे हनुमान जी आपका लॉकर सदा धन से भरा रखेंगे

जीवन की समस्त अवश्यकताओं की पूर्ति के लिए धन की आवश्यकता होती है। कुछ लोग कम मेहनत करने पर भी अधिक धन संचित कर लेते हैं तो कुछ लोगों को कड़ी मेहनत के उपरांत भी उनकी मेहनत के अनुरूप धन नहीं मिल पाता। कई लोग ऐसे होते हैं जो कमाई तो अच्छी कर लेते हैं, लेकिन आगे के लिए कुछ बचा नहीं पाते। अगर धन का अगमान ठीक भी हो तो बढ़े हुए खर्च के कारण धन संबंधी परेशानी बनी रहती है। आप जब भी बैंक जाएं तो मन ही मन महालक्ष्मी के मंत्रों का जाप करें। ऐसा करने से बैंक में जमा पैसे पर महालक्ष्मी की कृपा बनी रहेगी और उस पैसे में निरंतर बढ़ौतरी होती रहेगी।

ऊँ महालक्ष्म्यै नमः, ऊँ ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः

ऊँ श्रीं ह्रीं क्लीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः

निम्न पंक्तियों का प्रतिदिन जाप करने से हनुमान जी के साथ साथ यम, कुबेर एवं अन्य देवी-देवताओं की भी कृपा प्राप्त होगी। कुबेर देव की अनुकम्पा से आपका लॉकर कभी खाली नहीं होगा और सदा धन से भरा रहेगा।

जम कुबेर दिगपाल जहां ते। कवि कोबिद कहि सके कहां ते।।

मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होने पर कुबेर जी अपना खजाना उनके भक्तों के लिए खोल देते हैं इसलिए मां लक्ष्मी के साथ साथ कुबेर जी का चित्र

अथवा श्री रूप घर में स्थापित करें। वास्तु शास्त्र के मतानुसार मां लक्ष्मी और कुबेर जी का चित्र अथवा श्री रूप उत्तर दिशा की ओर स्थापित करें। इससे उत्तर दिशा सक्रिय होगी एवं धन आगमन में आने वाली समस्त बाधाओं का नाश होगा।

इन महाविद्याओं से सिद्धियों एवं मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती है

शिवपुराण के मतानुसार भगवान शिव शंकर के दस अवतारों में आदशक्ति मां दुर्गा समस्त अवतारों में उनके साथ अवतरित हुई थी। दस महाविद्यायों के नाम से जानी जानें वाली महामाया मां जगत् जननी दुर्गा के ये दस रूप तांत्रिकों एवं उपासकों की आराधना का अभिन्न अंग हैं। इन महाविद्याओं के माध्यम से उपासक को बहुत सी सिद्धियों एवं मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती है। मां दुर्गा एवं भगवान शिव शंकर के दस अवतार इस प्रकार हैं-

- भगवान शिव शंकर के महाकाल अवतार के समय देवी महाकाली के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के तारकेश्वर अवतार के समय देवी तारा के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के भुवनेश अवतार के समय देवी भुवनेश्वरी के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के षोडश अवतार के समय देवी षोडशी के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के भैरव अवतार के समय देवी जगदम्बा भैरवी के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के छिन्नमस्तक अवतार के समय देवी छिन्नमस्ता के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के ध्रूमवान अवतार के समय धूमावती के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के बगलामुखी अवतार के समय देवी जगदम्बा बगलामुखी रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के मातंग अवतार के समय देवी मातंगी के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के कमल अवतार के समय कमला के रूप में देवी उनके साथ अवतरित हुई।

संक्षिप्त समाचार

अब आईएलटी20 लीग में खेलेंगे अश्विन

चेन्नई। हाल ही में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से संन्यास लेने वाले दिग्गज स्पिनर आर अश्विन अब विदेशी लीग (आईएलटी20) में खेलते हुए दिखेंगे। अश्विन ने आईपीएल छोड़ते समय ही साफ कर दिया था कि अब वह नई संभावनाएं तलाशेंगे। इसी को सही साबित करते हुए अश्विन ने अब एक अंतरराष्ट्रीय लीग से करार भी किया है। अश्विन ने आईपीएल से संन्यास के समय कहा था, हर अंत की एक नई शुरुआत होती है, एक आईपीएल क्रिकेटर के रूप में मेरा समय आज समाप्त हो रहा है पर विभिन्न लीगों में संभावना तलाशने का दौर प्रारंभ हो रहा है। अश्विन ने अंतरराष्ट्रीय टी20 लीग (आईएलटी20) 2026 की नीलामी के लिए करार किया है। यूएई में खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट में पहले ड्राफ्ट प्रणाली का पालन होता था पर इस सत्र से नीलामी प्रणाली शुरु की जाएगी।

बुमराह वर्तमान दौर के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज: अकरम

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने भारतीय टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह वर्तमान समय के एक महान गेंदबाज हैं। अकरम ने कहा कि जिस प्रकार भारतीय टीम प्रबंधन उनके वर्कलोड का ध्यान रख रहा है वह भी सराहनीय बात है। अकरम ने कहा कि बुमराह विश्व-स्तर के गेंदबाज है और इसमें किसी को भी संदेह नहीं होना चाहिये। इस पूर्व गेंदबाज ने कहा, बुमराह का ऐक्शन सबसे अलग है। उनके पास गति है और जिस तरह से प्रबंधन उनका ध्यान रख रहा है वह भी काफी अच्छी बात है। इसका पूरा श्रेय प्रबंधन और इस गेंदबाज की मानसिकता को जाता है।

वैभव सूर्यवंशी के निडर रवैये के कायल हुए रैना

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने 14 साल के उभरत हुए क्रिकेट सितारे वैभव सूर्यवंशी की जमकर सराहना करते हुए कहा है कि उसका निडर रवैया उसे सबसे अलग बताता है। वैभव ने आईपीएल 2025 सत्र में राजस्थान रॉयल्स की ओर से आक्रामक बल्लेबाजी कर सबको प्रभावित किया था। वैभव को राजस्थान ने 1.1 करोड़ रुपए में लिए था। इस क्रिकेटर ने 35 गेंदों में शतक लगाकर अपने चयन को सही साबित किया था। इस क्रिकेटर ने अंडर- 19 टीम के साथ ही इंग्लैंड दौरे पर भी जबरदस्त बल्लेबाजी की थी। ।वैभव ने इंग्लैंड अंडर-19 के खिलाफ एकदिवसीय मैच में 52 गेंदों में शतक लगाकर रिकार्ड बनाया था।

टीमों के बीच 122 करोड़ बटेंगे, पुरुष टूर्नामेंट से 39 करोड़ ज्यादा

महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप की प्राइज मनी पुरुषों से ज्यादा

दुबई ■ एजेंसी

महिलाओं के वनडे वर्ल्ड कप प्राइज मनी पुरुषों से ज्यादा हो गई है। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने सोमवार को इसका ऐलान किया।

इसके अनुसार, 30 सितंबर से भारत और श्रीलंका में होने जा रहे विमेंस वनडे वर्ल्ड कप 2025 में कुल 13.88 मिलियन डालर (करीब 122 करोड़ रुपए) की इनामी राशि बांटी जाएगी। 2023 में भारत में खेले गए मेंस वनडे वर्ल्ड कप के दौरान करीब 10 मिलियन अमेरिकी डॉलर (83 करोड़ रुपए) बांटे गए थे।

चैंपियन को मिलेंगे 39.5 करोड़ रुपए: इस साल की विमेंस वनडे वर्ल्ड चैंपियन टीम को 4.48 मिलियन डॉलर (लगभग 39.55 करोड रुपए) की पुरस्कार राशि मिलेगी। जो कि इस टूर्नामेंट में अभी तक की सबसे बड़ी इनामी राशि है। पिछले सीजन की तुलना में ढ्ढष्टष्ट ने विनर्स की प्राइज मनी में 13.20 (लगभग 11.65 करोड रुपए) की बढ़ोतरी की है।

इस विमेंस वर्ल्ड कप की रनर अप को 2.24 मिलियन डॉलर (लगभग 19.77 करोड़ रुपए) से संतोष करना पड़ेगा। सेमीफाइनल में हारने वाली टीमों को 1.12 मिलियन डॉलर (लगभग 9.89

करोड़ रुपए) मिलेंगे।

ग्रुप चरण जीत दर्ज करने पर टीमों को 34,314 डॉलर (लगभग 30.29 लाख रुपए) मिलेंगे। 5वें और छठे स्थान पर रहने वाली टीमों को 700,000 डॉलर (लगभग 62 लाख रुपए) और 7वें और 8वें स्थान पर रहने वाली टीमों को 280,000 डॉलर (लगभग 24.71 लाख रुपए) मिलेंगे। प्रत्येक प्रतिभागी टीम को 250,000 डॉलर (लगभग 22 लाख रुपए) मिलेंगे।

पिछले सीजन से चार गुना ज्यादा बढ़ी प्राइज मिनी: महिला वनडे वर्ल्ड कप में दुनिया की टॉप-8 टीमें हिस्सा लेंगी। इसकी टोटल प्राइज मनी में लगभग चार गुना वृद्धि की गई है। आईसीसी ने इस प्रतियोगिता के लिए कुल पुरस्कार राशि 13.88 मिलियन डॉलर (लगभग 122.5 करोड़ रुपए) घोषित की है। पिछले सीजन में 3.5 मिलियन यूएस डॉलर यानी कि करीब 26 करोड़ रुपए बांटे गए थे। तब की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को 1.32 मिलियन यूएस डॉलर यानी कि करीब 9.9 करोड़ रुपए दिए गए थे।

दलीप ट्रॉफी के फाइनल का सीधा प्रसारण होगा: बीसीसीआई

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि दलीप ट्रॉफी के खिताबी मुकाबले का सीधा प्रसारण होगा। बीसीसीआई का ये बयान प्रशंसकों की आलोचना को देखते हुए आया है। प्रशंसकों ने दलीप ट्रॉफी मैचों का प्रसारण नहीं किये जाने पर निराशा जतायी थी। बीसीसीआई ने कहा है कि 11 से 15 सितंबर के बीच होने वाले दलीप ट्रॉफी का फाइनल टीवी पर प्रसारित किया जाएगा। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा, दलीप ट्रॉफी के फाइनल का सीधा प्रसारण होगा। हमने अपने प्रसारक के साथ 100 दिनों के घरेलू क्रिकेट का सीधा प्रसारण पक्का करने के लिए करार किया है। जिसका मतलब है कि हमारे सभी घरेलू टूर्नामेंटों का सीधा प्रसारण होगा। बीसीसीआई घरेलू क्रिकेट को अत्यधिक महत्व देता है क्योंकि इन मैचों में लगभग सभी भारतीय खिलाड़ी खेल रहे हैं। दलीप ट्रॉफी टूर्नामेंट में अब तक यश ढुल और अंकित कुमार के शतकों की बदौलत नॉर्थ जोन ने सेमीफाइनल में जगह बना ली है। वहीं दूसरे मैच में, दानिश मालेवार के शानदार डेब्यू और रजत पाटीदार व यश राठौड़ के शानदार प्रदर्शन से सेंट्रल जोन ने सेमीफाइनल में जगह बनाई।

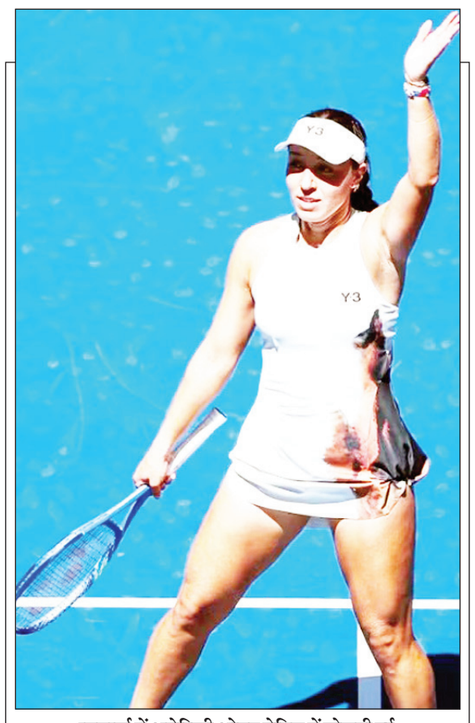

न्यूयार्क में अमेरिकी ओपन टेनिस में खेलती हुई अमेरिका की जेसिका पैगुला।

विश्व एथलेटिक्स में नीरज सहित 19 सदस्यीय भारतीय दल उतरेगा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा सहित 19 सदस्यीय भारतीय दल जापान में होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भाग लेगा। ये चैंपियनशिप 13 से 21 सितंबर तक तोक्यो में खेली जाएगी। इस चैंपियनशिप में पहली बार चार भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी भाग लेंगे। इसमें नीरज के अलावा सचिन यादव, यशवीर सिंह और रोहित यादव जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। भारतीय में पांच महिला खिलाड़ी भी शामिल हैं। भारत ने इससे पहले साल 2023 में हंगरी में हुए पिछले टूर्नामेंट में 28 एथलीट भेजे थे जिनमें सात रिले धावक शामिल थे। वहीं इस बार रिले स्पर्धा के लिए एक भी खिलाड़ी क्वालीफाई नहीं कर पाया। भारत को पदक की सबसे अधिक उम्मीदें नीरज से हैं। नीरज ने साल 2023 में बुडापेस्ट में स्वर्ण पदक जीता था। तीन हजार मीटर स्टीपलचेज के स्टार खिलाड़ी अविनाश साबले ने इसके लिए क्वालीफाई किया था पर जुलाई में एसीएल सर्जरी के कारण वह इस प्रतियोगिता से बाहर हो गये हैं।।

भारतीय दल इस प्रका है: पुरुष- नीरज चोपड़ा, सचिन यादव, यशवीर सिंह और रोहित यादव (पुरुष भाला फेंक), मुरली श्रीशंकर (पुरुष लंबी कूद), गुलवीर सिंह (पुरुष 5,000 मीटर और 10,000 मीटर), प्रवीण चित्रावेल और अब्दुल्ला अबुबाकर (पुरुष त्रिकूद), सर्वेश अनिल कुशारे (पुरुष ऊंची कूद), अनिमेष कुजूर (पुरुष 200 मीटर), तेजस शिरसे (पुरुष 110 मीटर बाधा दौड़), सर्विन सबेस्टियन (पुरुष 20 किमी पैदल चाल), राम बाबू और संदीप कुमार (पुरुष 35 किमी पैदल चाल)।

महिलाएं: पारुल चौधरी और अंकिता ध्यानी (महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेज), अन्नू रानी (महिलाओं की भाला फेंक), प्रियंका गोस्वामी (महिलाओं की 35 किमी पैदल चाल), पूजा (महिलाओं की 800 मीटर और 1500 मीटर)।

विश्व बैडमिंटन स्पर्धा में सात्विक-चिराग की जीत पर इंदौर की सरताज अकादमी में जश्न

इंदौर ■ निप्र

भारत के शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ी सात्विकसाईराज रैंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने 19वीं विश्व बैडमिंटन स्पर्धा में दूसरी बार कांस्य पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि की खुशी इंदौर की सरताज अकादमी में बड़े ही उत्साह के साथ मनाई गई। अकादमी के युवा खिलाड़ियों ने अपने चहेते सितारों की तस्वीरों और पोस्टरों के साथ जश्न मनाया।

पेरिस, फ्रांस में हुई इस स्पर्धा में विश्व में नौवें नंबर की सात्विक और चिराग की जोड़ी सेमीफाइनल में चीन के चेन बो यांग और लियु यि से हार गई, लेकिन उनका प्रदर्शन असाधारण रहा। इस कांस्य पदक के साथ, वे विश्व बैडमिंटन स्पर्धा के इतिहास में युगल में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय जोड़ी बन गए हैं। यह जीत सिर्फ एक पदक नहीं, बल्कि युवा खिलाड़ियों के लिए एक बड़ी प्रेरणा है।

सरताज अकादमी के प्रबंध निदेशक और प्रशिक्षक धर्मेश यशलहा ने बताया कि बच्चों ने सात्विक और चिराग के खेल का भरपूर आनंद लिया। इस समय अकादमी में 69वीं सरताज लीग बैडमिंटन स्पर्धा चल रही है जिसमें युगल मुकाबले हो रहे हैं, जिससे यह जीत और भी प्रासंगिक हो गई है। यशलहा ने भारत के बैडमिंटन इतिहास पर प्रकाश डालते हुए बताया कि भारत 2011 से लगातार विश्व स्पर्धा में पदक जीत रहा है। अब तक, देश ने कुल 15 पदक हासिल किए हैं, जिनमें 1 स्वर्ण, 4 रजत और 10 कांस्य शामिल हैं। सबसे पहले प्रकाश पादुकोण ने 1983 में कांस्य पदक जीता था, और उसके बाद पी.वी. सिंधु ने 2019 में विश्व विजेता बनकर इतिहास रचा। अन्य उल्लेखनीय पदक विजेताओं में साइना नेहवाल, ज्वाला गुट्टा, अश्विनी पोनप्पा और किदांबी श्रीकांत शामिल हैं। भविष्य की बात करें तो, भारत 2026 में 20वीं विश्व बैडमिंटन स्पर्धा की मेजबानी करेगा, जो नई दिल्ली में होगी। इस साल अक्टूबर में गुवाहाटी, असम में विश्व जूनियर बैडमिंटन स्पर्धा भी होनी है।

व्यापार समाचार

अब तक का तगड़ा उछाल

मोदी सरकार को जीएसटी से मिला रिकॉर्ड 1.86 लाख करोड़ का राजस्व

अगस्त में जीएसटी वसूली 6.5% बढ़ी, दिवाली से पहले नए सुधार की तैयारी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

सरकार ने सोमवार को अगस्त महीने का जीएसटी कलेक्शन जारी किया और इस बार आंकड़े राहतभरे रहे। अगस्त 2025 में जीएसटी से 1.86 लाख करोड़ रुपये का खजाना भरा गया, जो पिछले साल अगस्त की तुलना में 6.5% ज्यादा है। तुलना करें तो अगस्त 2024 में यही कलेक्शन 1.75 लाख करोड़ रुपये था। हालांकि, जुलाई 2025 में 1.96 लाख करोड़ की वसूली के मुकाबले यह आंकड़ा थोड़ा कम है।

घरेलू राजस्व ने संभाली कमान: सरकारी रिपोर्ट बताती है कि घरेलू राजस्व में तेज उछाल की वजह से अगस्त का ग्रॉस जीएसटी कलेक्शन बढ़ा। बीते महीने घरेलू रेवेन्यू 9.6% बढ़कर 1.37 लाख करोड़ रुपये रहा, जबकि आयात कर में

1.2% की मामूली गिरावट आई और यह घटकर 49,354 करोड़ रुपये रह गया। वहीं, जीएसटी रिफंड का ट्रेंड थोड़ा निराशाजनक रहा-सालाना आधार पर इसमें 20% की कमी आई और यह 19,359 करोड़ रुपये पर सिमट गया।

बैठक से पहले बड़े संकेत: दिलचस्प बात यह है कि यह मजबूत कलेक्शन ऐसे वक्त आया है, जब दो दिन बाद जीएसटी काउंसिल की अहम बैठक होने जा रही है। इसमें टैक्स स्लैब कम करने और जीएसटी रेट्स को युक्तिसंगत बनाने पर चर्चा होगी।

'नेक्स्ट-जेन' जीएसटी सुधार की तैयारी: 15 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले से ऐलान किया था कि सरकार जल्द 'नेक्स्ट जेनरेशन जीएसटी रिफॉर्म' लेकर आ रही है। उनका दावा था कि नए सुधारों से आम आदमी पर टैक्स का बोझ घटेगा और इसे दिवाली से पहले लागू करने की उम्मीद है। प्रस्ताव है कि नई व्यवस्था में जीएसटी दरें घटाकर सिर्फ दो स्लैब रखी जाएं-5% और 18%।

अप्रैल बना रिकॉर्ड होल्डर

अब तक का सबसे बड़ा जीएसटी कलेक्शन अप्रैल 2025 में हुआ था, जब सरकार ने 2.37 लाख करोड़ रुपये जुटाए थे। यह जीएसटी लागू होने के बाद से अब तक का उच्चतम स्तर है।

जीओएम की हरी झंडी, अब काउंसिल की बारी: 20-21 अगस्त को हुई ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स (जीओएम) की बैठक में भी यही सुझाव सामने आया था कि 12% और 28% स्लैब को खत्म कर केवल 5% और 18% दरें रखी जाएं। हालांकि, सरकार को अंदेशा है कि इस कदम से लगभग 40,000 करोड़ रुपये का राजस्व नुकसान हो सकता है। अब अंतिम निर्णय 3-4 सितंबर को होने वाली 56वीं जीएसटी काउंसिल बैठक में लिया जाएगा।

दुनिया को 200 प्रति बैरल कीमत तेल से बचाया

भारत का अमेरिका को जवाब-अंतरराष्ट्रीय नियमों के तहत तेल खरीदा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने तेल खरीदने पर रूस-यूक्रेन युद्ध को फंडिंग मिलने के आरोपों का जवाब दिया है। पेट्रोलियम मिनिस्टर हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि भारत ने अंतरराष्ट्रीय नियमों का पालन करते हुए तेल खरीदा है, जिससे ग्लोबल मार्केट में तेल की कीमतें स्थिर रहीं।

हरदीप सिंह ने द हिन्दू अखबार के लिए लिखे कॉलम में कहा भारत ने कोई नियम नहीं तोड़ा। हमने G7 के तय मूल्य सीमा (प्राइस कैप) का पालन किया। इन नियमों को रूस की कमाई सीमित रखने और तेल की आपूर्ति बनाए रखने के लिए डिजाइन किया गया है।

उन्होंने कहा कि भारत ने बाजार को स्थिर रखा और दुनिया को 200 डॉलर प्रति बैरल कच्चे तेल की कीमत से बचाया है। इससे पहले अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने के कारण भारत पर 50% टैरिफ लगाया था। ट्रम्प के ट्रेड सलाहकार पीटर नवारो भी भारत पर रूस को जंग के लिए पैसा उपलब्ध कराने का आरोप लगा चुके हैं।

भारत पर जंग को बढ़ावा देने का आरोप लगाया था: इससे पहले 27 अगस्त को ट्रम्प के ट्रेड सलाहकार पीटर नवारो ने यूक्रेन जंग को मोदी वॉर बताया था। नवारो ने ब्लूमबर्ग टीवी के इंटरव्यू में भारत पर जंग को बढ़ावा देने और दोहरा खेल खेलने का आरोप लगाया। नवारो ने कहा कि भारत रूस से सस्ता तेल खरीदकर उसे रिफाइन करता है और ऊंची कीमत पर बेचता है। इससे रूस को जंग के लिए पैसा मिलता है और वो यूक्रेन पर हमला करता है। नवारो ने चेतावनी देते हुए कहा कि रूस और चीन के साथ भारत के बढ़ते संबंध दुनिया के लिए खतरा बन सकते हैं।

भारत रूसी तेल का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार: भारत, चीन के बाद रूसी तेल का सबसे बड़ा खरीदार है। यूक्रेन युद्ध से पहले भारत रूस से सिर्फ 0.2% (68 हजार बैरल प्रतिदिन) तेल इम्पोर्ट करता था। मई 2023 तक यह बढ़कर 45% (20 लाख बैरल प्रतिदिन) हो गया, जबकि 2025 में जनवरी से जुलाई तक भारत हर दिन रूस से 17.8 लाख बैरल तेल खरीद रहा है। पिछले दो साल से भारत हर साल 130 अरब डॉलर (11.33 लाख करोड़ रुपए) से ज्यादा का रूसी तेल खरीद रहा है। सस्ते रूसी तेल से

भारतीय तेल कंपनियों का मुनाफा बढ़ा: वित्त वर्ष 2020 में भारत अपनी जरूरत का केवल 1.7% तेल रूस से आयात करता था। ये हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2025 में बढ़कर 35.1% हो गई है। रूस से सस्ता तेल खरीदने का फायदा ऑयल कंपनियों के मुनाफे पर भी दिखा है। 2022-23 में इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम का कुल मुनाफा 3,400 करोड़ था।

मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई 59.3 पर, प्रोडक्शन में तेजी

नई दिल्ली। भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर ने अगस्त में मजबूत ग्रोथ दर्ज की गई। एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) जुलाई के 59.1 से बढ़कर 59.3 हो गया। एसएंडपी ग्लोबल की ओर से जारी आंकड़ों में यह जानकारी सामने आई। पीएमआई का यह स्तर बीते 17 साल और छह महीने में ऑपरेटिंग स्थिति में सबसे तेज सुधार को दिखाता है। सर्वे में शामिल कारोबार ने इनपुट स्टॉक्स में बढ़ोतरी की रिपोर्ट दी, जबकि फिनिश्ड प्रोडक्ट्स का इन्वेंटरी भी नौ महीनों में पहली बार बढ़ा। एचएसबीसी इंडिया प्रमुख प्रांजल भंडारी ने कहा, अगस्त में भारत का मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई एक नई ऊंचाई पर पहुंचा, इसका कारण उत्पादन में तेज विस्तार है।

महिंद्रा एक्सयूवी 700 का 2026 फेसलिफ्ट वर्जन पेश करने की तैयारी

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में महिंद्रा की फ्लैगशिप एसयूवी एक्सयूवी 700 पहले ही बड़ी लोकप्रियता हासिल कर चुकी है। महिंद्रा कंपनी इसका 2026 फेसलिफ्ट वर्जन पेश करने की तैयारी में है। बीते दिनों इसका टेस्टिंग मॉडल कैमरे में नजर आया है, जिससे इसके डिजाइन और फीचर्स से जुड़ी कई अहम जानकारी सामने आई है। नई एक्सयूवी 700 फेसलिफ्ट में डिजाइन को और ज्यादा स्पोर्टी और मॉडर्न बनाने पर फोकस किया गया है। इसमें नया बंपर, अपडेटेड हेडलैंप्स और रिवाइज्ड टेल-लाइट्स देखने को मिलेंगी।

8700 तक के डॉक्यूमेंट-गिफ्ट की बुकिंग पर भी रोक लगी

अमेरिका के लिए पोस्टल सर्विस पूरी तरह से सस्पेंड

नई दिल्ली, निप्र। भारतीय डाक विभाग ने अमेरिका के लिए सभी तरह की पोस्टल सर्विस पर टेम्परेरी तौर पर रोक लगा दी है। ये फैसला अमेरिका के 50 प्रतिशत टैरिफ के बाद कस्टम विभाग के नए नियमों में अस्पष्टता के चलते किया गया है। इसमें 100 डॉलर तक के लेटर, दस्तावेज और गिफ्ट आइटम्स भी शामिल हैं। इससे पहले डाक विभाग ने 25 अगस्त से इन कैटेगरी को छोड़कर सभी पार्सल पर रोक लगा दी थी ।

विभाग ने रविवार को कहा कि जब तक स्थिति साफ नहीं होती और एयरलाइंस अमेरिका जाने वाले डाक पार्सल ले जाने को तैयार नहीं होतीं, तब तक यह रोक जारी रहेगी।

डाक विभाग ने बताया- जिन्होंने पहले ही बुकिंग कराई है लेकिन सामान भेजा नहीं जा सका, वे पोस्टेज का रिफंड ले सकते हैं। हम हालात पर नजर रखे हुए है और जल्द से जल्द सेवा बहाल करने की कोशिश की जा रही है।

पहले 70 हजार रुपए तक के सामान ड्यूटी फ्री थे: एक्सट्रा टैरिफ लागू होने के बाद 29 अगस्त से अमेरिका जाने वाले सभी अंतरराष्ट्रीय डाक सामानों पर देश-विशेष इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर एक्ट टैरिफ स्ट्रक्चर के अनुसार कस्टम ड्यूटी देनी पड़ रही है। चाहे उनकी कीमत कितनी भी हो।

हालांकि, अभी भी 100 डॉलर (करीब 8,700 रुपए) तक की कीमत वाले लेटर, डॉक्यूमेंट और गिफ्ट आइटम्स को ड्यूटी से छूट मिलती रहेगी, लेकिन नियम इसके लिए भी स्पष्ट नहीं है। इसके चलते एयरलाइंस इन्हें भी नहीं ले जा रही है। वहीं, 29 अगस्त से पहले 800 डॉलर यानी करीब 70 हजार रुपए तक के सामान ड्यूटी फ्री थे।

चांदी के गहनों पर हॉलमार्किंग लागू, टैक्स रिटर्न की आखिरी तारीख 15 सितंबर

19 किलो वाला गैस सिलेंडर 51.50 तक सस्ता

नई दिल्ली ■ एजेंसी

सितंबर में 7 बड़े बदलाव हो रहे हैं, जो सीधे आपसे जुड़े हैं। आज से 19 किलो वाला कॉमर्शियल गैस सिलेंडर ?51.50 तक सस्ता हो गया है। वहीं, सोने के बाद अब सरकार चांदी के गहनों पर भी हॉलमार्किंग 1 सितंबर से लागू कर रही है।

इधर, कॉमर्शियल प्लेन में इस्तेमाल होने वाले एविएशन टर्बाइन फ्यूल की कीमत 1,308.41 रुपए तक घट गई है। इससे हवाई सफर सस्ता हो सकता है।

1. गैस सिलेंडर सस्ता- कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम ?51.50 तक घटे

आज से 19 किलो वाला कॉमर्शियल गैस सिलेंडर ?51.50 तक सस्ता हो गया है। दिल्ली में इसकी कीमत 51.50 रुपए घटकर 1580 हो गई है। पहले ये

1631.50 में मिल रहा था। वहीं कोलकाता में ये अब 50.50 रुपए सस्ता होकर 1684 रुपए में मिलेगा।

घरेलू सिलेंडर के दामों में बदलाव नहीं: सिल्वर ज्वेलरी हॉलमार्किंग- चांदी के गहनों के लिए छह शुद्धता ग्रेड तय किए

भारतीय मानक ब्यूरो ने घोषणा की है कि सोने की तरह ही 1 सितंबर से चांदी के गहनों की हॉलमार्किंग की जाएगी। ये गुणवत्ता नियंत्रण में एक बड़ा कदम है।

इस कदम का मकसद पारदर्शिता बढ़ाना है। हॉलमार्किंग से शुद्धता की गारंटी मिलती है। हॉलमार्क साबित करता है कि ज्वेलरी में दी गई चांदी कितनी शुद्ध है। इससे ग्राहक का भरोसा बढ़ता है।

स्वैच्छिक लागू करना: 1 सितंबर से चांदी के गहनों की हॉलमार्किंग स्वैच्छिक होगी, जैसा कि पहले सोने के लिए स्वैच्छिक लागू किया गया था।

शुद्धता के ग्रेड: बीआईएस ने चांदी के गहनों के लिए छह शुद्धता ग्रेड तय किए हैं- 800, 835, 900, 925, 970, और 990।

3. इनकम टैक्स डेडलाइन- 15 सितंबर तक फाइल करना होगा टैक्स: वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करने की आखिरी तारीख 15 सितंबर, 2025 है। मई में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स और प्रोफेशनल बॉडीज की बार-बार मांग के बाद इस डेडलाइन को 31 जुलाई से बढ़ाया गया था। वहीं जिन टैक्सपेयर्स के खातों का ऑडिट जरूरी है।

पॉपुलर कॉम्पैक्ट एसयूवी किगर का फेसलिफ्ट वर्जन लांच

नईदिल्ली। भारतीय बाजार में रेनॉल्ट इंडिया ने अपनी पॉपुलर कॉम्पैक्ट एसयूवी किगर का फेसलिफ्ट वर्जन लॉन्च कर दिया है। नई रेनॉल्ट किगर का बेस वैरिएंट अथेंटिक अब पुराने आरएक्सई से सिर्फ 15,000 रुपये महंगा है, जबकि टॉप-स्पेक इमोशन वैरिएंट की कीमत पिछले मॉडल से केवल 6,000 रुपये ज्यादा है। कंपनी ने कीमतों में मामूली बढ़ोतरी की है, लेकिन फीचर्स और लुक्स के मामले में नई किगर को और ज्यादा आकर्षक व प्रीमियम बना दिया गया है। डिजाइन और फीचर्स के लिहाज से नई किगर पहले से कहीं ज्यादा मॉडर्न और फ्रेश नजर आती है। एक्सटीरियर में नई ग्रिल, अपडेटेड बंपर, स्टाइलिश एलईडी डीआरएल और हेडलैंप दिए गए हैं, जो इसे और ज्यादा स्पोर्टी बनाते हैं।

संक्षिप्त समाचार

आठ साल बाद 2025 में सबसे कम रहा औसत एक्यूआई

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में रहने वालों के लिए थोड़ी राहत भरी खबर है। पिछले आठ सालों में इस साल जनवरी से अगस्त के बीच दिल्ली में औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक(एक्यआई) सबसे कम रहा। जनवरी-अगस्त अवधि के दौरान दिल्ली का औसत एक्यूआई 172 दर्ज किया गया, जबकि इसी अवधि के दौरान यह क्रमश : 2024 में 187, 2023 में 174, 2022 में 194, 2021 में 192, 2020 में 147, 2019 में 199, 2018 में 203 था। सोमवार को वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि इस वर्ष अगस्त माह में 23 'अच्छे-संतोषजनक' दिन थे, जबकि 2018 में 19 दिन, 2019 में 22 दिन, 2020 में 31 दिन, 2021 में 11 दिन, 2022 में 18 दिन, 2023 में 08 दिन तथा 2024 में 29 दिन 'अच्छे-संतोषजनक' थे। अनुकूल मौसम संबंधी परिस्थितियों और विभिन्न हितधारकों के प्रयासों से, अगस्त महीने में दिल्ली का औसत एक्यूआई में भी पिछले कुछ वर्षों में सुधार देखा गया। अगस्त महीने का औसत एक्यूआई क्रमश : 2025 में 89, 2024 में 72, 2023 में 116, 2022 में 93, 2021 में 107, 2020 में 64, 2019 में 86 और 2018 में 111 दर्ज किया गया। 2025 में इस अवधि (जनवरी-अगस्त) में एक भी दिन ऐसा नहीं था जब औसत एक्यूआई 400 (गंभीर या गंभीर+ श्रेणी) से अधिक रहा हो।

डिब्रूगढ़ जेल में बंद सांसद अमृतपाल सिंह डाक मतपत्र से करेंगे उपराष्ट्रपति चुनाव में वोट

चंडीगढ़। भारत के चुनाव आयोग ने असम की डिब्रूगढ़ स्थित केंद्रीय जेल में बंद पंजाब से लोकसभा सांसद अमृतपाल सिंह को उपराष्ट्रपति चुनाव में डाक मतपत्र से मतदान की सुविधा देने संबंधी आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। पंजाब के मुख्य चुनाव अधिकारी ने कहा है कि पंजाब के खडूर साहिब-03 संसदीय क्षेत्र से लोकसभा सांसद अमृतपाल सिंह को उपराष्ट्रपति चुनाव 2025 में मतदान की सुविधा देने संबंधी आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं। आयोग ने राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 के तहत नजरबंद अमृतपाल सिंह को राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति चुनाव नियम, 1974 के नियम 26 के प्रावधानों के अनुसार निर्देश दिया है कि उन्हें मतदान की सुविधा देने के लिए एक डाक मतपत्र (पोस्टल बैलेट पेपर) जारी किया जाए। निर्धारित प्रक्रिया के तहत नजरबंदी के अंतर्गत जेल में बंद मतदाताओं के लिए डाक मतपत्र केवल मतदान के दिन ही उपलब्ध कराए जाते हैं और चिन्हित डाक मतपत्र का सीलबंद लिफ़ाफ़ा मतगणना शुरू होने से पहले रिटर्निंग अफ़सर तक पहुंचना अनिवार्य होता है।

भूपेन्द्र यादव ने सीओपी 30 के अध्यक्ष आंद्रे कोरेया से मुलाकात की

नई दिल्ली। केन्द्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने यहां सोमवार को जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (यूएनएफसीसीसी) के पक्षों का 30वां सम्मेलन (सीओपी30) के मनोनीत अध्यक्ष राजदूत आंद्रे कोरेया डो लागो और उनकी टीम के साथ मुलाकात की। भूपेन्द्र यादव ने इस मुलाकात की जानकारी एक्स पर दी। उन्होंने कहा कि हमने सीओपी 30 के महत्वपूर्ण एजेंडे से संबंधित मामलों पर व्यापक चर्चा की, जिसमें अनुकूलन पर वैश्विक लक्ष्य, निर्धारित योगदान (एनडीसी) की स्थिति और इस वर्ष की आयोजनों की अध्यक्षता पर विशेष ध्यान दिया गया। बातचीत के दौरान उन्होंने सीओपी 30 के प्रतिनिधियों को बताया कि कैसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत अपने समग्र सरकारी दृष्टिकोण के माध्यम से अपने घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय जलवायु कार्रवाई कार्यक्रमों के माध्यम से जलवायु परिवर्तन संकट का मुकाबला कर रहा है। उल्लेखनीय है कि 2025 संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन के पक्षों का सम्मेलन, जिसे आमतौर पर सीओपी 30 के रूप में जाना जाता है।

किसानों की शिकायतों, सुझाव एवं अन्य मदद के लिए एक ही समर्पित पोर्टल रहेगा: शिवराज

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को किसानों से कॉल सेंटर एवं अन्य पोर्टल्स के माध्यम से मिलने वाली शिकायतों के समाधान के संबंध में समीक्षा की। कृषि भवन में हुई बैठक में शिवराज सिंह ने अलग-अलग पोर्टल की जगह किसानों की सुविधा के लिए उनकी शिकायतों, सुझाव तथा अन्य सहायता के लिए एक ही समर्पित पोर्टल बनाने और समस्याओं का जल्द से जल्द समुचित निराकरण करने का निर्देश अधिकारियों को दिया। केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि वे स्वयं नियमित रूप से किसानों से मिली शिकायतों की समीक्षा करेंगे ताकि उन्हें त्वरित राहत प्रदान की जा सकें। किसानों से प्राप्त शिकायतों व हेल्पलाइन नंबर पर आ रही कॉल्स को लेकर केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने गंभीरता दिखाते हुए कहा कि किसानों की समस्याओं के समाधान में कोई देरी नहीं होना चाहिए।

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने नई दिल्ली में कहा

सदन में राजनीतिक लाभ के लिए दिए जाने वाले भाषणों से बहस की गुणवत्ता होती है प्रभावित

नई दिल्ली ■ एजेंसी

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सोमवार को कहा कि सदन में सार्थक बहस की बजाय बाहरी राजनीतिक लाभ के लिए दिए जाने वाले भाषणों से चर्चाओं की गुणवत्ता प्रभावित होती है।

रिजिजू ने दिल्ली विधानसभा के पहले अध्यक्ष चरती लाल गोयल की 98वीं जयंती पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गोयल की विनम्रता से लेकर अनुशासन, निष्पक्षता और समर्पण के बल पर हासिल की गई ऊंचाइयों को याद किया। रिजिजू ने 1993 से दिल्ली विधानसभा के सुचारू संचालन में गोयल की भूमिका और उनके द्वारा स्थापित उच्च मानकों को रेखांकित किया। उन्होंने उनके जीवन की सादगी, ईमानदारी और चुनावी राजनीति से स्वेच्छा से दूर होने के दुर्लभ निर्णय की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे उदाहरण आज की राजनीति में बहुत कम देखने को मिलते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे नेताओं को याद करना केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि लोकसेवा, सामाजिक कल्याण और सहभागी शासन के प्रति अपने संकल्प को नवीनीकृत करने का अवसर है। रिजिजू ने यह भी उल्लेख किया कि पिछले कुछ महीनों में वह तीन बार दिल्ली विधानसभा आए और इस अवसर पर आमंत्रित करने के उन्होंने अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के अवसर उन्हें इस संस्था के समृद्ध इतिहास से जुड़ने और उसकी लोकतांत्रिक परंपराओं को गढ़ने वाले महान नेताओं को श्रद्धांजलि देने का अवसर प्रदान करते हैं। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता, उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट, दिल्ली के महापौर राजा इक़बाल सिंह, गांधी स्मृति के वाइस चेयरमैन एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय गोयल, पूर्व राज्यपाल जगदीश मुखी समेत कई प्रमुख लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर चरती लाल गोयल के जीवन-वृत्त पर आधारित एक विशेष स्मारिका का भी विमोचन किया गया।

केंद्रीय राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा ने अपने संबोधन में चरती लाल गोयल के साथ बिताए पलों को याद करते हुए उन्हें दिल्ली की नब्ज समझने वाले, जनसुनवाई करने वाले एक अभिभावक समान नेता बताया। उन्होंने 1995-96 की अपनी स्मृति साझा की, जब वह दिल्ली प्रिंटर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष थे और छोटे उद्योगों के स्थानांतरण का मुद्दा उठा। गोयल ने उनकी बातें धैर्यपूर्वक सुनीं और संबंधित मंत्री के साथ तत्काल वार्ता कराई, जिसके परिणामस्वरूप बाद में बवाना इंडस्ट्रियल एरिया की स्थापना हुई।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने चरती गोयल को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनकी गरिमामयी छवि, आदर्श आचरण और प्रेरक जीवन हमें यह याद दिलाता है कि सदन की कार्यवाही को शिष्टाचार, परस्पर सम्मान और रचनात्मक संवाद की भावना से संचालित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें अपने आचरण से अपने राजनीतिक विरोधियों का भी सम्मान अर्जित करना चाहिए, जैसा कि गोयल जी ने किया।

अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि चरती लाल गोयल को स्मरण करना केवल औपचारिकता नहीं है, बल्कि यह जनसेवा, सामाजिक कल्याण और सहभागी शासन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को पुनः पुष्ट करने का अवसर है। उन्होंने 1993 से दिल्ली विधानसभा के गठन और 1912 में स्थापित केंद्रीय विधान परिषद से लेकर गोपालकृष्ण गोखले, मदन मोहन मालवीय, लाला लाजपत राय और बिपिनचंद्र पाल जैसे महान नेताओं की विरासत का उल्लेख करते हुए गोयल की प्रेरक जीवन यात्रा का भी वर्णन किया। विजय गोयल ने अपने पिता की स्मृतियों को साझा करते हुए कहा कि उनका जीवन सादगी, अनुशासन और निःस्वार्थ सेवा का प्रतीक था। उन्होंने गोयल के चुनाव टिकट से जुड़े हास्यपूर्ण और भावनात्मक प्रसंग सुनाए और कहा कि यह कार्यक्रम हमें माता-पिता और उनके सिद्धांतों को कभी न भूलने की याद दिलाता है। विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा कि विधानसभा युद्ध का नहीं संवाद का स्थान है, यहां सत्ता और विपक्ष दोनों जरूरी होते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में चरती लाल गोयल द्वारा प्रदर्शित नैतिकता, ईमानदारी और लोकतांत्रिक मूल्यों का प्रकाश सभी नेताओं के लिए मार्गदर्शक है। दिल्ली के वरिष्ठ नेता लाल बिहारी तिवारी, कांग्रेस नेता किरण वालिया, रमाकांत गोस्वामी और मुकेश शर्मा ने भी चरती लाल गोयल को अपनी श्रद्धांजलि दी। इसके साथ पहली दिल्ली विधानसभा के सदस्यों ने स्वर्गीय चरती लाल गोयल के साथ अपने अनुभवों और उनके व्यक्तित्व के बारे में अपने विचार साझा किए।

महाशक्तियों की तिकड़ी: तियानजिन से आई तस्वीरें उड़ा रहीं ट्रंप की नींद

तियानजिन ■ एजेंसी

चीन से कुछ ऐसी तस्वीरें आई हैं तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नींद उड़ा सकती हैं। ट्रंप का टैरिफ कार्ड फेल होने के बाद परेशान हैं और ये तीन महाशक्तियों को देखकर और ज्यादा परेशान होंगे। चीन के तियानजिन शहर में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) समिट चल रहा है। इस बीच सोमवार को एक बड़ी तस्वीर देखने को मिली, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की तिकड़ी ने एससीओ मंच पर आगे बढ़कर, मुस्कुराते हुए एक दूसरे से हाथ मिलाए। थोड़ी देर तक तीनों नेता मुस्कुराते रहे और तीनों एक-दूसरे की बात सुनते रहे।

चीन के तियानजिन से आई यह तस्वीर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को परेशान कर सकती है, जिन्होंने भारत पर 50 फीसदी का टैरिफ बम फोड़ा है। 25वें शिखर सम्मेलन की औपचारिक शुरुआत रविवार रात शी जिनपिंग द्वारा आयोजित एक भव्य भोज के साथ हुई। इसमें प्रधानमंत्री मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन समेत अन्य नेता भी शामिल हुए।

इस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संगठन के अन्य नेताओं के साथ मिलकर इस समूह की भावी दिशा तय करने के लिए एक दिवसीय शिखर सम्मेलन में विचार-विमर्श शुरू किया है। भारत समेत दुनियाभर के देशों पर ट्रंप के भारी-भरकम टैरिफ टेंशन के बीच अब सबकी निगाहें एससीओ शिखर सम्मेलन और इसके बड़े नेताओं की मीटिंग पर है। लोग इस बात का इंतजार कर रहे हैं कि एससीओ के देश क्या तय करते हैं। इस वर्ष का शिखर सम्मेलन एससीओ समूह का सबसे बड़ा शिखर सम्मेलन बताया गया है, क्योंकि इस वर्ष एससीओ के अध्यक्ष चीन ने एससीओ प्लस शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस सहित 20 विदेशी नेताओं और 10 अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुखों को आमंत्रित किया है। सोमवार को विभिन्न नेता बैठक को संबोधित करेंगे तथा संगठन के लिए अपने भविष्य के दृष्टिकोण को प्रस्तुत करेंगे।

झारखंड में जेजेएमपी के नौ उग्रवादियों ने किया आत्मसमर्पण

लातेहार। झारखंड के लातेहार जिला समाहरणालय सभागार में सोमवार को झारखंड जनमुक्ति परिषद (जेजेएमपी) से संबंध रखने वाले नौ (09) नक्सलियों ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। उन्होंने भारी मात्रा में हथियार और जिंदा कारतूस भी पुलिस प्रशासन को सौंपे। जेजेएमपी से जुड़े जिन नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया, उनमें पांच लाख के इनामी चार उग्रवादी, संगठन का सुप्रीमो रविंद्र यादव, सब जोनल कमांडर अखिलेश यादव, बलदेव गंझु, मुकेश राम तथा तीन लाख का ईनामी पवन उर्फ राम प्रसाद महतो, एरिया कमांडर राजू राम, विजय यादव, श्रवण सिंह और मुकेश गंझु शामिल हैं।

स्थानीय स्तर पर बाढ़ जोखिम प्रबंधन योजनाएं बनाने पर रहना चाहिए जोर: सीईईडब्ल्यू

नई दिल्ली ■ एजेंसी

दिल्ली में लगातार हो रही बारिश और हथिनीकुंड बैराज से छोड़े जा रहे पानी के कारण एक बार फिर बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। आज सुबह 9 बजे हथिनीकुंड बैराज से 3 लाख 29 हजार 313 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। यह पानी जब यह दिल्ली पहुंच जाएगा तो उस समय बाढ़ जैसे हालात पैदा हो सकती है। इस बाढ़ की स्थिति के मद्देनजर विशेषज्ञ कई उपाय सुझा रहे हैं जिसमें से बाढ़ के हॉटस्पॉट को चिन्हित करने और आवश्यक कदमों की प्राथमिकता निर्धारित करने के लिए शहर या स्थानीय स्तर पर बाढ़ जोखिम प्रबंधन योजनाएं बनाने पर जोर दिया गया है। सोमवार को बाढ़ की स्थिति पर विज्ञप्ति जारी करते हुए कार्उसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वॉटर (सीईईडब्ल्यू) के फेलो नितिन बस्सी ने कहा कि इस साल मानसून में, यमुना दिल्ली के पुराने रेलवे पुल पर 205.33 मीटर के खतरे के निशान को पहले ही तीन बार पार कर चुकी है। अनुमान है कि 2 सितंबर की देर शाम तक यह 206 मीटर तक पहुंच जाएगी, क्योंकि हथनीकुंड बैराज से छोड़ा गया 3 लाख क्यूसेक से अधिक पानी अगले 48 घंटों के भीतर दिल्ली के वजीराबाद पहुंचने की उम्मीद है। जुलाई और अगस्त में अधिक बारिश और पश्चिमी हिमालय में भूमि उपयोग में बदलाव के कारण मानसून के दौरान यमुना में पानी बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में पहले से ही जलभराव और स्थानीय बाढ़ की समस्या है, इसलिए हमें अपनी तैयारी को और बेहतर बनाने की जरूरत होगी। ठाणे और नवसारी में किए गए बाढ़ जोखिम प्रबंधन नियोजन से मिली कार्उसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वॉटर (सीईईडब्ल्यू) की जानकारियों के अनुसार बाढ़ के हॉटस्पॉट को चिन्हित करने और आवश्यक कदमों की प्राथमिकता निर्धारित करने के लिए शहर या स्थानीय स्तर पर बाढ़ जोखिम प्रबंधन योजनाएं बनाने, बाढ़ के मैदानों पर निर्माण गतिविधियों को रोकने व अवैध कब्जों को हटाने के लिए भूमि उपयोग नियमों को बेहतर ढंग से लागू करने, स्थानीय जल निकासी व्यवस्था को बाधित होने से बचाने के लिए ठोस कचरा प्रबंधन नीतियों को लागू करने, और बाढ़ के अतिरिक्त पानी को सोख सकने वाले शहरी ग्रीन व ब्लू स्थानों को फिर से जीवित करने जैसे कदम उठाने जरूरी हैं।

गृहमंत्री शाह ने पंजाब के मुख्यमंत्री व राज्यपाल से ली बाढ़ पर रिपोर्ट, दिया मदद का आश्वासन

अब तक 1312 गांव हो चुके हैं बाढ़ से प्रभावित

चंडीगढ़ ■ एजेंसी

पंजाब के नौ जिलों में बाढ़ आने के बाद केन्द्रीय गृह मंत्रालय भी सतर्क हो गया है। सोमवार को गृहमंत्री अमित शाह ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान तथा पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया से फोन पर बात करके बाढ़ के संबंध में रिपोर्ट ली। शाह ने आश्वासन दिया कि बाढ़ से निपटने के लिए हर संभव मदद की जाएगी।

पंजाब में इस समय फाजिल्का, फिरोजपुर, कपूरथला, पठानकोट, तरनतारन, होशियारपुर, मोगा, गुरदासपुर और बरनाला बाढ़ की चपेट में हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार अब तक 1312 गांव बाढ़ से प्रभावित हो चुके हैं। गृहमंत्री से फोन पर हुई बातचीत के दौरान राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने उन्हें मौजूदा हालात और बाढ़ प्रभावित लोगों के बचाव व राहत कार्यों के लिए प्रशासन के उठाए गए कदमों की जानकारी दी। बारिश से जालंधर व लुधियाना जिलों के कई इलाकों में 2 से 3 फीट तक पानी भर चुका है। लुधियाना में 4 गाड़ियों पर दीवार गिर गई। इससे गाडियां क्षतिग्रस्त हो गई हैं।अमृतसर के घोनेवाला में धुस्सी बांध टूटने से आसपास का 15 किलोमीटर का इलाका बाढ़ की चपेट में आ गया है। अब पानी राजासांसी के गांवों को भी चपेट में लेने लगा है, जिसके बाद से प्रशासन अलर्ट पर है।

पंजाब में बाढ़ को लेकर बॉलीवुड एक्टर संजय दत्त ने चिंता व्यक्त की है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर लिखा कि पंजाब में आई बाढ़ से हुई तबाही वाकई दिल तोड़ देने वाली है। प्रभावित सभी लोगों के लिए मैं ताकत और दुआएं भेज रहा हूं। मैं हर संभव तरीके से मदद करूंगा। बाबा जी सब पर कृपा करें और पंजाब की रक्षा करें।

दुनिया की पहली फ्लाइंग कार तैयार, मिल चुके है हजारों आर्डर

वाशिंगटन ■ एजेंसी

अमेरिका की स्टार्टअप कंपनी अलेफ ने दुनिया की पहली फ्लाइंग कार तैयार कर ली है, जिसे लेकर दुनिया भर में उत्साह का माहौल है। कंपनी को लॉन्च से पहले ही हजारों प्री-ऑर्डर मिल चुके हैं। आने वाले वर्षों में यह कार परिवहन व्यवस्था को पूरी तरह बदल सकती है। कंपनी पिछले एक दशक से इस मिशन पर काम कर रही है। अब उसका पहला लक्ष्य मॉडल जीरो अल्ट्रालाइट लॉन्च करना है। इसके बाद क्रमश: अन्य मॉडल्स पेश किए जाएंगे और अंतत: कमर्शियल उपयोग के लिए मॉडल ए को बाजार में उतारा जाएगा। कार की टेस्टिंग के लिए कंपनी ने सिलिकॉन वैली के दो प्रमुख एयरपोर्ट्स हॉलिस्टर और हाफ मून बे से समझौता किया है। यहां इसकी उड़ान की सुरक्षा और क्षमता का परीक्षण किया जाएगा। कंपनी ने पहले एक प्रमोशनल वीडियो जारी किया था, जिसमें इसकी झलक दिखाई गई। अब अल्ट्रालाइट मॉडल को वास्तविक उड़ानों के बीच टेस्ट किया जाएगा ताकि पता लगाया जा सके कि यह हवा में मौजूद अन्य एयरक्राफ्ट्स के साथ कितनी सुरक्षित और प्रभावी तरीके से तालमेल बैठा सकता है। अलेफ की आधिकारिक वेबसाइट पर दी जानकारी के अनुसार, मॉडल ए सबसे पहले बाजार में उतारा जाएगा।

यह सड़क पर चलने के साथ-साथ हवा में उड़ने की क्षमता रखता है। यह अल्ट्रालाइट श्रेणी में आता है, जिसका अर्थ है कि इसे उड़ाने के लिए किसी विशेष कानूनी सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं होगी। हालांकि, कुछ शर्तें लागू होंगी जैसे इसे केवल दिन में उड़ाया जा सकता है और घनी आबादी वाले क्षेत्रों के ऊपर उड़ान की अनुमति नहीं होगी। यह कार पूरी तरह इलेक्ट्रिक होगी और आधुनिक बैटरी तकनीक से लैस होगी।

ऑस्ट्रेलिया। ऑस्ट्रेलिया में भारतीय प्रवासियों के खिलाफ वहां के कट्टर पंथी संगठनों द्वारा हिंसक प्रदर्शन किये जा रहे हैं। जिसके कारण भारतीय समुदाय भयाक्रांत है। यूरोप के देशों में भी अब इसी तरह की घटनाएं देखने को मिलने लगी हैं। जो भारतीय समुदाय के लिए चिंता का कारण बन गई हैं। सिडनी, मेलबर्न, ब्रिस्बेन, कैनबरा, एडिलेड, पर्थ और होबार्ट में लगातार भारतीय समुदाय के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन हो रहे हैं। मार्च फॉर ऑस्ट्रेलिया नामक समूह द्वारा इमीग्रेशन विरोधी रैलियां आयोजित की जा रही है। इस समूह का कहना है, पिछले 5 साल में जितने भारतीय ऑस्ट्रेलिया में आए हैं। उतने 100 साल में नहीं आए थे। यह प्रदर्शनकारी जगह-जगह पर हिंसक प्रदर्शन करते हैं। मेलबर्न में पिछले दिनों जो हिंसा भडकी थी। पुलिस ने वहां 6 लोगों को गिरफ्तार किया था। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बेटन का भी इस्तेमाल पुलिस को करना पड़ा था।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कृषि क्षेत्र की देशभर की स्थिति की समीक्षा की

राज्यों में बाढ़ के मद्देनजर शिवराज ने नुकसान की जानकारी ली

नई दिल्ली ■ एजेंसी

देश के कई राज्यों में हो रही बारिश के कारण बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। बाढ़ ने किसानों की मुसीबतों को बढ़ा दी है। सोमवार को केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कृषि क्षेत्र की देशभर की स्थिति की समीक्षा के साथ पंजाब में बाढ़ से हुए नुकसान की जानकारी ली।

कृषि भवन में सोमवार को आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में शिवराज सिंह ने पंजाब के कुछ इलाकों में आई बाढ़ व फसलों पर इसके असर के बारे में भी वरिष्ठ अधिकारियों से जानकारी हासिल की। शिवराज सिंह ने कहा कि पंजाब के किसान भाई-बहन बिल्कुल चिंता नहीं करें, केंद्र सरकार प्राकृतिक आपदा के इस संकट में पूरी तरह प्रभावित किसानों के साथ खड़ी हुई हैं। शिवराज सिंह ने कहा कि वे आगामी दिनों में पंजाब के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर स्थिति का रूबरू जायजा लेने के साथ ही मौके पर पीड़ित किसानों से भी मिलेंगे और उन्हें हरसंभव मदद की जाएगी।

बैठक में केंद्रीय कृषि सचिव डा. देवेश चतुर्वेदी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने देशभर में कृषि क्षेत्र की स्थिति को लेकर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह को विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान बताया गया कि खरीफ बुवाई क्षेत्रफल में पिछले वर्ष के मुकाबले आशाजनक वृद्धि हुई है। खाद्यान्न फसलों के साथ ही बागवानी क्षेत्र की प्रगति के बारे में भी केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने जानकारी ली। विशेषकर आलू, प्याज और टमाटर के उत्पादन की स्थिति और कीमतों के बारे में उन्होंने जानकारी हासिल की। बैठक में अधिकारियों ने विभिन्न राज्यों में हो रही बारिश और जलाशयों की स्थिति के बारे में भी बताया, जिसमें कहा गया कि कई राज्यों में इस वर्ष औसत से अधिक बारिश हुई, जो फसलों के लिए लाभदायक स्थिति है। अच्छी बारिश से जलाशय लबालब हैं। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए कि खाद्यान्न फसलों के साथ ही किसानों को बागवानी सहित इंटीग्रेटेड फार्मिंग के लिए प्रोत्साहित किया जाएं, ताकि किसानों को अधिक लाभ हो सकें। भविष्य की मांग के मद्देनजर हमें खेतों में अनाज के साथ अन्य वैकल्पिक उपायों से कृषि क्षेत्र का समग्र विकास करना होगा। बागवानी और इंटीग्रेटेड फार्मिंग इस दिशा में कारगर उपाय है। उन्होंने इंटीग्रेटेड फार्मिंग मॉडल के किसानों के बीच व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए भी निर्देशित किया।

संक्षिप्त समाचार

जीतू पटवारी पर हमले को लेकर कांग्रेस की शिकायत

हरदा। हरदा में जिला कांग्रेस अध्यक्ष ने सोमवार को एडिशनल एसपी अमित मिश्रा को पुलिस महानिदेशक के नाम ज्ञापन दिया। इसमें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी को सुरक्षा देने की मांग की गई। कांग्रेस जिलाध्यक्ष मोहन विश्नोई ने बताया कि 31 अगस्त को रतलाम में पटवारी पर अज्ञात लोगों ने हमला किया था। पहले भी उन पर ऐसे हमले हो चुके हैं। कांग्रेस का कहना है कि प्रदेश में नशे का कारोबार लगातार बढ़ रहा है। पटवारी नशे के खिलाफ लगातार आवाज उठा रहे हैं। इसी वजह से उन पर हमले हो रहे हैं। कांग्रेस ने यह भी आरोप लगाया कि नशे के कारोबारियों के भाजपा नेताओं के साथ फोटो सोशल मीडिया पर वायरल होती रहती हैं। इससे साफ है कि आरोपियों को राजनीतिक संरक्षण मिल रहा है। इसी कारण वे खुलेआम हमला करने की हिम्मत कर रहे हैं। ज्ञापन में नशे के फैलते कारोबार को रोकने की भी मांग की गई। इस मौके पर हेमंत टाले, गोविंद व्यास, अमर रोचलानी समेत कई कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हरदा में 27 साल के युवक ने की आत्महत्या

हरदा। हरदा के सिविल लाइन थाना क्षेत्र के ग्राम बुंदड़ा में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां 27 साल के मुरलीधर नागेश ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक दो छोटे बच्चों का पिता था। सोमवार सुबह जब मृतक की मां दूध लेने के लिए उठीं, तो उन्होंने अपने बेटे को फंदे पर लटका देखा। मां की चीख पुकार सुनकर परिवार के बाकी लोग पहुंचे। परिजनों ने इसके बाद पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के पिता आशाराम नागेश ने बताया कि उनका बेटा हरदा में अपने साले की कपड़े की दुकान पर काम करता था। उसने सैलरी एडवांस के करीब 55 हजार रुपए अपने साले से लिए थे। रविवार को ससुराल पक्ष के लोग घर आए और रुपयों की मांग को लेकर धमकी देकर गए थे। परिवार ने रुपए लौटाने का आश्वासन दिया था।

सनाढ्य ब्राह्मण समाज में नई कार्यकारिणी का गठन

हरदा। हरदा के गोलापुरा मोहल्ले स्थित श्रीराम मंदिर में रविवार रात सनाढ्य ब्राह्मण समाज की बैठक हुई। मंदिर निर्माण समिति के संरक्षक उमेश तिवारी ने बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में पूर्व कार्यकारिणी का कार्यकाल समाप्त होने के बाद नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। सर्वसम्मति से संजय पस्टारिया को जिलाध्यक्ष चुना गया। राहुल उपमन्यु को युवा संगठन का अध्यक्ष बनाया गया। समाज के सदस्यों ने कई महत्वपूर्ण संकल्प लिए। इनमें समाज की एकता बनाए रखना और बच्चों को बेहतर शिक्षा प्रदान करना शामिल है। साथ ही निर्माणाधीन मंदिर के बचे हुए कार्य को जल्द पूरा करने का निर्णय लिया गया।

नर्मदापुरम मे विगत वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष सड़क दुर्घटनाओं में हुई वृद्धि

नर्मदापुरम में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने पुलिस अधीक्षक सड़क पर उतरे

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

पुलिस अधीक्षक डॉ गुरकरन सिंह द्वारा घटनाओं की समीक्षा करने पर पाया गया कि सड़क दुर्घटनाएं मुख्यत: सिवनीमालवा से पिपरिया, सांडिया से मटकुली और पुराना ह॥69 मीनाक्षी चौक से इटारसी के मध्य घटित हो रही है और इन में ही मुख्यत: वृद्धि हुई है । यातायात पुलिस द्वारा घटना समय और घटना स्थल के अनुसार दुर्घटना बहुल क्षेत्रों को चिन्हित किया गया। पुलिस अधीक्षक ने समीक्षा में दुर्घटनाओं का मुख्य कारण तेज गति और लापरवाही होना पाया जाने पर उन सड़को पर जहां दुर्घटना ज्यादा हो रही थी गति नियंत्रित करने हेतु रेडियम लगे सुस्पष्ट ड्रम के जिग जैग बैरियर लगाने के निर्देश दिए थे जिसके पालन में थाना प्रभारी द्वारा कार्यवाही की जा रही है ।

आज पुलिस अधीक्षक डॉ गुरकरन सिंह ने हरदा सीमा तक के दुर्घटना बहुल क्षेत्रों का अवलोकन किया। रसूलिया रोड से पंखी तिराहा होते हुए थाना देहात, डोलरिया, सिवनी मालवा और शिवपुर

थाने के स्थलों का अवलोकन किया।

सड़क दुर्घटना में कमी लाने हेतु तात्कालिक उपाय करने हेतु आवश्यक निर्देश थाना प्रभारी देहात निरीक्षक सौरभ पांडेय, थाना प्रभारी डोलरिया उनि खुमान सिंह पटेल, सिवनी मालवा थाना प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार दुबे और शिवपुर थाना प्रभारी उनि विवेक यादव को मौके पर दिए।

भ्रमण के दौरान उप पुलिस अधीक्षक यातायात संतोष मिश्रा और एसडीओपी महेंद्र सिंह चौहान साथ रहे । दीर्घकालिक उपाय के बिंदुओं पर भी चर्चा की गई और सड़क इंजीनियरिंग से संबंधित बिंदुओं को चिन्हित किया जा कर सुधार, सड़क पर गड्ढों, रेडियम पेंट, शोल्डर भरवाने, साइनेज लगाने और ब्लाइंड स्पॉट के परिशोधन हेतु संबंधित सड़क निर्माण एजेंसी से पत्र व्यवहार करने के निर्देश डीएसपी यातायात संतोष मिश्रा को दिए गए। पुलिस अधीक्षक डॉ गुरुकरन सिंह ने बताया कि अन्य सड़कों का डेटा संग्रह कर समीक्षा की गई है उनका भी शीघ्र भ्रमण कर आवश्यक सुधार के प्रयास किए जाएंगे।

पुलिस अधीक्षक द्वारा आज हरदा जिले की सीमा तक के सड़क दुर्घटना बहुल क्षेत्रों का अवलोकन किया गया है, सड़क सुरक्षा की दृष्टि से सड़क निर्माण एजेंसी मप्र सड़क विकास निगम को आवश्यक सुधार हेतु आदेशानुसार पत्र लिखा जाएगा। सड़क दुर्घटनाओं में रोकथाम हेतु जागरूकता अभियान, चालानी कार्यवाही के साथ सड़क सुधार हेतु पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में प्रयास जारी हैं

मास्टर प्लान की सड़क से अतिक्रमण हटाने के विरोध में

चक्कर रोड पर रहवासियों ने किया प्रदर्शन, जेसीबी से तोड़ी तार-फेंसिंग

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

शहर में चक्कर रोड चौराह सेमी रिटर्न स्कूल सड़क पर हुए अतिक्रमण हटाने को लेकर सोमवार विरोध प्रदर्शन हुआ। सड़क से जुड़ी कालोनियों में रहने वाले करीब 200 लोगों ने मास्टर प्लान की प्रस्तावित सड़क पर अतिक्रमण कर लगाई तार फैंसिंग को हटाने का विरोध किया। करीब एक घंटे तक विरोध प्रदर्शन चला।

नगर पालिका प्रशासन के खिलाफ लोगों ने नारेबाजी भी की। जिसके रहवासियों ने जेसीबी बुलाकर तार फेंसिंग को तुड़वा दिया। इस दौरान नगर पालिका, राजस्व और पुलिस विभाग की तरफ से कोई भी नहीं पहुंचा। प्रदर्शन के दौरान नगरपालिका अध्यक्ष पति, विधायक प्रतिनिधि महेंद्र यादव, बिल्डर लक्ष्मण बैस, भाजपा नेता पार्हदपति हंस राय भी मौजूद रहे।

रहवासियों का आरोप है कि वर्ष 2005 से अब तक के मास्टर प्लान में चक्कर रोड चौराहे से कुलामड़ी और बड़ी पहाड़िया तक 24 मीटर (78 फीट) चौड़ी सड़क प्रस्तावित थी। नपा ने इसे सिर्फ 5.50 मीटर (18 फीट) चौड़ी बनाई। सड़क के दोनों ओर 12-12 मीटर (39-39 फीट) में निर्माण प्रतिबंधित है। इसके बावजूद दोनों ओर अवैध निर्माण हो गए। कई जगह सड़क की चौड़ाई घटकर 4 मीटर रह गई। नपा ने सड़क किनारे बोर्ड लगाए हैं, जिनमें 12-12 मीटर छोड़कर निर्माण की बात लिखी है।

बावजूद सड़क से सटे तक लोगों ने कब्जा कर रखा है, जिससे लोगों को सड़क से निकलने में दिक्कत होती है। पहले भी स्थानीय लोगों ने सड़क चौड़ी करने की मांग की गई थी, लेकिन समाधान नहीं हुआ। सड़क छोटी होने से समस्या हो थी।

इसलिए सोमवार दोपहर में कुलामढ़ी रोड स्थित ईटन पार्क, मिनेश विहार, सनसिटी, डिवाइन सिटी, ग्लोबलनेस समेत 4-5 कॉलोनियों के रहवासियों ने पहुंचकर प्रदर्शन और नारेबाजी की। सेमीरिटर्न स्कूल सड़क के पास सड़क किनारे लगी तार फेंसिंग को लोगों ने जेसीबी से तुड़वा दिया।

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में खत्म हुआ हाथी महोत्सव 8 दिन तक दावत और आराम, अब काम पर लौटेंगे सभी 7 हाथी

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

जिले के सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में रविवार को 8 दिन चला हाथी महोत्सव खत्म हो गया। 24 अगस्त से शुरू हुए इस पुनर्यौवनीकरण शिविर में हाथियों को केवल आराम कराया गया और उनकी पसंदीदा दावत परोसी गई। सोमवार से सभी 7 हाथी फिर से अपने काम पर लौटेंगे। समापन अवसर पर अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य प्राणी) एल. कृष्णमूर्ति पहुंचे। इस दौरान 7 हाथियों के महावत और चारा कटरों को प्रशस्ति पत्र, वर्दी, हेलमेट, जूते, प्रेशर कुकर, बैग, मोबाइल पाउच और रेनकोट देकर सम्मानित किया गया।

8 दिन तक मिला पूरा आराम: फील्ड डायरेक्टर राखी नंदा ने बताया कि महोत्सव मढ़ई में लगाया गया था। इस दौरान न तो हाथियों से कोई काम लिया गया और न ही जंगल भ्रमण कराया गया। उन्हें गन्ना, केला, गुड़, नारियल, पपीता, चना और रोटी जैसी पसंदीदा चीजें खिलाई गईं।

रोजाना स्नान और मालिश, डॉक्टर ने जांची सेहत: हाथियों को रोज नदी में स्नान कराया गया और नीम तेल से पैर व सिर की मालिश की गई। डॉक्टर गुरुदत्त शर्मा ने महोत्सव के दौरान हाथियों की सेहत की जांच की। समापन कार्यक्रम में क्षेत्र संचालक राखी नंदा, वनमंडलाधिकारी नर्मदापुरम मयंक गुर्जर, उप संचालक ऋषिभा नेताम, एसडीओ अंकित जामोद और रेंजर राहुल उपाध्याय समेत पूरा वन विभागीय स्टाफ मौजूद रहा।

नर्मदापुरम जिले के किसानों ने सीखी मखाना की खेती एवं प्रसंस्करण तकनीक

नर्मदापुरम। उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग, जिला नर्मदापुरम के 30 किसानों का दल मखाना की खेती, प्रसंस्करण एवं विपणन तकनीक सीखने हेतु बिहार राज्य के दरभंगा एवं पूर्णिया भेजा गया। किसानों ने इस दौरान मखाना उत्पादन, नवीन किस्मों, प्रसंस्करण एवं मार्केटिंग संबंधी विस्तृत जानकारी प्राप्त की। गत दिवस किसानों ने राष्ट्रीय अनुसंधान केंद्र मखाना, दरभंगा का भ्रमण किया। यहां वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. मनोज कुमार ने मखाना उत्पादन की विधि पर विस्तार से जानकारी दी। तत्पश्चात प्रमुख वैज्ञानिक एवं इंचार्ज डॉ. इंदु शेखर सिंह ने मखाना से संबंधित अनुसंधान, नवीन किस्मों, प्रति हेक्टेयर लागत एवं उत्पादन की जानकारी प्रदान की। वहीं डॉ. राहुल कुमार ने मखाना के प्रसंस्कृत उत्पादों से किसानों को अवगत कराया।

सीएम का पुतला दहन करते वक्त पुतले को लेकर पुलिस और कांग्रेसियों में छीना झपटी

इटारसी ■ निसं

रतलाम में वोट अधिकार यात्रा के दौरान जीतू पटवारी पर हुए कथित हमले के विरोध में सोमवार को इटारसी में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। जयस्तंभ चौक पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री मोहन यादव का पुतला दहन कर बीजेपी और मोहन सरकार के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया।

प्रदर्शन के दौरान, कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नारे लगाए। इस दौरान पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच पुतला दहन को लेकर तीखी नोकझोंक और खींचतान भी हुई। पुलिस ने पुतला जलाने से रोकने का प्रयास किया, लेकिन कार्यकर्ताओं ने उसे आग लगा दी।

पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद कार्यकर्ताओं से पुतला छीनकर उसे पानी डालकर बुझा दिया। कांग्रेस पार्टी ने इस घटना की घोर निंदा करते हुए मुख्यमंत्री और बीजेपी सरकार पर निशाना साधा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शन में जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवाकांत पांडेय और नगर कांग्रेस अध्यक्ष मयूर जैसवाल सहित अनेक पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नर्मदापुरम बाजार में चार प्रकरण दर्ज, व्यापारियों से सत्यापन कराने की अपील

त्यौहारी सीजन को दृष्टिगत रखते हुए नापतौल विभाग की सघन कार्यवाही

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

कमिश्नर नर्मदापुरम संभाग कृष्ण गोपाल तिवारी के निर्देशानुसार विधिक मापविज्ञान (नापतौल) विभाग द्वारा नर्मदापुरम जिले में सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। विभाग के प्रभारी सहायक नियंत्रक सलिल ल्यूक एवं आशीष वास्तव के नेतृत्व में नर्मदापुरम बाजार की मिठाई दुकानों, किराना दुकानों एवं हार्डवेयर प्रतिष्ठानों में नापतौल उपकरणों एवं पैकेटबंद सामग्री की जांच की गई। इस दौरान चार प्रकरण दर्ज किए गए।

अधिकारियों ने बताया कि त्योहारी सीजन को ध्यान में रखते हुए अब प्रतिदिन बाजार की मिठाई, किराना एवं हार्डवेयर दुकानों में नापतौल उपकरणों एवं पैकेटों की जांच की जा रही है। पैकेटों पर अंकित वजन एवं विवरण की भी बारीकी से जांच की जा रही है, ताकि उपभोक्ताओं को निर्धारित मानक के अनुसार ही सामग्री प्राप्त हो।

नापतौल अधिकारी ने समस्त व्यापारियों से अपील की है कि वे अपने प्रतिष्ठानों में उपयोग किए जा रहे सभी नापतौल उपकरणों का अनिवार्य रूप से सत्यापन कार्य सितंबर माह में करा लें। उन्होंने कहा कि बिना सत्यापन किए नापतौल उपकरणों का उपयोग करना दंडनीय अपराध है।

नपा का एक पेड़ मां के नाम अभियान जारी

राज्यसभा सांसद संग नपाध्यक्ष ने किया पौधरोपण

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

नगरपालिका द्वारा आयोजित एक पेड़ मां के नाम अभियान तथा अमृत हरित महाभियान के तहत नगर के समस्त वार्डों में पौधरोपण अभियान चलाया जा रहा है। सोमवार को राज्यसभा सांसद माया नारोलिया एवं नगरपालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव द्वारा वार्ड क्रमांक 13 की पार्षद वर्षा भंडारी के वार्ड में पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधरोपण किया गया। सिटी मैनेजर दिव्या मिश्रा ने बताया कि पौधरोपण कार्यक्रम में पार्षद प्रतिनिधि अतुल भंडारी, अमित शर्मा, मंडल अध्यक्ष रूपेश राजपूत, उपयंत्री रीना गुप्ता सहित अनेक वार्डवासी उपस्थित थे।

कार्यक्रम में नपाध्यक्ष श्रीमती यादव ने नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि पौधरोपण कर हम मां धरती का श्रंगार करते रहेंगे तो आने वाली पीढ़ी के लिए यह उपहार स्वरूप होगा। सभी को पौधरोपण अवश्य करना चाहिए।

स्वदेशी उत्पाद अपनाओ अभियान, कलचुरी समाज की महिलाओं ने लिया संकल्प

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

कलचुरी सोशल क्लब की मासिक बैठक स्थानीय निजी रेस्टोरेंट में हुई। इसमें सभी महिलाओ ने विघ्न विनाशक श्री गणेश देवता की पूजन अर्चन कर सभी के सुख समृद्धि की कामना की एवं पुष्पा चौकसे एवं संजू मालवीय ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया।

इस अवसर पर स्वदेशी जागरण का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। कलचूरी सोशल ग्रुप की संयोजिका मोनिका चौकसे ने स्वदेशी उत्पादों की लिस्ट तैयार करवा कर ग्रुप सदस्यों को वितरण की और सभी से कहां कि हम सभी स्वदेशी उत्पादों का प्रयोग करें एवं विदेशी उत्पादन का बहिष्कार करें। सभी ने मिलकर संकल्प लिया कि हम स्वदेशी वस्तुएं ही अपनाएंगे। इस अवसर पर मोनिका चौकसे, भारती चौकसे, आरती चौकसे, राखी चौकसे, शोभा चौकसे, रश्मि चौकसे, पदमा चौकसे, ममता चौकसे, शशि चौकसे, कांता चौकसे, ज्योति चौकसे, कविता चौकसे, रानू चौकसे, कल्पना चौकसे, स्वाती चौकसे जया राय, मंजू मालवीय आदि उपस्थित रही।

नगरपालिका की टीम ने संभाला बाजार क्षेत्र में मोर्चा, 12 घंटे से अधिक चलाया स्वच्छता अभियान

नालों ने उगली पालिथिन, थर्माकोल और प्लास्टिक की वस्तुएं, फर्सियां भी टूटकर गिरी

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

रविवार को हुई अचानक मूसलाधार बारिश से जहां हर क्षेत्र जलमग्न हो गया वहीं बाजार क्षेत्र में जल भराव की समस्या से निपटने के लिए नगरपालिका द्वारा विशेष टीम को उतारा गया। जेसीबी, पोकलेन और स्वच्छता दूतों की टीमों ने सोमवार को सुबह 06 सुबह बजे से शाम 6 बजे तक तीव्रगति से स्वच्छता अभियान चलाया। इस दौरान नाले नालियों से भारी मात्रा में कचरा और गाद निकाला गया।

स्वच्छता निरीक्षक अनुराग तिवारी ने बताया कि नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देश पर बाजार क्षेत्र में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। चैंबर्स को

हटाकर उनकी सफाई कराई गई। इस दौरा नाले नालियों से भारी मात्रा में पालिथिन, थर्माकोल तथा प्लास्टिक की वस्तुएं निकाली गई जो नाले नालियों के जल निकासी मार्ग में फंसकर जल भराव की समस्या उत्पन्न कर रही थी।

फर्सियां गिरकर फंसी : तिवारी ने बताया कि सोमवार जब स्वच्छता अभियान चलाया गया तो नाले नालियों में लगी फर्सियां गिरकर फंस गई थी जिन्हें जेसीबी की मदद से निकाला गया और जलनिकासी की व्यवस्था की गई। लगातार हम बाजार क्षेत्र का निरीक्षण कर रहे हैं। लोगों को कचरा सड़क पर न फैंकने के लिए कह रहे हैं।

दो बार बाजार में जाता है कचरा वाहन

श्री तिवारी ने बताया कि नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले द्वारा व्यापारीगणों की मांग पर बाजार क्षेत्र में दो बार कचरा वाहन भेजा जा रहा है। जिससे कि व्यापारीगणों के प्रतिष्ठान से निकलने वाले कचरे को समुचित निपटान किया जा सके।

चला रहे हैं जागारूकता अभियान

स्वच्छता निरीक्षक श्री तिवारी ने बताया कि बाजार क्षेत्र में अमानक स्तर की पन्नी, पालिथिन और अपशिष्ट वस्तुओं उपयोग कर डस्टबिन में रखने तथा कचरा वाहन आने पर उसी में डालने के लिए जनजागरूकता अभियान चला रहे हैं। साथ ही कचरा फैंकने वालों को समझाइश देने तथा जुर्माने की कार्रवाई कर रहे हैं। बाजार क्षेत्र में चल रहे स्वच्छता अभियान को लेकर व्यापारीगणों द्वारा संतुष्टी व्यक्त की जा रही है। हमारा स्वच्छता अभियान लगातार चलता रहेगा।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी डी.पी.गोयल द्वारा प्रभा काम्पलेक्स के पास, मीनाक्षी चौक, आई.टी.आई. रोड, होशंगाबाद से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21-एच, इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल- 462023 (म.प्र.) से मुद्रित। संपादक- डी.पी.गोयल।मो.9827054436भोपाल कार्यालय : 4240007. डाकपंजीयन - MP/HSD04/2023-2025 व्यवस्थापक- डी.सी. पारे, मो. 8878623331 Email: amritdarshan@yahoo.com (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल रहेगा।)।